



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 21] नई दिल्ली, शनिवार, मई 24, 1980 (ज्येष्ठ 3, 1902)  
No. 21] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 24, 1980 (JAISHTHA 3, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली-3, दिनांक 22 अप्रैल 1980

सं० ए०-II/46/74—श्री स्वेन्द्र सिंह प्रवर्तन अधिकारी, प्रवर्तन निदेशालय, दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय, को दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 31-3-1980 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

एस० डी० मनचन्दा  
निदेशक

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1980

सं० 75 पी० आर० एस० 053—श्री रमेश चन्द्र, आई० ए० एस०, (यू० पी० :1961) सचिव केन्द्रीय सतर्कता आयोग की सेवाएं 1 मई, 1980 पूर्वाह्न से उत्तर प्रदेश शासन के निवर्तन पर रखी जाती है।

श्री रमेश चन्द्र, आयुक्त, गोरखपुर डिवीजन, गोरखपुर नियुक्त किये गये हैं।

श्रीम प्रकाश शर्मा  
निदेशक

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मन्त्रालय

एवं प्र० यु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1980

सं० ए०-19021/1/80-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री ए० एस० श्रीलोक, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश-1971) को दिनांक 10-4-1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 मई 1980

सं० ए०-19021/3/80-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री जसपाल सिंह (आंध्र प्रदेश-1970) को

दिनांक 3-5-1980 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०),  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

(महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 अप्रैल 1980

संख्या [प्रो० दो०-1424/77-स्थापना—मेजर अजायब सिंह ने पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्ति पर उप-पुलिस अधीक्षक, प्रो०सी०, ए० डब्ल्यू० एस०, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 24-2-1980 (अपराह्न) को त्याग दिया है।

के० आर० के० प्रसाद,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

—

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019 दिनांक 29 अप्रैल 1980

सं० ई०ब०16013(2)/79-कामिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री प्रकाश सिंह आई० पी० एस० (यू० टी०-64) ने दिनांक 11 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के सहायक महानिरीक्षक के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-16018/2/79-कामिक—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर श्री डी० के० मित्रा ने दिनांक 31 मार्च, 1980 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट ए० एस० पी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट (फायर) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 अप्रैल 1980

सं० 10/37/70-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक (सामाजिक अध्ययन) और इस समय उसी कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत श्री इ० रामास्वामी को उसी कार्यालय में तारीख 10 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक अस्थायी क्षमता में नियमित आधार पर अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर पदोन्नति पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री रामस्वामी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 2 मई 1980

सं० 11/123/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री बी० पी० चन्दक को मध्य प्रदेश,

भोपाल में जनगणना कार्य निदेशालय में 8 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री चन्दक का मुख्यालय रायपुर में होगा।

सं० 11/123/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री आर० सी० शर्मा को मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशालय में 22 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री शर्मा का मुख्यालय ग्वालियर में होगा।

दिनांक 5 मई 1980

सं० 11/102/प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एस० पी० ग्रोवर को पंजाब, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 14 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर उप-निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री ग्रोवर का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री ग्रोवर को उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/102-79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, लक्षद्वीप, क्वार्टरी में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री अलोक कुमार दत्त को उसी कार्यालय में तारीख 5 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री दत्त का मुख्यालय क्वारंटी में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री दत्त को उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के

विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/102/79-प्रश्न I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक जन-गणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री फूल सिंह को उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 16 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए जो भी अवधि पहले हो पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिंह का मुख्यालय मुरादाबाद में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री सिंह को उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उपनिदेशक जन-गणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएँ उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति-प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

पी० पदमनाभ,  
भारत के महापंजीकार

प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद,  
दिनांक 30 अप्रैल 1980

सं० पी० डी०-3/1071—श्री एस० के० आनंद, फोरमेन (उत्पादन) को स्थानापन्न रूप से सहायक कार्य प्रबंधक के पद पर वेतनमान रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में दिनांक 5-5-1980 (पूर्वाह्न) से 7-6-1980 से तदर्थ आधार पर पदोन्नत किया जाता है यह सहायक कार्य प्रबंधक का रिक्त स्थान श्री एम० पदमनाभन सहायक कार्य प्रबंधक के अवकाश पर जाने के कारण हुआ है।

दिनांक 2 मई 1980

सं० एम० 16/1070—श्री बी० एल० शर्मा फोरमैन (मैकेनिकल) को स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता (मैकेनिकल) के पद पर वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द०-रो०-40-1200 में दिनांक 4-5-1980 से 6-6-1980 से तदर्थ आधार पर पदोन्नत किया जाता है। यह सहायक अभियंता का रिक्त स्थान श्री एन० पी० सिंग, सहायक अभियंता (मैकेनिकल) के अवकाश पर जाने के कारण हुआ है।

श० रा० पाठक  
महा प्रबंधक

महालेखाकार का कार्यालय, जम्मू व काश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 25 अप्रैल 1980

सं० प्रशा० I/60(65)/80-81/347-49—महालेखा-कार जम्मू व काश्मीर ने अन्य आदेश होने तक इस कार्यालय

के एक स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री आर० के वशिष्ठ को 17 अप्रैल 1980 (पूर्वाह्न) से प्रभावी, स्थानापन्न हैसियत में लेखाधिकारी के रूप में पदोन्नत किया है।

एच० पी० दास  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार. (प्रशासन एवं अधिकरण)

कलकत्ता-700001, दिनांक 2 मई 1980

प्रशा० I/1038—XVI/323—महालेखाकार प्रथम, पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारियों के पूर्णतया अस्थायी पदों पर 28-4-1980 के पूर्वाह्न या जिस दिनांक से वे सचमुच लेखा अधिकारियों की हैसियत से कार्यालय महालेखाकार द्वितीय, पश्चिम बंगाल/कार्यालय लेखा निदेशक, केन्द्रीय कलकत्ता में कार्यभार सम्भालें (इनमें से जो बाद में हो), अगली आदेश तक नियोग करते हैं :—

सर्वश्री

1. समरेन्द्र साहा
2. हरेंद्र नाथ हालदार
3. पुलिनविहारी मंडल
4. मणि लाल मंडल

यह साफ तौर पर समझ लेना चाहिए कि यह प्रोन्नति कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक मुकदमे में विनिर्णय की समाप्ति होने तक पूर्णतया अस्थायी रूप से है और भारतीय गणराज्य व दूसरों के विरुद्ध दायर किए गये 1979 के सी० आर० केस नं० 14818 (एन) के अन्तिम फैसले के के अधीन है।

सुधा राजागोपालन  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०)

रक्षा लेखा विभाग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 29 अप्रैल 1980

सं० 184 73/प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा से श्री सतीश कुमार डोगरा का त्याग पत्र पहली फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

दिनांक 2 मई 1980

सं० 68012(6)/79/प्रशा० I—राष्ट्रपति, श्री एस० कृष्णामाचारी, स्थाई लेखा अधिकारी को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित संवर्ग के कनिष्ठ समयमान (700-1300) में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए दिनांक 2 अप्रैल 1980 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

के० पी० राव  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

## रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेंस फैक्टरियां सेवा

आर्डनेंस फैक्टरी बाड

कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल 1980

सं० 20/जी/80—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधि-कारियों को स्थापनापत्र स्टाफ अफसर के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं:—

सर्वश्री

- |                             |               |
|-----------------------------|---------------|
| (1) अभिरंजन बोस,            | 20 मार्च 1980 |
| स्थायी सहायक स्टाफ अफसर     |               |
| (2) बोमकेश मानिक,           | 20 मार्च 1980 |
| स्थायी सहायक स्टाफ अफसर     |               |
| (3) रघुनाथ दासगुप्ता,       | 20 मार्च 1980 |
| स्थायी सहायक स्टाफ अफसर     |               |
| (4) बी० कैलाशम,             | 20 मार्च 1980 |
| स्थायी सहायक स्टाफ अफसर     |               |
| (5) पार्वती कुमार गोस्वामी, | 20 मार्च 1980 |
| स्थायी सहायक स्टाफ अफसर     |               |
| (6) गिर्मल चन्द दास,        | 20 मार्च 1980 |
| स्थायी सहायक स्टाफ अफसर     |               |
| (7) प्रशान्त कुमार मल्लिक,  | 20 मार्च 1980 |
| स्थायी सहायक स्टाफ अफसर     |               |
| (8) रंजीत कुमार दास,        | 29 मार्च 1980 |
| स्थायी सहायक स्टाफ अफसर     |               |

बी० के० मेहता  
सहायक महानिदेशक  
आर्डनेंस फैक्टरियां

## उद्योग मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 28 अप्रैल 1980

सं० सी० ई० आर०/2/80—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1948 के खंड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/2/77 दिनांक 15-4-77 में, जो अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/2/79 दिनांक 17-12-1979 द्वारा संशोधित की गई थी, निम्नलिखित संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना के पैरा 5 स्पष्टीकरण (3) टिप्पणी (1) में “ताने में 28 से लेकर 80 का उंट” के स्थान पर “ताने में 28 और 80 का उंट के बीच” ये शब्द प्रतिस्थापित किये जाएंगे।

म० वा० चेंबुरकार  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 अप्रैल 1980

सं० 2983ए/ए-32013 (ए० ओ०) 78-80/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री जे० सी० सरकार को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-२० रो०-35-880 40-1000-२० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 22-3-1980 के पूर्वान्त से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 2995ए/ए-32013 (ए० ओ०) 78-80/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री एस० एम० लाहिड़ी को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-२० रो०-35-880 40-1000-२० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 24-3-1980 के पूर्वान्त से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 2 मई 1980

सं० 3469बी/ए-32013(4-ड्रिलर)/79-19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (ड्रिलिंग) को ड्रिलर के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-२० रो०-35-880-40-1000-२० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1980

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/956/72-प्रशासन (राज)—राष्ट्रपति वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय, वाणिज्य विभाग के श्री एम० ई० थोमस, उप सचिव को मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के कार्यालय में 7 अप्रैल 1980 के अपराह्न से संयुक्त मुख्यनियंत्रक आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करने हैं।

सी० वेंकटरामन  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात



में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है :—

नाम	कार्यभार-ग्रहण तिथि
1	2
सर्वश्री	3
1. एच० एल० भट्टाचार्य	21-1-80 (पूर्वाह्न)
2. जे० के० शोम	17-1-80 (पूर्वाह्न)
3. एस० के० मुखर्जी	21-1-80 (पूर्वाह्न)

बी० एस० कृष्णस्वामी  
महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 2 मई 1980

सं० 5/16/70-सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली के स्थायी छायाग्राहक श्री डी० आर० हलवनकर को दिनांक 8-10-1979 के पूर्वाह्न से तबय आधार पर समान कार्यालय में समाचार अधिकारी के पद पर अगले आदेश तक नियुक्त किया है।

न० ना० शर्मा  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1980

सं० ए० 19021/2/80-के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जी० एस० अग्रवाल को 10 मार्च, 1980 पूर्वाह्न से प्रथमतः एक वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1980

सं० 34-24/69-प्रशासन-1—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली की उपचर्या अधीक्षक श्रीमति ए० रतना 29 फरवरी, 1980 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गई हैं।

शाम लाल कुठियाला  
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1980

सं० ए० 19025/19/80-प्रशा० III—संचालक सेवा आयोग की नियुक्तियों के अनुसार श्री अजय कुमार वर्मा को इस निदेशालय के अधीन गुन्डूर में तारीख 31-3-1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 29 अप्रैल 1980

सं० ए० 19024/6/79-प्र० तृ०—श्री आर० रामकृष्णन, वरिष्ठ रसायनज्ञ को दिनांक 14-4-1980 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर तीन माह से अधिक अवधि के लिए नहीं अथवा जब तक नियमित प्रबन्ध नहीं किये जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हों, स्थानापन्न मुख्य रसायनज्ञ के रूप में बम्बई में नियुक्त किया जाता है।

बी० एल० मनिहार

प्रशासन निदेशक

कृते कृषि विपणन सलाहकार

कृषि एवं सहकारिता विभाग

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1980

मि० सं० 12-9/77-स्था०(I)—कृषि मंत्रालय, कृषि और सहकारिता विभाग की विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री कृष्ण कुमार शर्मा, वर्तमान नियमित रूप से स्थानापन्न उपनिदेशक (प्रशासन) की विस्तार निदेशालय, कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय से अधीक्षक (ग्रेड I) जी०सी०एस० समूह (बी) राजपत्रित लिपिक वर्गीय के स्थायी पद पर रूपये 700-30-760-35-900 के वेतनमान में 6-8-1974 से मौलिक नियुक्ति की गई है।

बद्री नाथ चड्ढा

निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 25 अप्रैल 1980

मं० पी०पी०ई०डी०/3/(236)/80-प्रशासन 5967—विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक इस प्रभाग के निम्नलिखित कर्मचारियों को फरवरी 1, 1980 के पूर्वाह्न से

अगले आदेश तक के लिए उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता—ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं :—

क्रम संख्या	नाम	वर्तमान ग्रेड
1	2	3
	सर्वश्री	
1.	बी० एस० फावडे	नक्शानवीस बी० (स्थायीकृत)

1	2	3
	सर्वश्री	
2.	सी० एस० अस्तारडे	नक्शानवीस "सी" (स्थाई नक्शानवीस "बी")
3.	सी० जान मैथ्यू	वैज्ञानिक सहायक "सी" (स्थायीकृत नक्शानवीस "बी")
		ब० वि० थत्ते प्रशासन अधिकारी

नरोरा, परमाणु विद्युत परियोजना  
नरोरा, दिनांक 29 अप्रैल 1980

क्र० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(168)/80-एस०—नरोरा  
परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य अभियंता राजस्थान  
परमाणु विद्युत परियोजना के निम्नलिखित स्थानापन्न वैज्ञा-

निक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० को नरोरा परमाणु  
विद्युत परियोजना में प्रत्येक व्यक्ति के नाम के सम्मुख दी  
गई तिथियों से अग्रिम आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप  
में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त  
करते हैं :—

क्र०	नाम	वर्तमान पद	पी० पी० ई० डी० समूह में प्राप्त स्थायी पद	कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक
1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
1.	आर० के० शर्मा	एस० ओ०/एस० बी०	सहायक फोरमैन	1-4-80
2.	राजिन्द्र प्रसद	एस० ओ०/एस० बी०	सहायक फोरमैन	2-4-80
3.	कलबत सिंह	एस० ओ०	ड्राफ्ट्समैन बी	7-4-80

एस० कृष्णन  
प्रशासन अधिकारी  
नूते मुख्य परियोजना अभियंता

#### नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० पी० ए० आर०/0704/4332—नाभिकीय ईंधन  
सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने स्थायी अपर डिवाइजन क्लर्क  
श्री आर० व० रविशंकर को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में  
दिनांक 19-9-1979 से 7-10-1979 पर्यन्त स्थानापन्न  
सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त  
किया है। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी०  
एस० आर० मूर्ती के अवकाश ग्रहण करने के कारण की  
गयी।

दिनांक 22 दिसम्बर 1979

सं० ना० ई० सं० पी० ए० आर०/0705/5603:—  
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखा-  
कार श्री एस० रंगराजन को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में  
दिनांक 18-12-1979 से 17-2-1980 पर्यन्त अथवा आगामी  
आदेशों तक—जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न सहायक लेखा-  
धिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० पी० ए० आर०/0705/5603:—नाभिकीय ईंधन  
सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाकार श्री सी०  
आर० प्रभाकरन को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में दिनांक  
22-11-1979 से 17-12-1979 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक  
लेखाधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया  
है।

दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० पी० ए० आर०/1603/198—नाभिकीय ईंधन  
सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने अस्थायी सुपरवाइजर  
(सिविल) श्री जी० सुंदर रमण को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र,  
हैदराबाद में दिनांक 1-8-1978 से स्थानापन्न वैज्ञानिक अधि-  
कारी/अभियंता (एस० बी०) के पद पर आगामी आदेशों तक के  
लिए नियुक्त किया है।

सं० पी० ए० आर०/1603/199—नाभिकीय ईंधन  
सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने अस्थाई सुपरवाइजर (सिविल)  
श्री टी० जगन्नाथ राव को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में दिनांक  
1-8-1979 से स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता (एस०  
बी०) के पद पर आगामी आदेशों तक के लिए नियुक्त किया  
है।

दिनांक 10 फरवरी 1980

सं० पी०ए०आर० : 0705/963—अधिसूचना सं० ना० ई० सं० 0705/5604, दिनांक 22-12-1979 के क्रम में नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाकार श्री सी० आर० प्रभाकरन की स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी के पद पर नियुक्ति को दिनांक 18-12-1979 से 29-12-1979 पर्यन्त आगे बढ़ा दिया है।

दिनांक 21 फरवरी 1980

सं० पी०ए०आर०/0704/1241 : नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने अस्थाई आणुलिपिक औद्योगिक (एस०जी) श्री भ० ल० गणपति शास्त्री को दिनांक : 18-2-1980 से 3-4-1980 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री वी० आर० विजयन के प्रशिक्षणार्थ गमन के कारण की गई।

दिनांक 26 मार्च 1980

सं० ना०ई० सं० : पी० ए० आर० : 0705 : 1922—अधिसूचना सं० ना० ई० सं० पी० ए० आर० : 0705 : 5603 दिनांक 22-12-1979 के क्रम में नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाकार श्री एस० रंगराजन की स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर दिनांक 18-2-1980 से नियुक्ति को आगामी आदेशों तक के लिए आगे बढ़ा दिया है।

यू० वासुदेवा राव,  
प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

कोटा, दिनांक 1 मई 1980

सं० रा०प०वि०प०/भर्ती/2(22)/80/स्थ०/23—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर इस परियोजना के स्थायी लेखापाल श्री जी० के० सेन को राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में तारीख 1 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक लेखा अधिकारी-II के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह,  
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)  
कूते मुख्य परियोजना इंजीनियर

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 2 मई 1980

सं० प० ख० प्र०-8(1)/80-भर्ती—इस कार्यालय की दिनांक 18 अप्रैल, 1980 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री सोमनाथ सचदेव, हिन्दी अनुवादक की सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर की गई पूर्णतयः अस्थायी नियुक्ति, जो श्री आर० एन० दे, सहायक कार्मिक अधिकारी

के छुट्टी पर जाने के कारण की गई थी, की अवधि को एतद्द्वारा 4 अप्रैल, 1980 के अपराह्न तक बढ़ाते हैं।

सं० प० ख० प्र०-8(2)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के सहायक श्री टी० यू० नारायणन को उसी प्रभाग में श्री आर० एन० दे, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 5-4-1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक के लिये पूर्णतयः अस्थायी तौर पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-8(2)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के सहायक श्री लक्ष्मी नारायण को उसी प्रभाग में श्री के० आर० बालमुक्तायनम, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 28-4-1980 के पूर्वाह्न से 31-5-1980 के अपराह्न तक की अवधि के लिए पूर्णतयः अस्थायी तौर पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी०ए०पी०पी०, दिनांक 18 अप्रैल 1980

सं०-टी०ए०पी०एस०/1/19(1)/76-आर०—मुख्य अधीक्षक तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री य० रा० बेलणकर, अस्थायी सहायक लेखापाल को इसी बिजलीघर में दिनांक 11 अप्रैल, 1980 से 31 मई, 1980 तक के लिए तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19(1)/76-आर०—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री जगदीश प्रसाद खंडेलवाल, अस्थायी सहायक लेखा अधिकारी को इसी बिजली घर में दिनांक 11 अप्रैल, 1980 से 31 मई, 1980 तक के लिए तदर्थ आधार पर लेखा अधिकारी- नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 अप्रैल 1980

सं० टी०ए० पी० एस०/1/34(1) 77-आर० (खंड-IV)—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री व० वि० तम्हाणे, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में ट्रेड्समैन "डी" तथा तारापुर परमाणु बिजलीघर में ट्रेड्समैन "जी" को इसी बिजलीघर में रु० 650-30-740-35-810 द० रु०-35-880-40-1000-द० रु०-40-1200 के वेतनक्रम में अस्थायी क्षमता में दिनांक 1 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

ए० डी० देसाई,  
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1980

सं० ए० 32013/3/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने महानिदेशक नागर विमानन मुख्यालय के श्री एल० आर० गर्ग, सहायक निदेशक संचार को दिनांक 8-2-1980 से अन्य आदेश होने तक नियमित रूप से उपनिदेशक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में नियुक्त किया है।

हरबंस लाल कोहली  
निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1980

सं० ए० 24013/2/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने रेडियो निर्माण और विकास एकक, मफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के श्री ए० के० अग्रवाल, तकनीकी अधिकारी का दिनांक 21-11-1979 (अपराह्न) से त्यागपत्र मंजूर कर लिया है।

सं० ए० 38015/7/79-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 31-10-79 की अधिसूचना सं० ए० 38015/7/79-ई० सी० की लाइन चार में उल्लिखित तारीख के स्थान पर 2-7-79 (अपराह्न) प्रतिस्थापित कर पढ़ा जाए।

दिनांक 3 मई 1980

सं० ए० 32013/11/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, मोहनबाड़ी के श्री एम० इरूलपन, तकनीकी अधिकारी को 31-3-1980 (पूर्वाह्न) से छः माह की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, बरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता में तैनात किया है।

आर० एन० दास  
सहायक निदेश (प्रशासन)

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मध्य प्रदेश

इन्दौर, दिनांक 24 अप्रैल 1980

सं० 6/80—मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय इन्दौर के बहुपदीय रेंज-I इन्दौर में तैनात श्री जी० जे० केवलरामानी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी (ख) ने निवर्तन की प्राप्ति करने पर दिनांक 31 मार्च, 1980 के अपराह्न में सेवामुक्त कर दिये गये।

शिबिन किशिन धर  
समाहर्ता

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 2 मई 1980

सं० 1-टी० आर०(3)/76—राष्ट्रपति, भारतीय नौवहन निगम लिमिटेड, बम्बई के अधिकारी, कप्तान बी० सी०

डिपैचा को प्रतिनियुक्ति पर प्रशिक्षण पोत "राजेन्द्र" में तारीख 27-10-1976 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर नाटिकल अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एस० सिधू  
नौवहन उप महानिदेशक

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1980

सं० 1/229/69-ई० सी०-9—इस विभाग के स्थानापन्न सहायक वास्तुक श्री एम० आई० मेहता वार्धक्य की प्राप्ति करने पर दिनांक 29 अप्रैल, 1980 (अप०) को सेवा-निवृत्त हो गए। 30 अप्रैल को कार्यालय में छुट्टी है।

के० ए० अनंतनारायणन्  
प्रशासन उपनिदेशक

दक्षिण मध्य रेलवे

रेल निलयम

कार्मिक शाखा

मिकन्दराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० पी०(जी०)185/ई०एल०—श्री एन० पी० शिवन्ना, स्थानापन्न सहायक विद्युत इंजीनियर को इस रेलवे के विद्युत इंजीनियरी विभाग के श्रेणी-II सेवा में 16-4-1979 से स्थायी किया जाता है।

एन० नीलकण्ठ शर्मा  
महाप्रबन्धक

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1980

सं० 21—भारतीय यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके सामने दी गई लिपियों से उस विभाग के कनिष्ठ वेतनमान में स्थायी किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	तिथि
1	2	3
	सर्वश्री	
1.	जे० एस० धावला	7-4-76
2.	एम० हांडा	19-1-77 दिनांक 19-1-77 से 31-12-79 सुपरेनुमरी पोस्ट पर
3.	ए० के० मल्होत्रा	20-10-77 दिनांक 20-10-77 से 31-12-81 सुपरेनुमरी पोस्ट पर

आर० के० नटेशन  
महाप्रबन्धक

प्रति एवं पुनर्वास मंत्रालय

(प्रति विभाग)

कलकत्ता-27, दिनांक 28 अप्रैल 1980

सं० जी-65/बी(गोप०)—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री दिप्तीपति मुखर्जी, वैज्ञानिक सहायक (विद्युत), राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता को वैज्ञानिक अधिकारी (विद्युत) के पद पर सामयिक रूप से दिनांक 8-4-80 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

सं० जी-65/बी(गोप०)—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री बी० के० विश्वास वैज्ञानिक सहायक (विद्युत) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता को वैज्ञानिक अधिकारी (विद्युत) के पद पर दिनांक 8-4-80 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

ए० बनार्जी,

उपनिदेशक (प्रशसन)

कृते महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह

आयुक्त आयुक्त का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1980

आयुक्त राजपत्रित स्थापना

सं० प्रशा० राज० 173-4/79(1)—आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां अधिनियम) 1 की धारा 117 की उपधारा (2) से प्रदत्त की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, श्री एम० एल० सी० डिसूजा, आयुक्त

आयुक्त, बम्बई नगर-1, बम्बई ने निम्नलिखित हिन्दी अनुवादक को हिन्दी अधिकारी और आयुक्त निरीक्षकों को आयुक्त अधिकारी श्रेणी-2 के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए उनके नामों के सामने दी गई तारीखों के अगले आदेशों तक के लिए नियुक्त किया है।

सर्वश्री

1. एम० एल० शर्मा	हिन्दी अनुवादक	20-9-79	पूर्वाह्न
2. के० एम० बरसीवाला	निरीक्षक	7-1-80	„
3. एल० पी० सोनेजी	„	4-1-80	„
4. एस० आर. चौकेकर	„	5-1-80	„
5. एन० ए० गंगावने	„	3-1-80	„
6. एस० डी० न्यायनिगुने	„	7-3-80	„
7. ए० बी० सरदेसाई	„	7-3-80	„

2. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली. के पत्र एफ० नं० 22/3/64-प्रशा०-5 दिनांक 25-4-75 के अनुसार वे दो वर्षों की अवधि के लिए परीक्षा के अधीन रहेंगे। यदि जरूरी हुआ तो यह परीक्षा की अवधि ऊपर लिखित अवधि से आगे भी बढ़ाई जा सकती है। इस पद पर उनकी पुष्टि और या उन्हें रक्षा गया परीक्षा की अवधि के सफल समापन पर निर्भर करेगा।

3. उनकी नियुक्तियां बिल्कुल अस्थायी और अनंतिम हैं और बिना सूचना किसी भी समय समाप्त करनी पड़ सकती है।

एम० एल० सी० डिसूजा

आयुक्त आयुक्त

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निर्देश सं० एसएनजी/50/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० खेतीदार भूमि 26 बीघा 16 बिस्वा है तथा जो गांव बहादुरपुर डाकखाना बहादुरपुर, जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति दलीप कौर पुत्री श्री हजूर सिंह निवासी गांव व डाकखाना बहादुरपुर, संगरूर (अन्तरक)
2. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री दलबारा सिंह निवासी गांव व डाकखाना, बहादुरपुर, संगरूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतीदार भूमि 26 बीघा 16 बिस्वा जो कि गांव बहादुरपुर, जिला संगरूर में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1587, अगस्त 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 2 अप्रैल, 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल, 1980

निदेश सं० सीएचडी/199/79-80—अतः मुझे सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1215 है तथा जो  
सेक्टर 34-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8/79

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मेजर नन्दा कुमार नेयर पुत्र के० आर० के० नेयर  
10-2-317/22- विजय नगर कालोनी हैदराबाद द्वारा  
जनरल पावर आफ अटारनी श्री बी० सी० मदोक पुत्र श्री  
रत्न लाल निवासी मकान नं० 15, टाईप 3, कैनाल कालोनी,  
मोडल टाउन, अम्बाला सिटी। (अन्तरक)

2. श्री जगपाल सिंह पुत्र श्री जवाला सिंह निवासी  
मकान नं० 202, सेक्टर 22-ए चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

3.\*—

4. डिप्टी सेक्रेटरी ऐजुकेशन डिपार्टमेंट पंजाब गवर्नमेंट,  
चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1215 सेक्टर 34-सी चण्डीगढ़।  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1127, अगस्त 1979 में  
दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 अप्रैल 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० सीएचडी/175/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या रिहायशी प्लॉट नं० 1833 है तथा जो सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार सिक्का पुत्र लाल चरणजीत लाल निवासी चौदवार कटक (उड़ीसा) द्वारा स्पेशल पावर आफ अटारनी श्री दर्शन लाल सचदेवा पुत्र श्री गोपाल दास मकान नं० 285 सेक्टर 20-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री दिनेश कुमार (माईनर) पुत्र श्री दर्शन लाल द्वारा माता व नेचुरल गार्डियन श्रीमति सवित्री देवी पत्नी श्री दर्शन लाल, 285 सेक्टर 20-ए चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1833 सेक्टर 34-डी चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1031, अगस्त, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 अप्रैल 1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० सी०एच०डी०/180/79-80—अतः मुझे, सुखदेव

चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

श्रीरामकी मंथरा मकान नं० 1648 है तथा जो सेक्टर 7-मी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीराम ने उपायुक्त अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय ढाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नौनिहाल सिंह पुत्र श्री इन्द्रजीत सिंह, निवासी 10-बबर प्लेस, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री राम प्रकाश पुत्र श्री बरकत राम, श्रीमति सोमा रानी पत्नी श्री राम प्रकाश, मकान नं० 1648, सेक्टर 7-सी चण्डीगढ़ । (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1648, सेक्टर 7-मी, चण्डीगढ़ (जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1058, अगस्त 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 अप्रैल 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० सीएचडी/345/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 333 है तथा जो सेक्टर 33 ए चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डाक्टर जोगिन्द्र सिंह पुरी पुत्र दीवान सिंह पुरी निवासी ई-476, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली द्वारा स्पेशल पावर आफ अटारनी श्रीमति इन्द्रजीत गिल पत्नि श्री गुरुदेव सिंह गिल मकान नं० 228, सेक्टर 21-ए चण्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री गुरुदेव सिंह गिल पुत्र श्री जसमेर सिंह गिल निवासी मकान नं० 228 सेक्टर 21-ए चण्डीगढ़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 333, सेक्टर 33-ए चण्डीगढ़ जाय-दाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेख संख्या नं० 1890 सिम्बर 1979 में दर्ज है ।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 अप्रैल, 1980  
मोहर :

प्रकरण 3430 एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० पीटीए/262/79-80—अतः मुझे, सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्यावर संवत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं रिहायशी क्वार्टर नं० 404 है तथा जो  
त्रिपुरी टाऊन, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया  
है ।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भग्न वस्तुओं  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अधीनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वासु:—

1. श्रीमति इन्द्रकौर पत्नी श्री हरिन्द्र सिंह क्वार्टर नं०  
404, त्रिपुरी टाऊन, पटियाला, अब वासी मकान नं०  
1000, खातीवाला टैंक इन्दौर (एम० पी०) (अन्तरक)

2. श्री चरण सरन हरि सिंह पुत्र श्री आन्ना सिंह  
क्वार्टर 11 एक त्रिपुरी टाऊन, पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यगर्ह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राश्न:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संवत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताअरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त गण्यों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी क्वार्टर नं० 404 त्रिपुरी टाऊन, पटियाला  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के  
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3236 अगस्त, 1979 में दर्ज  
है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 अप्रैल, 1980।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निर्देश सं० सीएचडी/197/79-80—अतः मुझे सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन मसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 325 है तथा जो सेक्टर 33-ए  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 8/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए घटारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और घटारक (अंतरकों) और घटारिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया  
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घटारण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के घटारक के बाधित्व में कमो  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य धान्तिथों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लै० कर्नल अमर सिंह सभरवाल पुत्र श्री सुन्दर सिंह  
निवासी मकान नं० 80, अलेगजद्रा रोड, अम्बाला कैन्ट द्वारा  
स्पेशल पावर आफ अटारनी श्री भुला सिंह पुत्र श्री रलिया  
सिंह निवासी मकान नं० 526, सेक्टर 20-ए चण्डीगढ़  
(अन्तरक)

2. श्री तरसेम सिंह, गुरबचन सिंह, महिन्द्र सिंह, सरबन  
मिह पुत्र श्री भुला सिंह, 325 सेक्टर 33-ए चण्डीगढ़  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन का अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 325 सेक्टर 33-ए चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा  
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख  
संख्या नं० 1123 अगस्त 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 अप्रैल, 1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लघियाना

लघियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० राज/123/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बूथ नं० 113 है तथा जो शापिंग सेंटर राजपुरा टाऊनशिप में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3-76GI/80

1. श्री वीर भान पुत्र श्री पुष्प राम निवासी मकान नं० 224/7, सितर मंजिल, सरहिन्दी बाजार पटियाला (अन्तरक)

2. श्री महेश कुमार पुत्र श्री आसा नन्द श्रीमति जानकी देवी पत्नी श्री आसा नन्द निवासी 2903, राजपुरा टाऊनशिप (अन्तरिती)

3. श्री राजकुमार बूथ नं० 13, शापिंग सेंटर, राजपुरा टाऊनशिप (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बूथ नं० 13 शापिंग सेंटर, राजपुरा टाऊनशिप (जाय-दाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा के कार्यालय के बिलेख संख्या नं० 2246 सितम्बर 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लघियाना

तारीख : 2 अप्रैल, 1980

मोहर :

प्रकृप जारी • टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० सीएसडी/212/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संरिहायशी प्लॉट नं० 195 है तथा जो सेक्टर 33ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐव अन्तर के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से दिया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किमी आन या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. लेफ्टीनेंट कर्नल कर्म नारायण गुजराल पुत्र श्री राम नारायण गुजराल निवासी जे/4, मालवा नगर एक्स्टेंशन, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह निवासी मकान नं० 463, 37ए, चण्डीगढ़ (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारा 269-ब

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या हरमंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 195 सेक्टर 33ए चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1208, सितम्बर 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 2 अप्रैल, 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निर्देश सं० सीएचडी/204/79-80—अतः मुझे सुखदेव

चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1846 है तथा जो सैक्टर 34डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री प्रेमचन्द विजेश्वर पुत्र श्री सरकारू मल वासी रेलवे रोड खन्ना जिला लुधियाना द्वारा जनरल अटार्नी श्री मतपाल पुत्र श्री सरकास मल वासी रेलवे रोड खन्ना (अन्तरक)

2. श्री गुरसेवक सिंह सेखों पुत्र कैप्टन जागीर सिंह पी०सी०एस० निवासी मकान नं० 2524 सैक्टर 19 सी चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

प्लॉट नं० 1846 सैक्टर 34डी चण्डीगढ़ जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ कार्यालय में विलेख संख्या 1163, अगस्त 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 अप्रैल 1980

मोहर:

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निर्देश सं० सीएचडी/191/79-80---अतः मुखे सुखदेव

चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० (अनेक्सी) 152, प्लॉट नं० 9 है तथा जो गली जे, सेक्टर 27-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपास्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1 श्रीमति तारा दुदेजा पत्नी श्री जे० एन० दुदेजा निवासी मकान नं० 155, गलफ लिंग, नई दिल्ली-3 (अन्तरक)

2. श्री जमपान सिंह वनदोना पुत्र श्री कर्म सिंह वनदोना मकान नं० 64, सेक्टर 28-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

3. श्री शादी लाल निवासी मकान नं० 152 प्लॉट नं० 9, गली जे, सेक्टर 27-ए, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 152, प्लॉट नं० 9, गली जे सेक्टर 27-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1110, अगस्त 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 2 अप्रैल, 1980।

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 3 अप्रैल 1980

निदेश सं० एलडीएच/287/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० बी-XVII-9/15-सी है तथा जो मुहल्ला सन्दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री हंस राज पुत्र श्री चिरंजी-लाल निवासी मकान नं० बी-XVII-49/15सी, सन्दीप नगर, लुधियाना । (अन्तरक)

2. श्री सरदार सिंह पुत्र श्री किशन सिंह निवासी मकान नं० बी-XVII-49/15-सी सन्दीप नगर, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० बी-XVII-49/15सी, सन्दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना ।

(जायदादा, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2327, अगस्त, 1979 में दर्ज है ।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 3 अप्रैल, 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 3 अप्रैल 1980

निर्देश सं० एलडीएच/288/79-80—अतः मुझे सुखदेव

चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० B-XVII-49/15-सी है तथा जो सन्दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नरिन्द्र कुमार पुत्र श्री हंस राज निवासी बी-XVII-49/15सी, सन्दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री सरदार सिंह पुत्र श्री किशन सिंह निवासी मकान नं० बी-XVII-49/15-सी, सन्दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० बी-XVII-49/15-सी, सन्दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2328 अगस्त 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 3 अप्रैल, 1980

माहुर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 3 अप्रैल 1980

निदेश सं० टीपीए/11/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खेतीबाड़ी भूमि 56 कनाल है तथा जो गांव ढिलवां (नाभा) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तापा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी ग्राम या ग्राम आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन

1. श्री नाजर सिंह पुत्र श्री वचन सिंह निवासी गांव ढिलवां जवरल अटारनी श्री करतार सिंह पुत्र श्री चूहड़ा सिंह गांव ढिलवां (नाभा) (अन्तरक)

2. सर्वश्री हरदेव सिंह, गुरुदेव सिंह पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह निवासी गांव ढिलवां, नाभा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतगंधी

खेती बाड़ी भूमि 56 कनाल जो कि गांव ढिलवां नाभा में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तापा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1256, अगस्त 1979 में दर्ज है।)

सुखदेवचन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

तारीख : 3 अप्रैल, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 3 अप्रैल 1980

निदेश सं० एमकेएल/7/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खेतीबाड़ी भूमि 26 बीघा 11½ बिस्वा है तथा जो गांव हाथन (मालेरकोटला) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मालेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नाराज गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या हिसो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या हिशा जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति जल कौर बिधवा श्री सनेला निवासी गांव हाथन, मालेरकोटला (अन्तरक)

2. श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री लाल सिंह निवासी गांव हाथन, मालेरकोटला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतीबाड़ी भूमि 26 बीघा 11½ बिस्वा जो कि गांव हाथन, मालेरकोटला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मालेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2480, अगस्त, 1979 में वर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 3 अप्रैल 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर-10, दिनांक 25 फरवरी 1980

फा० सं० आया० ए० सी०/अर्जन/118/79—80—

अतः मुझे एस० के० बिलग्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 56, है तथा जो मौजा यवत-माल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-8-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

4—76GI/80

- (1) 1. इसमार्ईक भाई अशु तेली,  
2. श्री चुन्नी लाल खतुलाल शर्मा, दोनों रहने वाले सरदार पटेल, चौक यवलतमाल (अन्तरक)
- (2) 1. श्रीमति गीताबाई पुरुषोत्तमदासजी खोटीवाल,  
2. श्रीमति द्रोपदीबाई राधेश्याम जी अग्रवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि योग्य जमीन 25.4 एन सर्वे नं० 56, मौजा यवन-माल।

एस० के० बिलग्या

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज नागपुर

तिथि 25-2-80

मोहुर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, नागपुर

नागपुर-10, दिनांक 25 फरवरी 1980

निदेश सं० फा० सं० आई०ए०सी०/अर्जन/119/79-80—

अतः मुझे एस० के० बिलम्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी फील्ड नं० 54/4, प० ह० नं० 34 है तथा जो दिगौरी त० तथा जि० नागपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-8-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. दी असोसिएटेड फैंडस कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लि० नायक रोड, महाल नागपुर (अन्तरक)
2. भागाम वर्गीय आदिवासी मंडल फ्लैट नं० 624-ए, नेहड़ नगर सक्करदारा, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोभनकारी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फील्ड नं० 544, प० ह० नं० 34, (1 21 हेक्टरस)  
मोजा दिगौरी, ता० जिला नागपुर।

एस० के० बिलम्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, नागपुर

तारीख : 25-2-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज नागपुर

नागपुर, दिनांक 26 फरवरी 1980

निदेश फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/120/79-80—अतः मुझे, एस० के० बिलय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी प० ह० नं० 5 खेत नं० 179/9 है तथा जो बाड़ी नागपुर में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब को उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री तुलसीराम काशीनाथ इरवनकर, रहने वाले बाड़ी ता० तथा जि० नागपुर (अन्तरक)

2. श्री संत ज्ञानेश्वर गृह निर्माण सहकारी संस्था, हनुमान नगर, नागपुर (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्कों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन प० ह० नं० 5 फील्ड नं० 179/9 (जमीन 1.50 एकड़) मौजा बाड़ी ता० तथा जि० नागपुर।

एस० के० बिलय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 26 फरवरी, 1980  
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 26 फरवरी 1980

निदेश फा० सं० आय० य० सी०/अर्जन/121/79-80—अतः  
मुझे, एस० के० बिलर्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 106ए, मकान नं० 105 है  
तथा जो लकड़गंज नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 6-8-1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए घटारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित छद्मेय से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में मुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री दयाराम जे० राजई, "धनुकुड" प्लॉट नं०  
31/10 स्वस्तिक कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, छापनगर,  
पुराना भागदगंज, नागपुर। (अन्तरक)

2 श्रीमति देवीबाई चंदुलाल सुगंध, प्लॉट नं० 106ए,  
गुडी महाराज गुरुद्वारा के पास, कोटा कालोनी, लकड़गंज  
नागपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और रशों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 106ए, मकान नं० 105 (1764 स्केयर फीट)  
लकड़गंज लेआउट, कोटा कालोनी नागपुर।

एस० के० बिलर्या,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 26-2-1980

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 27 फरवरी 1980

फा० सं० आय० ए०सी०/अर्जन/122/79-80—अतः मुझे, एस० के० बिलय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 47, मकान नं० 954 है तथा जो नागपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-8-79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री महादेवराज अप्पाजी निबर्ते, शांती नगर, सर्कल नं० 11/17, नई इतवारी स्टेशन, नागपुर (अन्तरक);

2. श्रीमति कंचन गौटी मनसुखलाल ठाकरार, जायदाद स्कूल के पास, बाडर रोड, महाल, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक आय० टी० प्लॉट नं० 47 मकान नं० 954 सर्कल नं० 5/10 बार्ड नं० 24, जुना बगडगंज रोड, नागपुर।

एस० के० बिलय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 27-2-1980।

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 27 फरवरी 1980

फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/123/79-80—अतः  
मुझे, एस० के बिलय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि व्यापार सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 22 है तथा जो धरमपेठ नागपुर में  
स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 13-8-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
व्यवस्थान प्रतिकल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवस्थान प्रतिकल से ऐसे  
व्यवस्थान प्रतिकल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और  
प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षियों) के बीच  
ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
बद्वेष से उक्त प्रत्यक्ष लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित  
नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी भाग की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब  
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति अपूर्णा शशीश मोहिले, रिजनल आफिसर  
फील्डसेमर बोर्ड, 44, ब्लाक 'सी', टाईप-5, हैदराबाद हाउस,  
नेपन रोड, मुंबई-36 (अंतरक)

2. श्रीमति कैलाश बनवारीलाल नागपाल, "शांति  
भवन" गुरु नन्दा स्कूल के पास, कछबी चौक, नागपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त व्यापार सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-  
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

3/5 भाग प्लॉट नं० 22 (2979 वर्ग फुट) मोजा पुटाला,  
धरमपेठ, नागपुर।

एस० के० बिलय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 27-2-1980।  
मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 27 फरवरी 1980

फा० सं० आई० ए० सी०/अर्जन/124/79-80—

अतः मुझे एस० के० बिलरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी प्लॉट सं० 38 है तथा जो नागपुर में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तर के निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जयप्रकाश नारायण राधाकिसनजी गुप्ता, प्लॉट नं० 9-बी, तिलक नगर, नागपुर (अन्तरक)

2. मेसर्स कोशल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं० 39, नवनिर्माण हाउसिंग सोसायटी लेआउट, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वहस्ताक्षर :— इमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 38 का भाग, हिन्दुस्तान हाउसिंग कंपनी लेआउट जो अमरावती रोड, नागपुर में स्थित है।

एस० के० बिलरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 27-2-1980।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज नागपुर

नागपुर-10, दिनांक 28 फरवरी 1980

फा० सं० आई० ए० सी०/अर्जन/126/79-80—अतः,  
मुझे, एम० के० बिलय्या,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति ज़िमका खेत बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और ज़िमकी सं० प० ह० नं० 6, खेत नं० 60 तथा 60/2  
है तथा जो बधामना, ता० जि० नागपुर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण.  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
29-8-1979

वो पूर्वोक्त संपत्ति के खेत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
काने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-  
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गणपत पुंडलीक भेंडे, बधामना तह० जिला  
नागपुर। (अन्तरक)

2. श्री रामकुमार रामबोध तिवारी, प्लॉट नं० 160,  
बजाज नगर, नागपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य जमीन ज़िमका खेत नं० 60 तथा 60/2 है,  
प० ह० नं० 6 तथा जो, ता० बधामना में है, तथा जि० नागपुर  
में है।

एम० के० बिलय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 28-2-1980  
मुहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 28 फरवरी, 1980

फा० सं० आई० ए० सी०/अर्जन/127/79-80—अतः, मुझे, एस० के० बिलय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मकान सं० 1-2-245 है तथा जो शिवाजी नगर नांदेड में स्थित है (और इससे उपायय्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नांदेड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी हानि या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या व्यव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5-76GI/80

1. श्री मोहम्मद सहीरउद्दीन मोहम्मद नसीरुद्दीन कुरेशी, नांदेड। (अन्तरक)

2. श्रीमती नूरजहां बेगम मोहम्मद अब्दुल करीम सीद्दीकी, इतवारा, नांदेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यु० मकान नं० 1-2-245, शिवाजी नगर, नांदेड।

एस० के० बिलय्या,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, नागपुरतारीख : 28-2-1980  
मोहर :

प्रकृष धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बंबई

बंबई, दिनांक

1980

सं० ए० आर०-II/2816.4/आ 79—अतः, मुझे, ए० एच० तेजाले,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 16 (पाटें) सी० टी० एस० नं० 997/2 (पाटें) प्लॉट नं० 12 सी० टी० एस० नं० 997 और 997/1 है तथा जो जुहू तारा रोड में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-8-79 (विलेख सं० एस० 310/78) को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्विक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डाक्टर मुराद डी० उमरीगर। (अन्तरक)

2. मैमर्स फिरोज ईस्टेट प्राईवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस/310/78/बंबई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 18-8-79 में रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाले  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, बम्बई

तारीख :

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

1. मालती ग्राम्मा 2. जयश्री (अन्तरक)

2. श्री जोसफ मात्यु (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 322/79-80—अतः मुझे के०

नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में  
स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 4-8-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/4th right over 58.5 cents of land with buildings as per  
schedule attached to doc. No. 2829/79.

के० नारायणा मेनोन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 7-9-1979

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री जोसफ मलाय (अन्तरक)

2. जार्ज तोमज (जूनियर) (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीन-16 दिनांक 12 मार्च 1980

निदेश सं० एल० सी० 404/79-80—अतः मुझे श्री०

मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो विजयपुरम  
विल्लेख में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय कोट्टयम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 2/8/79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

7 cents of land in Sy. No. 67/1A/3 of Vyayapuram  
Village.

श्री० मोहनलाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम

तारीख 12-3-1980

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

कोचीन-16, दिनांक 8 अप्रैल 1980

निदेश सं० एल० सी० 407/80--81--अतः मुझे  
बी० मोहन लाल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोट्टपुरम में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
गणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडूनालूर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 8-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री यूसफ (अन्तरक)

2. श्री देवसी और किलोमिना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

33 Cents of land with buildings as per schedule attached  
to doc No. 1929/79.

बी० मोहनलाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 8-4-1980  
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री के० सी० बलसन (अन्तरक)

2. श्रीमति डी० ए० शारदा (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15, दिनांक 8 अप्रैल 1980

निदेश सं० एल० सी० 408/80-81--अतः, मुझे, वी०

मोहन लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो लोकमलेखरम  
में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडनालूर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 4-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

23 Cents of land with buildings as per schedule attached  
to doc No. 1908/79.

वी० मोहनलाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 8-4-1980

मोहन:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम

एरणाकुलम-16, दिनांक 8 अप्रैल 1980

निदेश सं० एल० सी० 409/80—81—अतः मुझे वी० मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और

जिहाजी सं० अनुसूची के प्रान्त है, जो तिरुवनंतपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वनगानूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निरूपण पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति को, जिन्हें भारतीय प्रारंभ अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जानावीयम (अन्तरक)

2. श्री के० सी० चान्डी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No. 1993.

वी० मोहनलाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 8-4-1980।  
मोहूर :

प्रकरण आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम

कोचीन-15, दिनांक 8 अप्रैल 1980

निदेश सं० एल० सी० 410/80/80—81—अत मुझे  
बी० मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्तपुरम  
में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेनगानून  
में भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16  
के अधीन 2-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अक्षरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चद्विप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1 श्रीमति जानादीपम (अन्तरक)

2 श्री जोसे मात्यु (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोद्धस्वामी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित  
है, वही प्रबल होगा, जो उक्त अधिनियम में  
दिया गया है।

अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No.  
1994.

बी० मोहनलाल  
सख्त प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज एरणाकुलम

तारीख : 8-4-1980  
मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1980

आर० ए० सी० नं० 1036—अतः मझे के० के० वीर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो में स्थित है  
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (108 का 16) के अधीन  
9/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पण्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति बी० कामेश्वरम्मा, शिवाजी सैंटरग्रंथर, विजय-  
वाड़ा (अन्तरक)
2. श्रीमति माजेटि बेबी सरोजिनी विजयवाड़ा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी के पाक्षिक अंत 30-9-78  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 6580/79 में निगमित अनुसूची  
संपत्ति।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रॉज, हैदराबाद

तारीख: 14-4-1980

मोहर:

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 1037—अतः मझे, के० के०

बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नरसारावपेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री ताडेपल्लि भंजनेया सास्त्री, (ii) ताडेपल्ली सुब्रह्मन्यम ( ) श्रीमति ताडेपल्लि मानिक्याबा (iv) श्रीमति ताडेपल्ली सीतारामा सास्त्री (v) ताडेपल्ली हनमंता सास्त्री नरसारावपेट । (अन्तरक)

2. श्री मेल्ला चेरुवु श्रीमोल्ता गुप्ता, मैजट व गाडियन बीरांज-नेयलु नरसारावपेट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में पमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अव्योहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लोकण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नरसारावपेट रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-9-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 4378, 4381 और 4379 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-4-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 1038—अतः, मुझे, के० के०

वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो

में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9/79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री सिंहध तिरुमलाराव, (ii) सिंहध नरसिंहाराव, (iii) सिंहध रमेश विजयवाड़ा । (अन्तरक)

2. मेसर्स पापुलर शू मार्टे, विजयवाड़ा । (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-9-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5872 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 14-4-80

मोहर :

प्ररूप आर्द्र. टी. एन. एस.-----

1. चौ० तिरुमलाराव, मेसर्स पापुलर ग मार्ट, विजयवाड़ा  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्स पापुलर गू मार्ट गांधीनगर, विजयवाड़ा  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 14 अप्रैल 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 1039—अतः मुझे के० के०  
बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो

में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 9/79।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

विजवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-9-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5871 में निगमित अनुसूची संपत्ति

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक 14-4-1980।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 14 अप्रैल 1970

सं० आर० ये० सी० नं० 1040—अतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो

स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री काटेपूडि रामाक्रिष्ण रामूलवाटी मंदिर के पास, पटमटा विजयवाड़ा (अन्तरक)

2. श्री चलुबादि सत्यनारायणा गुलाबचंद स्ट्रीट, विजयवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-9-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 6686 में निगमति अनुसूची संपत्ति।

के० के० बीर  
सक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 14-4-1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 14 अप्रैल 1980

आर० ए० सी० नं० 1041—प्रतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, जो

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गंदूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब्य में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ऐक्जिक्यूटिव आफिसर श्री जगन्नाथ स्वामी श्री भाज नेयास्वामी और बैंकटेश्वरस्वामी ट्रस्ट, गंदूर (अन्तरक)

2. श्री टी० पी० धन्मुखम संदर पिल्लै नं० 3 नानाराज नायुड स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में वृद्धिबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोतुस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

~~स्पष्टीकरण~~

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गंदूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक 31-8-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5069 में निगमति अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-4-80

मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1030—अतः मुझे के० के०

बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो

स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयनगरम  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 15-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सय्यद मोहम्मद आली, विजयनगरम (अन्तरक)
2. श्री पेंटपाटि विजयरामय्या, विजयनगरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा पंजीकृतकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रकरण 29-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

विजयनगरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-8-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3055 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 21-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 1031—अतः मुझे के० के०

वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सज्जम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परवर्त प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्री बेनिगल्ला प्रभाकराराव विजयवाड़ा (अन्तरक)
2. श्री भोगु सीतापतिराव, विजयवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोद्स्ताशरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-8-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5191 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर  
सज्जम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 21-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री बल्लडा शिवप्रसाद, तेलंगणापालम (अन्तरक)

2. श्रीमति मन्नेम अमरेस्वरी निडुन्नोलु (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पत्रांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

हैदराबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1032—अतः मुझे के० के०

बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो

स्थित है (और इससे उपायय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोन्नूर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 15-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ए० दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/य.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

7—76GI/80

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पोन्नूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-8-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1058 में निगमित अनुसूची  
संपत्ति ।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 21-3-1980

मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 1033—यतः मुझे के० के०

वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोन्नूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1808 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के त्रये अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नग पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक होना कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बोंडल सोमय्या, तेलगाथापालेम गांव, पोन्नूर तालुक (अन्तरक)

2. श्रीमति उप्पाला वसुदरा देवी, गोवाडा नेताली-तालुक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात्की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशासनाध्यक्ष के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोन्नूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-8-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1059 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 21-3-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1034—प्रतः मुझे  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० है, तथा जो में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेदापुरम,  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 31-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न हुई किमी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तारत्ता द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) जंगारेड्डि माधवाराव (ii) जे० गोपालराव  
(iii) जे० वेंकटराव (सन्स आफ लक्ष्मणराव) (iv) जे०  
वेंकटराव सन आफ कोटय्या (v) जे० कोटेश्वराराव (vi)  
वेंकटरमनम्मा (जे० वेंकट राव के बेटे, मजकूस) (vii) येलि-  
सेट्टी विजयकुमारी वल्लमूर (viii) देवुल्ला गुरराजू (ix)  
डंडवल्लि सतिराजू (x) नक्कलापुडि बापिराजू (xi) जे०  
श्रीधर (अर्नर) बै गाडियन माधवराव (xii) रमेश (xiii)  
नागेश (xiv) श्रीनिवास मैजर सन्स आफ वेंकटराव मजकूस  
(अन्तरक)

2. श्री सट्टे आदिनारायण, एम० नागामणि, पेदापुरम  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोहस्ताक्षरी के पाप लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्वकोटि हरण:— इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेदापुरम रजिस्ट्री अधिकारी में पाक्षिक अंत 31-8-79  
में पंजीकृत कुल दस्तावेज नं० 1800 में निगमित अनुसूची  
संपत्ति।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख 21-3-1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 मार्च, 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 1035—यतः मुझे  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० है, तथा जो में  
स्थित है (और इससे उपाययन सूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में भार-  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 31-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी घन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति दवारंपूडि भानुमति काकिनाडा (अन्तरक)

2. श्री कोरा भास्कारा नारायणामूर्ति और कोरा अन्ना-  
पूर्णम्मा, काकिनाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषणाक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-8-79  
में पंजीकृत वस्तावेज नं० में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 21-3-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल, 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० NV 1/80-81—अत  
मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है,

और जिसकी सं० 357/1 है, जो मलकाजीगिरी सिकन्दरा-  
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदरा-  
बाद ईस्ट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 1979 अगस्त को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी उसके या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० एस० राजू जी०पी०ए० महमद अरराव  
अली खान घ० नं० 32 उपरगुडा हैदराबाद में रहते हैं  
(अन्तरक)

2. इन्डस्ट्रियल बरकरस और वीकर सेक्सन कोआपरेटिव  
हाउस बिल्डिंग सोसायटी लि० प्रेसीडेंट श्री टी० येलय्या  
805 एस० आर० टी० शान्तनगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि जमीन सं० नं० 357/1 जो मौलालि गांव हैदरा-  
बाद ईस्ट में है जिसका रजिस्ट्रेशन नं० 8085/79 से  
उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1980

मोहर :

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

आर० ये० सी० नं० 2/80—81—अत मुझे के० के०  
वीर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 357/1 है, जो मौलालि गांव हैदराबाद  
ईस्ट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदरा-  
बाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को (वर्षा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए पन्तरिज का गढ़ है और मुझे विश्वास करने  
का कारण है कि वर्षापूर्वका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तरिज प्रतिशत अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त पन्तरण विधि में वास्तविक रूप में स्थित नहीं  
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० एस० राजू, जी० पी० ए० श्री खुरशीद  
अली खान, 32-1, उपरीगुंडा में रहते हैं (अन्तरक)

2. इन्डस्ट्रियल वीकर्स सेक्शन कोआपरेटिव हाउसिंग  
सोसायटी लि० जिसके प्रेसीडेंट टी० यदुव्या गौड घ० नं०  
805 एसआरटी शान्तनगर हैदराबाद में है। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पन्तरण के संबंध में कोई भी प्रमाण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
कामोल से 36 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—द्वयमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जिराली जमीन सं० नं० 357/1 जो मौलालि गांव  
हैदराबाद ईस्ट में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 7813/79  
उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में है हुआ है।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

आर० ये० सी० नं० 3/80-81—अतः मुझे, के० के०  
वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 357/1 है, जो मौलाली गांव, हैदरा-  
बाद ईस्ट में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुभुक्तों में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक में हुई किसी आय को बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० एस० राजू, जी० पी० ए० मोहम्मद  
सुजाद अली खान और दूसरे घर नं० 32 उप्पारगुडा हैदराबाद  
में रहते हैं। (अन्तरक)

2. इन्डस्ट्रीयल वरकरस और वीकर्स सेक्शन कोऑपरेटिव  
हाउस बिल्डिंग सोसायटी लि० जिसके प्रेसीडेंट श्री टी० एल्लय्यागौड,  
घ० नं० 805 एस० आर० टी० शान्त नगर, हैदराबाद  
में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त मनाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तोत्तर:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उक्त प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो सर्वे नं० 357/1 (पार्ट-2) में है, विस्तीर्ण  
14,400 वर्ग गज मौलाली गांव, हैदराबाद ईस्ट में है जिसका  
रजिस्ट्रेशन डा० नं० 8010/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय  
हैदराबाद ईस्ट में हुआ है।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1980

मोहर:

प्रारूप धार्य टी. एन. एच.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

आर० ये० सी० नं० 4/80-81—प्रतः मुझे, के०  
के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन नमूने प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-1-298/3/ए और बी है जो व्यं-  
कटापुरम कालोनी, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन प्रगस्त  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पञ्चद्व प्रतिगम अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरग के निर-  
लप पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग,  
त्रिखित में आहरणिक कर से इंचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तिवों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

धनः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित शक्तियों, अर्जन :-

1. श्रीमति इमलासुनिसा बेमम पत्नि सय्यद अफसर अली  
खान, घ० नं० 1-4-1760/1 बी बाकाराम हैदराबाद में  
रहते हैं। (अन्तरक)

2. श्री एम० ए० साफिद (2) एम० ए० सोफी, (14-  
ए, बन्सी लाल पेठ) घ० नं० 6-1-298/3 ए और बी, व्यंकटा-  
पुरम कालोनी, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घ० नं० 6-1-298/3/ए और बी व्यंकटापुरम कालोनी,  
पदमारावतगर, सिकन्दराबाद, जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं०  
2003/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में हुआ  
है।

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1980

मोहर;

प्रकृष आर्ट्स रोड एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल, 1980

विवेश सं० आर० ये० सी० नं० 5/80-81—यतः मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० हाल नं० 4 में है, जो 4-1-938/आर-9 और 10 तिलक रोड हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—76GI/80

1. मेसर्स श्री कृष्णा कन्स्ट्रक्शन कं० 5-8-612 आबिद रोड में है।

2. श्री मीर विकार मुलतान 5-1-683 कट्टलमन्डी हैदरा-बाद में रहते हैं।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निम्नलिखित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शर्तों और यहाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा, जो उन अध्याय में दिनांक पर है।

अनुसूची

एक हॉल बिल्डिंग नं० 4-1-938/आर-9 और 10 के चौथी मंजिल पर है। जो कृष्णा काम्प्लेक्स बिल्डिंग तिलक रोड पर है। जिसका रजिस्ट्रेशन नं० 4847/79 से जाइस्ट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 2-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

आर. ये० सी० नं० 6/80—81—अतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी 1 है, जो एस० पी० रोड सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक करने के लिये तय किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

1. श्रीमति दिलावर बानू पति के० ए० सिद्दीकी घर नं० 8-2-542/2 जो रोड नं० 7 बन्जारा हील्ज, हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

2. श्री मुमताजीबुद्दीन जी० पी० ए० डॉ० महमद मुनीरीद्दीन फ्लैट नं० सी 1 जो दिल्लू अपार्टमेंट बेगमपेट सिकन्दराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी०-1 जो दिल्लू अपार्टमेंट बेगमपेट सिकन्दराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० सं० 4466/79 से जाईन्ट उप रजिस्ट्रार हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1980  
मोहर :

प्राकर आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 7/80-81—अतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, जो विल्लू अपार्टमेंट सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पचास प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शर्तियों, शर्तों:—

1. विल्लू अपार्टमेंट्स, 4-1-877 तिलक रोड हैदराबाद में है।

2. श्रीमति रामा राव 27-सी वेस्ट नेहरू नगर सिकन्दराबाद में रहते हैं।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सखीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 2 पहली मंजिल विल्लू अपार्टमेंट में एस० पी० रोड सिकन्दराबाद। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 40003/79 से जाइंट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुई है।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 2-4-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 8/80-81—अतः मुझे, के० के० बी०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट बी है, जो दिल्ली अपार्टमेंट्स सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निर्णय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुधिर नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाधन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. विल्ल अपार्टमेंट्स मेनेजिंग पार्टनर श्रीमति दिलवर बानू 8-2-542/1 रोड नं० 7 बन्जारा हिल्स हैदराबाद में है। (अन्तरक)

2. श्री महमद आली खान 5-3-835 नल्लाकुन्टा हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वहतीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट बी-1 जो सर्वे नं० 69 रसुलपुरा सिकन्दराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डाँ० नं० 3970/79 से जाईन्ट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है

के० के० बी०  
सक्षम अधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1980

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

289-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 9/80-81—अतः, मुझे, के० के० बीर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 45,00 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० जे/3 है, जो दीलु अपार्टमेंट्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए निर्धारित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐम अन्तरण के लिए तय पाया व. प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से उचित हो किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त बात में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किंवा धन या किसी धन या अन्य व्यक्ति को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निदान में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम का धारा 289-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती दिलावर बानू पति के० ए० सीद्दीकी, बनजारा हिल्स, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री अहमद बलीयीवीन, 12-2-837/3, आसिफ नगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए आवश्यक किया जाता है।

उक्त अधिनियम के अधिनियम के संदर्भ में की जा राक्षसः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टिगत कि- अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के मा- लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, या उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० ए०/3 दूसरे मन्जिले पर रसूलपुरा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4247/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-80  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 10/80-81—अतः, मुझे,  
के० के० वीर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 है, जो बनजारा हिल्स में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कौस्ताबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति जीरा अलम बरदार (2) मुमताज हुसैन, 11-5-  
405, रेडहिल्स, हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्री के० रामगोपाल रेड्डी प्लॉट नं० 60—श्रीनगर  
कालोनी, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी  
व्यक्त व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5 विस्तीर्ण 816 वर्ग यार्ड, रास्ता नं० 3, बनजारा  
हिल्स, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2176/79 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय कौस्ताबाद में ।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 2-4-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 11/80-81—अतः मुझे, के०

के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6-1-114/1 है, जो वमाराउ नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रय के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती मीनाथीराय चौधरी पत्नि श्री ए० के० राय चौधरी म० नं० 4 अजीजकार्ट रोड, कालोनी, कलकत्ता । (अन्तरक)

2. डाक्टर शोरने सुन्दरराज 6-1-114/1 पवमाराउ नगर सिकन्दराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी से पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अर नं० 6-1-114/1 पवमाराउ नगर, सिकन्दराबाद  
रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 1916/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय  
सिकन्दराबाद में ।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2 अप्रैल, 1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 12/80-81—अतः मुझे, के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लॉट नं० 8 है, जो मेन प्लॉट नं० 10  
ललपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वागत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वागत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति बिम/कान्ती वेन्कटम्मा 19/4 बरकतपुरा  
हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमति पेद्दी कनकातारा पति श्री राजय्या रामपालजी-  
गांव मेडचेल तालूक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वागत संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वागत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

उप प्लॉट नं० 8 मेन प्लॉट नं० 10 में है सरवे नं० 182  
बनकम्पाकुनडा लालगुडा—सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 1933/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-4-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एल०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

सं० धार ये० सी० नं० 13/80—81—अतः मुझे के०  
के० वीर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या सरवे नं० 141/4 है, जो नादरगुल  
जिला रंगारेड्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तिओं  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

धनः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामभाई पिता रणछोडजी पटेल 9-10 सरजन  
सोमाईटी, जाकतनाका अथवा लाइन, सूरत, गुजरात। (अन्तरक)

2. श्री एस० वेन्कटराज पिता जनारदन राज 10-2-4  
ईस्ट मरिड पल्ली सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोग्यताधरो के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सहटीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि जमीन सरवे नं० 141/4-नादरगुल हैदराबाद  
ईस्ट में जिला रंगारेड्डी रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 8246/79  
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक-24-1980  
मोहरः

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 14/80-81—अतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सरखे नं० 141/3 है, जो नादरगुल गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. श्री बलबभाई, घर नं० 9-10-सुराजन सोसाईटी गुजरात। (अन्तरक)

2. श्री एम० वेन्कटराऊ, 10-2-4-ईस्ट मारेदपल्ली सिकन्दरा-बाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीरायती जमीन सरखे नं० 141/3 नादरगुल गांव। हैदराबाद ईस्ट रंगारेड्डी जिला में 8.12 एकड़ रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 8245/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० बीर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 2-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री यासकी सनगथ्य पिता नारायन धोबीगल्ली  
तनदूर । (प्रन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री गोपी किशन बलदबा तनदूर । (प्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 15/80-81—अतः मुझे के०  
के० बीर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 4-1-88 है, जो गनबाजार तानदूर में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तानदूर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन अगस्त 1979को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 4-1-88 गनज बाजार तानदूर में रनगाररेड्डी-  
जीला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 851/79-उप रजिस्ट्री कार्यालय  
तानदूर में ।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-80

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री मड्डी रंगानाथ साई गुट्टूर सुदर्शन होटल ।  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री जी० एस० रेड्डी सूपिट नालगोंडा । (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 16/78-79—अतः मुझे  
के० के० वीर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट नं० 48 है, जो आदर्शनगर में स्थित  
है (और इससे उपाख्य अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन अगस्त 1979को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमूची

कुली जमीन नं० 48 आदर्शनगर कालोनी हैदराबाद  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4913/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय  
हैदराबाद में।के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबादतारीख : 2-4-1980  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

आर० ए० सी० नं० 17/80—81—अतः मुझे के० के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-वाए से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-1218/6/2/बी है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्नी बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति जैबाधरजाना मैसर्स ए० पी० कनस्ट्रक्शन कम्पनी।  
10-3-304/12 हुमायुनगर, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्रीमति वी० ऊमारानी 6-3-1218/6/2/बी ऊमा-  
नगर हैदराबाद (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रोहम्नाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वप्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-3-1218/6/2/बी- ऊमा नगर-बेगमपेट-  
हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2146/79 उप रजिस्ट्री कार्या-  
लय कैरताबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 2-4-1980  
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 18/80-81—अतः पजे,  
के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12-2-826/2 है, जो गडीमलकापुर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. डाक्टर महमद अनवर हुसैन 12-2-826/2 गडी-  
मलकापुर हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमति पतीमा बेगम पति मकसूद अहमद 12-2-826/2  
गडी मलकापुर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 12-2-826/2 गुडीमलकापुर हैदराबाद रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 4786/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद  
में।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 2-4-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० ए० ए० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 19/80-81—अन. मुझे,  
के० के० वीर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 8/153 है, जो गडीअन्ताराम गांव में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में भार-  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन अगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिविष  
में कमी करने या उससे बनने में सविधा के लिए  
ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमा धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
अध्याय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रकटितः—

1. श्रीमति पी० राजालीलक्ष्मी अति राज वीरय्या  
8-153 गडी अन्ताराम हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्रीमति वीजयाकुमार उपाध्याया 16-2-501/डी/  
2 मनकपेट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
प्रमाण्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निबद्ध किं  
प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अग्रेष्ठनाशरी के पास लिखित में  
किया जा सके।

संशुद्धीकरण -- इनमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वहां प्रयोग किया जा उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

घर नं० 8-153-गडी अन्ताराम प्लॉट नं० 4-हैदराबाद  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 8732/79 उक्त रजिस्ट्री कार्यालय  
हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० वीर  
पक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 2-4-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 20/80-81—अतः मुझे, के०  
के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सरवे नं० 6, 7, 8, है, जो बहादुरगुडा  
गाऊ में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती अनीज अजमथ खातून 16-11-15/19/2 सलीम  
नगर कालोनी हैदराबाद। (अन्तरक)

2. स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद एम्मलाइज को-ऑपरेटिव  
हाऊसिंग सोसाइटी लि० बहादुरगुडा-II, गुनफाऊनडरी, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जीरायती जमीन सरवे नं० 6, 7, और 8 वीस्तन 9 एकड़  
18-गुनटास बहादुरगुडा गाऊ हैदराबाद ईस्ट रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 8448/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-4-1980

मोहूर:

प्रकाश आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 1026—अतः मुझे के० के०  
वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषय  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो प्रकाश नगर राजमन्ड्री  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजमन्ड्री  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वांकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषय  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकन सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अंतर्गत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में युक्तिवा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
युक्तिवा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों परवाना—

10—76GI/80

1. श्रीमति वास्तवी जानाकय्या पति वेन्कटरामाराजु-  
मधीनी तनकु-तालुका। (अन्तरक)

2. श्री रुद्रराजु रामाराजु 13-19-प्रकाशनगर राजमन्ड्री।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वांकन व्यक्तियों में से कितने व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और रशों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4226-अगस्त 1979 के अनुसार  
रजिस्ट्री कार्यालय राजमन्ड्री में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 12-3-1980  
मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 21/80//81—अतः मन्त्रे के० के०

वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6 और 7 है, जो सोमपजीगुडा हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है) है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरतबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जितेन्द्र राय घ० नं० 6-3-1238 सोमपजीगुडा हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

2. श्री धन लक्ष्मी कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी जरिये सेन्ट्रेटरी श्री रामकृष्णरेड्डी दुकान नं० 16 इनडोर स्टेडियम फतेह मैदान हैदराबाद में है। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6 और 7 सोमपजीगुडा हैदराबाद में विस्तीर्ण 1200 वर्ग गज है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 2235/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय खैरताबाद में हुआ है।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-4-1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक: 10 अप्रैल 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 22/80--81--अतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 15-8-249, 285, 287 है, तथा जो बेगम बाजार हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण या हुई किसी भाव का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री (1) हेमराज, (2) बेहलूलाल (3) सरदार मल्ल (5) पुन्नम चन्द (5) दिलीप कुमार यह सब 15-8-249, 285 बेगम बाजार में रहते हैं। (अन्तरक)

2. श्री के० सी० मानिकचन्द गोंग, घ० नं० 10 धरमराजा, कोइल स्ट्रीट सैदापेट, मद्रास में रहते हैं। (अन्तरितता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रयत्न के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रयत्न के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राखी तरंग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

वो मंजिला मकान घ० नं० 15-8-249, 285, 287, बेगम बाजार में जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 4635/79 से उवाइन्ट छप रजिस्ट्रार मोहम्मदसाही मारखेट में हुई है।

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक 10-4-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1980

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 23/80-81—अतः मुझे, के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० Open Plot No 38 है जो आमीरपेट  
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के माध्यम से हैदरा-  
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित लघुतरा में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 श्री के० रवी प्रकाश (2) श्री के० शाही कुमार  
सं० नं० 7-1-50/1/बी आमीरपेट हैदराबाद में रहते हैं।  
(अन्तरक)

2. श्री ताहेर अली पुत्र श्री गुलाम अली 1-3-176/20/1/  
कवाडी गुडा हैदराबाद 3 से रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 7-1-28/ए आमीरपेट हैदराबाद में है  
जिन्को रजिस्ट्रेशन डा० नं० 2331/79 से उप रजिस्ट्रार  
कार्यालय खैरताबाद में हुआ है।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-4-1980

माहुर:



तारीख : 10-4-1980  
मोहर : /

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद नांक 10 अर्ग्रेल 1980

आर० ए० सी० नं० 25/80-81—अतः मुझे क० क०  
वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 5-9-22/35, है, जो आदर्श नगर,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिधारी के कार्यालय  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री ग्राय मुहाराव आर०/ओ० रामचन्द्रापुरम ईस्ट  
गोदावरी जिल्हा

(2) के० शत्रुघ्न शर्मा आर०/ओ० रामाराव पेट काकि-  
नाडा में रहते हैं (अन्तरक)

2. श्रीमति राजाराणी मखीजा पति सरदार आर. लो. क.  
सिंह 5-9-22/33 आदर्श नगर कालोनी में रहते हैं (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

क० नं० 5-9-22/33 आदर्श नगर हैदराबाद विस्तीर्ण  
391 वर्ग गज है। जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 4937/79  
से जारिड उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में दृष्टा है।

क० क० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 26/80-81—अतः मुझे, के० बी० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० पोरशन 1-4-443 है, जो मुरशीदाबाद हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति जोहरा मिह्रीकी पत्नि श्री महमद माहिकी घ० नं० 1-4-461 मुरशीदाबाद में रहते हैं (अन्तरक)

2. डॉ० महमद इमाम हानोरे क्वाटर नं० 3 युनिवर्सिटी क्वार्टर उम्र निया युनिवर्सिटी हैदराबाद 6 में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

घर का नं० 1-4-443 मुसीराबाद हैदराबाद, विस्तीर्ण 683 स्के० गज। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 5048/79 से जाईन्ट उस रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० बी०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-4-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 27/80-81—अतः मुझे के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिनकी सं० 3-6-140/1/3 है, जो हिमायत नगर  
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चन्द्रादेवी पुत्र गौर रेड्डी जिरात पेथी जहिराबाद  
मेडक जिल्हे में रहते हैं। (अन्तरक)

2. श्री पी० निरूप पुत्र श्री पी० राजचन्द्रा रेड्डी 3-6-  
140 हिम्मत नगर हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-140/1/3 हिमायल नगर हैदराबाद में विस्तीर्ण  
440 वर्ग गज है। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 4866/79 से  
जाईन्ट उप रजिस्ट्रार हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980

माहूर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० 28/80-81—अतः सुते, के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 5-5-141/ई-6 है, जो ईडनबाग  
रामकोट हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—76 GI/80

1. श्री नवाब भोजलशा बहादुर घं० नं० 3-5-141/ई-6  
इडन बाग रामकोट हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

2. श्रीमति नानी बाई पति श्री राम बल्लभ 15-8-333  
बेगम बाजार में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राज्ञेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितयद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

घर का हिस्सा नं० 3-5-141/ई/6 विस्तीर्ण 396  
वर्ग गज इडन बाग रामकोट हैदराबाद में है और जिसका  
रजिस्ट्रेशन डा० नं० 4796/79 से जाहन्ट उप रजिस्ट्रार  
कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर  
[सक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-4-1980

मोहर:

प्रस्ताव आइ० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आ० ये० सी० नं० 29/80-81—अतः मुझे, के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० 0 प अधिक है

और जिसकी सं० पोशन 3-5-141/ई/6 इंडन गार्डन हैदरा-  
बाद स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी धारा की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाध अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नवाब बोजलशा बहादुर 3-5-141/ई/6 इंडन  
गार्डन रामकोट हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार घर नं० 15-6-502 बेगम बाजार  
हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मध्योहस्ताक्षरी के पास निहित  
में किए जा सकेंगे।

संश्लेषणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रथम 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

घर का हिस्सा घं० नं० 3-5-141/ई/6 इंडन बाग  
रामकोट हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा नं० 4797/  
79 से जाइंट उ० रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ  
है।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 30/80-81—अतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन गन्तव्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-748 है, जो तुरूप बाजार हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिनियम के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के बिना प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक बनाने के लिए किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाजार, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नज़र मुहम्मद ज़ुदीन घ० नं० 4-1-648, तुरूप बाजार हैदराबाद में रहते हैं (अन्तरक)

2. श्री हाजी महमद अली और श्रीमति अमीर बेगम परिन हाजी महमद अली घ० नं० 4-1-648 हिन्दुस्तानी लेन तुरूप बाजार हैदराबाद में रहते हैं (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथापूर्वोक्तों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन पदों में दिया गया है।

अनुसूची

घ० नं० 4-1-813 का हिस्सा हिन्दुस्तानी लेन तुरूप बाजार हैदराबाद में है। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 4636/79 से जाईन्ट उप रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में हुआ है।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आ००० सी० नं० 31/80-81—अतः मुझे के०  
 के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से अधिक है  
 और जिसकी सं० नं० I-बी-प्लॉट है, जो पिन्डर-  
 वास्ट रोड सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
 सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी  
 के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
 नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979 को  
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
 के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
 मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भुवनवार मांवाशिवराव 8-2-283/2 शिवाजी  
 नगर सिकन्दराबाद में रहते हैं (अन्तरक)
2. श्रीमति रागी माधवी पत्नि प्रकाश घ० नं० 17  
 हैदर बस्ती, सिकन्दराबाद में रहते हैं (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
 वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का हिस्सा नं० 1 बी अभिलेख नं० 142  
 पिन्डरवास्ट रोड सिकन्दराबाद में है। जिसका रजिस्ट्रेशन  
 डाकू० नं० 1931/79 में उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद  
 में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 32/80-81—अतः मुझे के० के०

वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 है जो सं० नं० 29 बेगमपेट सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमति मेहरुनिस्सा बेगम 5-5-204 नामपल्ली हैदराबाद (2) श्रीमति नसीम जहान खलुल्ला आर/ओ आमीर पेठ, हैदराबाद (3) श्री महमद वसलुल्ला (4) ओ उमरबीन अवध यह सब 14-4-551/1 याकुल पुरा में रहते हैं (5) श्री सय्यद हुसैन 16-11-1/ए मलकपेट हैदराबाद (6) एम० ए० गफूर 102/सी० आगापुरा हैदराबाद (7) भीर फारुकप्रली खान 9-84 1/21, काकतया नगर कालोनी में रहते हैं। (अन्तरक)

2. श्रीमति इमानी अनुसया पत्ति स्वर्गीया इ० वीरा-स्वामी, घ० नं० 52 ए से बासटीयन रोड सिकन्दराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**ममुसुबी**

प्लॉट नं० 7 जो सं० नं० 29 और 189 एम० नं० 1-10-69/ए बेगमपेट हैदराबाद में है। जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 1900/79 में उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में हुआ है।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-4-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० आर० ए० सी० नं० 33/80-81—प्रतः मुझे, के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन पत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० एस० 123 है, जो मुसापेट, हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद वेस्ट  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल का पत्रम प्रतिगत से अधिक है और  
अन्तरण (अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वाधित्व  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए :

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति पी० सुजाना पति पी० बी० कोटेश्वर राऊ  
28-29-26-सूर्यराऊपेट विजयवाड़ा (बी० पी० ए० पी०-  
नागेश्वर राऊ) । (अन्तरक)

2. श्री एम सुदरशन राऊ 3-52 कुकटपली हैदराबाद (2)  
पी० बाशय्या 3-67-कुकटपली, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

सहटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कुली जमीन जिसका सरवे नं० 123/ये 123/ये 123/बी  
वेस्टर्न 2561 वर्ग गज मुसापेट हैदराबाद में है रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 1762/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद  
ईस्ट में ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 34/80—81—यतः मुझे  
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 7-1-27/1 है तथा जो अमीरपेट हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैंताबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री जी० महादेवन (2) एच० नारायणा घर  
सानताक्रुज बाम्बे वेस्ट-54 (अन्तरक)
2. श्रीमति सरला कपूर 7 1-27/1 अमीरपेट हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 7-1-27/1 प्लॉट नं० 4 अमीरपेट हैदराबाद  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2283/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदरा-  
बाद में ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980  
मोहर :

प्रकृष आर्डी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० आर० ए० सी० नं० 35/80-81—अतः मुझे के० के०  
वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-335 है, जो बिनजारा हिल्स हैदराबाद में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैंरताबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० सी० जोगीराजन 8-2-335 रास्ता नं० 3-  
बनजारा हिल्स, हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह कोहली 8-2-350/6 रास्ता नं०  
3 बनजारा हिल्स, हैदराबाद (2) श्रीमति धतरजीत सीमा,  
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मकान वेस्टर्न 403-वर्ग मीटर 8-2-335-रास्ता नं० 3-  
बनजारा हिल्स, हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2397/  
79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, कैंरताबाद में ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980  
मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० आर० ए० सी० नं० 36/80-81—अतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-120/45 का भाग है, जो बन्जारा हिल्स में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—  
12—76GI/80

1. श्री वी० श्री रामाराऊ जी० पी० ए० श्री पी० बुधी राजु  
3-4-490 बरकतपुरा, हैदराबाद (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति टी० लक्ष्मी बाई पति टी० बालागोड  
(2) टी० सुवाण गोड 8-2-120/45 रास्ता नं० 2 बन्जारा हिल्स हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धांधले :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8-2-120/45 रास्ता नं० 2 बन्जारा हिल्स हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4960/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-4-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निदेश सं आर० ए० सी० सं० 37/80-81—अतः मुझे, के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-120/45 है तथा जो बन्जारा हिल्स में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्धारित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बावत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति लक्ष्मीबाई पति कृष्णमूरती 3-4-490  
बरकतपुरा हैदराबाद (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति टी० सनगम्मा पति टी० बाला शौड (2)  
टी० प्रमीला 8-2-120/45 बन्जारा हिल्स हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा घोषुस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही  
प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8-2-120/45 रास्ता नं० 2 बन्जारा हिल्स  
हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4959/79 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-4-1980  
मोहर :

प्रकरण आई. दो. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० आर० ए० सी० नं० 38/80-81—अतः मुझे के०  
के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-636/6/1 है, जो अमीरपेट, हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया गया था, विधान में  
सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अमृतल हमीद पती अबदुल हसन  
10-3-304/12 हुमायुं नगर, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री जगन्तर एकलाना मूसवी पति महमद रीयाजुल  
हसन 11-6-186, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त गणों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही पक्ष होना जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 7-1-636/8/1 वेस्टर्न 210 बर्ग याज नहलूल  
कागडा, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5027/79 उप रजि-  
स्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 10-4-1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 39/80-81—यतः मुझे के० के० चीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9-45 है, जो गडो अन्नारम, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ए० स्वर्णाकुमारी,  
9-45, गडो अन्नारम, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ए० कान्ती धर नं० 9-45,  
गडो अन्नारम, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 9-45, प्लॉट नं० 86, गडो अन्नारम, हैदराबाद में है । रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4882/79, उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

के० के० चीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-4-80

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर०ए० सी० नं० 40/80-81—यतः मुझे  
के० के० बीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 है, जो सरखे 29-189-  
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आर/या

(ख) ऐसी कि तो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय मापकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, का धारा 269-ग के अनु-  
सूचना में, और उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मेहन्नीसा बेगम, पति स्वर्गीय असकुल्ला  
और 6-दूमरे, 5-5-204, नामपल्ली,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गेटा सावित्री, पति टी० बी० राधाकृष्ण मूर्ती  
महरू नगर, हैदराबाद।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8 सरखे नं० 29 और 189 विस्तीर्ण 553 वर्ग  
गार्ड, बेगमपेट, सिकन्दराबाद, में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2043/79  
उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख 10-4-1980  
माहुरः

प्ररूप आर्क्ष० टी० एन्० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 41/80-81—यतः मुझे के०  
के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिनकी सं० सरवे नं० 71 है, जो किशनगुडा गंज में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अग्रस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री एम० बिन्हा सागर रेड्डी,  
3-2-792, काछीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स एसोशियेटेड, हेन कम्पलैक्स, धी० सत्यानारायणा  
घर नं० 16-11-515/1, दीलसुख नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जीरायती जमीन, सरवे नं० 71, किशनगुडा, गंज;  
जिला, रंगारेड्डी कोस्तर्ण 10 एकड़, रजिस्ट्री वस्तावेज नं०  
1750/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-4-80

मोहर:

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 42/80-81—यतः मुझे के० के०  
वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नं० 2142/3 है, जो अनन्तापुर में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनन्तापुर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों व्यतीत :—

1. श्री जी० सोमी रेड्डी, पिता नागी रेड्डी  
13/678, राम नगर, अनन्तापुर ।

(अन्तरक)

2. श्री के० मोहन रेड्डी पिता के० बी० रामाकृष्णा रेड्डी  
रानाकल कदीरी तालुक, अनन्तापुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राश्न :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित्व  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वन्नाश्री के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

कुल जमीन टी० एस० नं० 2142/3 वार्ड नं० 12 अनन्तापुर  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5482/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय  
अनन्तापुर में ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-4-80  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महापत्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अप्रैल, 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 43/80-81—यतः मुझे के०  
के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 26/सी है, तथा जो 10-2-271 नहलूनगर,  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री टी० एस० नायडु,  
26/सी, नं० 10-2-271, नहलूनगर,  
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री टी० एस० जैसूमी, पिता पी० एस० नायडु,  
(2) कुमारी टी० एस० धोत्रा, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का सर्वे नं० 26/सी, सर्वे नं० 10-2-271 नहलूनगर,  
सिकन्दराबाद का घर है, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2042/79  
उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-4-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 44/80-81—यतः मुझे के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है जो भोकटा गांव सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—76GI/79

1. (1) श्री ए० व्यंकटस्वामी
- (2) ए० बाला रेड्डी
- (3) ए० कृष्णा रेड्डी
- (4) ए० सुनीथा रेड्डी
- (5) ए० श्रीधर रेड्डी
- (6) ए० श्रीकान्त रेड्डी

घर नं० 1-9-45/47, भोकटा गांव,  
सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. मैमर्स दी इकरीस माल एम्पलाइज कोऑपरेटिव सोसायटी जरिये के० सी० सेकसेना सिक्रेटरी, प्लाट नं० 65, श्रीनगर, कालोनी, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण एक एकड़, जो सर्वे नं० 117 और 118 पेडा भोकटा गांव सिकन्दराबाद कन्टोनमेन्ट में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 2107/79 में उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में अगस्त, 79 में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ये० सी० 45/80-81—यतः मुझे के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो भोकटा गांव  
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए न पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उपा बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनमरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. (1) श्री ए० व्यंकटम्मा
- (2) ए० बाल रेड्डी
- (3) ए० कृष्णा रेड्डी
- (4) ए० सुनिथा
- (5) ए० श्रीधर रेड्डी
- (6) ए० श्रीकान्त रेड्डी

घर नं० 1-9-7 थोकाथा गांव सिकन्दराबाद  
में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. दी आई० सी० आर० आई० एस० ए० टी०  
एम्पलाईज कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
जॉरिये के० सी० सफ़सेना सिक्रेटरी प्लॉट नं० 65,  
श्रीनगर, कालोनी, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खूली जमीन विस्तीर्ण 33 गून्टे, जो सर्वे नं० 119 पैड्डा  
थोकाथा गांव सिकन्दराबाद कन्टोनमेंट में है जिसका रजिस्ट्रेशन  
डा० नं० 2074/79 में उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद  
में अगस्त में हुआ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-80  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल, 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 46/80-81-यतः मूके के० के०

वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खूली जमीन है तथा जो थोटका गांव सिकन्दाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री ए० व्यंकटाम्मा
- (2) ए० बाला रेड्डी
- (3) ए० कृष्णा रेड्डी
- (4) ए० सुनीता रेड्डी
- (5) ए० श्रीधर रेड्डी
- (6) ए० श्रीकान्त रेड्डी

घर नं० 1-6-45/47 थोकटा गांव सिकन्दाबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. बी इन्डीसल एम्पलाइज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी जिरिये के० सी० सक्सेना, सिक्रेटरी, प्लॉट नं० 65, श्रीनगर, कालोनी, में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खूली जमीन विस्तीर्ण एक एकड़ एक गुन्टा, जो सर्वे नं० 117 पेड्डा, थोकटा गांव सिकन्दाबाद कन्टोनमेन्ट में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 2119/79 ने उक्त रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दाबाद में अगस्त, 79 में हुआ है।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-80  
मोहर :

## प्रकरण आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 47/80 81—यतः मूले के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- 60 से अधिक है

और जिसकी सं० खूली जमीन है तथा जो भोकटा गांव सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में ब्राम्भित रखा में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री ए० व्यंकटम्मा
- (2) ए० बाल रेड्डी
- (3) ए० कृष्णा रेड्डी
- (4) ए० सुनीता रेड्डी
- (5) ए० श्रीधर रेड्डी
- (6) ए० श्रीकान्त रेड्डी

घर नं० 1-9-7 थोकटा गांव सिकन्द्राबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री इकोजात एम्पलाइज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी जिरिये के० सी० सक्मेना, सेक्रेटरी, प्लॉट नं० 65, श्रीनगर कालोनी, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

सरकारी तरा :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उप प्रयोग में दिया हुआ है।

## अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 30 गुन्टे, जो सर्वे नं० 119 में बोयमपल्ली सिकन्द्राबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 2054/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्द्राबाद में अगस्त, 79 में हुआ है।

के० के० वीर  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-80

मोहुर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० /80-81—यतः मुझे के० के०

वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो भोकटा गांव सिकन्दराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती ए० व्यंकटम्मा
- (2) ए० बाला रेड्डी
- (3) ए० कृष्णा रेड्डी
- (4) ए० सुनीला
- (5) ए० श्रीधर रेड्डी
- (6) ए० श्रीकान्त रेड्डी

घर नं० 1-9-45/47 भोकटा गांव सिकन्दराबाद  
में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. दी इन्टीसल एम्पलाइज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी  
जरिये के० सी० सक्सेना, सेक्रेटरी प्लॉट नं० 65,  
श्रीनगर, कालोनी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 39 गुन्टे, जो सर्वे नं० 118, 119,  
120 पेदा भोकटा गांव सिकन्दराबाद कन्टोनमेन्ट में है। जिसका  
रजिस्ट्रेशन डॉक नं० 2090/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय में  
अगस्त, में हुआ है।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० 49/80-81—यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो थोकटा गांव सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए जा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती ए० अंकुटम्मा
- (2) ए० बाल रेड्डी
- (3) ए० कृष्णा रेड्डी
- (4) ए० सुनीला
- (5) ए० श्रीधर रेड्डी
- (6) ए० श्रीकान्त रेड्डी

घर नं० 1-9-45/47 थोकटा गांव सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. दी इकरी जाल एम्पलाइज को-ऑपरेटिव हार्डवेयर सोसाइटी, जरिये के० सी० सक्सेना, सेक्रेटरी, प्लॉट नं० 65 शीनगर, कालोनी, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्देशाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रमाण 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त प्रमाण में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण एक एकड़ गुन्टा जो सर्वे नं० 117 में पेडा थोकटा गांव सिकन्दराबाद कन्टोनमेन्ट में है। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं० 2138/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में अगस्त, 79 में हुआ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-4-80  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 50/80-81—यतः मुझे के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वतंत्र संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो भोकटा गांव सिकन्दराबाद  
में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्व संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या हिस्सी धन या अन्य आस्त्रियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

1. (1) श्रीमती ए० व्यंकटम्मा
- (2) ए० बास रेड्डी
- (3) ए० कृष्णा रेड्डी
- (4) ए० सुनीला
- (5) ए० श्रीधर रेड्डी
- (6) ए० श्रीकान्त रेड्डी

घर नं० 1-9-45/47 भोकटा गांव सिकन्दराबाद  
में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. दी एम्रीकल्चर एम्पलाइज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
जरिये के० सी० सक्सेना सेक्रेटरी, प्लॉट नं० 65,  
श्रीनगर कालोनी, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रजोहनाशरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण एक एकड़ गुन्टा जो सर्वे नं० 113,  
114, 120 न्यू बोयमल्ली सिकन्दराबाद में है जिसका रजिस्ट्र-  
शन डॉ० नं० 2053/79 से उक्त रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दरा-  
बाद में अगस्त, 79 में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-80

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल, 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 51/80-81—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन पञ्चन प्राप्तिगारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो भोकटा गांव सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपाय अन्तर्गामी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 (1) श्री ए० लक्षम्मा,

(2) ए० बालमनी

(3) ए० चन्द्रामनी

घर नं० 1-9-7 भोकटा गांव सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. दी इकरीजाल एम्पलाइज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी जरिये के० सी० सक्सेना, सेक्रेटरी प्लॉट नं० 65, श्रीनगर कालोनी हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण एक एकड़ सर्वे नं० 119 जो पेट्टा भोकटा गांव सिकन्दराबाद कन्टोनमेन्ट में है जिसका रजिस्ट्रेशन डी० नं० 2089/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में अगस्त, 79 में हुआ।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-4-80

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल, 1980

निदेश सं० आर. ए० सी० 52/80-81—यतः मझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या खुली जमीन है तथा जो टोकटा गांव सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

14—76GI/80

1. (1) ए० लक्षम्मा

(2) ए० बाल मणी

(3) ए० चन्नामणी

घर न० 1-9-7 टोकटा गांव सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. दी इकरीजात एम्पलाइज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी जरिये के० सी० सक्सेना, सेक्रेटरी प्लाट न० 65 श्रीनगर, कालोनी, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 36 गुन्टे जो सर्वे न० 120 और 119 पेडा टोकटा गांव सिकन्दराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डी० न० 2073/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में अगस्त, 1979 में हुआ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 53/80-81—यतः मुझे के०  
के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो टोकटा गांव सिकन्दरा-  
बाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) ए० लक्षम्मा

(2) ए० बाल मणी

(3) ए० चन्द्रामणी

घर नं० 1-9-7 टोकटा गांव सिकन्दराबाद में  
रहते हैं। (अन्तरक)

2. वी इकरीजात एम्पलाइज को-आपरेटिव हाउसिंग  
सोसायटी जरिये के० सी० सक्सेना, सेक्रेटरी प्लॉट नं०  
65 श्रीनगर कालोनी, हैदराबाद में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 35 गुन्टे जो सर्वे नं० 121 में पेड्डा  
टोकटा गांव सिकन्दराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ० नं०  
2108/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में अगस्त  
1979 में हुआ है

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-4-1980

मोहर:

प्ररूप आर्. टी. एन्. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 54/80-81—यतः मूझे के०  
के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 16 है, जो ईस्ट मारेड पल्ली,  
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री आर० गोपाल

11-ए/2, वेस्ट एक्सटेंशन एरिया, नई दिल्ली-4

(अन्तरक)

2. श्रीमती जोलिका विद्यार्थी प्लॉट नं० 16

सर्वे नं० 74/6 अजगुट्टा ईस्ट मारेडपल्ली सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 16 सर्वे नं० 74/6 तथा 74/10 जो बिल्डिंग के  
साथ है। विस्तीर्ण 612 स्क्वायर यार्ड या 512 स्क्वायर मीटर्स,  
ईस्ट मारेडपल्ली सिकन्दराबाद में है। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ०  
नं० 2009/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में  
हुमा है।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 55/80-81—यतः मुझे, के० के०

वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, तथा जो गांधी नगर, भोलकपुर, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बी० पांडुरंगराव,  
4 ग्रिस्टेट, जज, सिटी, सिविल कोर्ट, हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री जी० गोपाल कृष्णा रेड्डी  
घर न० 4-2-203 पुराणाभोईगुडा, सिकन्दराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 6-6-402 गांधी नगर, भोलकपुर सिकन्दराबाद जिसमें खुली जमीन और पहिली मंजिल विस्तीर्ण 1406 स्क्वायर, फीट, है। जिसका रजिस्ट्रेशन डा० न० 2013/79 से छप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में हुआ है।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-4-1980

मोहर:



प्रकृष माई० टी० एन० ए०—

प्रधनकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० प्रार० ए० सी० 56/80-81—यतः मुझे के०

के० बीर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो मलवाड़ा, बरंगल, में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बरंगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया

1. श्री टी० कृष्णा स्वामी और दूसरे लोग  
बरंगल में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री के० नरसय्या मसेवाड़ा,  
बरंगल में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोद्देश्यारो के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरक से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विधायी में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

कवलू का घर मलवाड़ा, बरंगल में है जिसका रजिस्ट्रेशन डाकु० नं० 2737/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय बरंगल में हुआ।

के० के० बीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 57/80-81—यतः मुझे,  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है जो मुसापेट गांव रंगा रेड्डी जिले  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री टी० हनुमैया और दूसरे लोग

1. 49, मुसापेट गांव रंगारेड्डी जिला में रहते हैं।  
(अन्तरक)

2. श्री दीनू भाई डी० देसाई और दूसरे लोग

4-3-314 बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद में रहते हैं।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जिराली खसकी जमीन मुसापेट गांव ता० हैदराबाद वेस्ट  
जिला रंगारेड्डी जो ग्राम पंचायत मुसापेट में है। जिसका  
रजिस्ट्रेशन नं० डा० नं० 1915/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय  
हैदराबाद वेस्ट में हुआ है।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 58/80-81—यस: मुझे के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-636/8/1 है जो बहुलोल खान गुडा,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
खैरलाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे भ्रष्टारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से उचित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को बाधन उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती आम तुल हामोद द्वारा ए० पी० कंस्ट्रक्शन कं०  
मकान नं० 10-3-30/12 हुमायुन नगर, हैदराबाद में  
रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री अनिल डी० देसाई, और दूसरे लोग  
घर नं० 4-4-322, कोठी हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन और दो मंजिल घर जो अधूरा बनाया गया है,  
जिसको पानी का कनेक्शन है प्लॉट नं० 7-1-636/8/1  
विस्तीर्ण 167 स्क्वायर यार्ड्स या 146.30 स्क्वायर मीटर्स  
बहु लोलखान गुडा आमीर पेठ, हैदराबाद में है जिसका रजि-  
स्ट्रेशन डा० नं० 2425/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय  
खैरलाबाद में हुआ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-4-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल, 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० 59/80-81—यतः मुझे के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-636/8/1 है तथा जो वहलोल खानगुडा,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती आमतूल हमीद द्वारा ए० पी० कंस्ट्रक्शन क०  
10-3-30/12, हुमायून नगर, हैदराबाद में रहते  
हैं।

(अन्तरक)

2. श्री दिनु भाई देसाई और दूसरे लोग  
घर नं० 4-3-314 बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद में रहते  
हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन और दो मंजिला घर जो ग्रधूरा बना हुआ है जिसको  
पानी का कनेक्शन है प्लॉट नं० 7-1,636/8/1, विस्तीर्ण  
210 स्क्वायर यार्ड्स या 181.21 स्क्वायर मीटर्स वहलोलगुडा  
ग्रामीरपेट, में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 2424/79 से  
उप रजिस्ट्रार कार्यालय खैरताबाद में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-4-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निर्गन्ध, सहायक ग्राहक आयुष्य (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० 60/80-81—यतः मुझे, के०

के० वीर

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन पञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खुली जमीन है जो पंजागुट्टा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरणम हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रथीव हर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उमने बढने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिमी आय या किसी वन या वन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसका अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत वसूल नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में मूढिधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15-76G1/80

1. श्री एस० निजामुद्दीन अहमद और दूसरे लोग  
6-3-248/3/ए-4 काकतिया नगर हैदराबाद में  
रहते हैं ।

(अन्तरंक)

2. मैसर्स विरगो कन्स्ट्रक्शन कं०

लकड़ी का पुल हैदराबाद (द्वार का बिल्डिंग) में रहते हैं ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समर्थी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के पास लिखित में रिफ जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

यह सब प्लाट्स की जमीन विस्तीर्ण 5016.73 स्क्वायर मीटर्स जो सर्वे नं० 161 पंजागुटा गांव खैरताबाद हैदराबाद में है। जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 2495/79 से उपरजिस्ट्रार कार्यालय खैरताबाद में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-1980

**मोहर :**

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 61/80-81—यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो मुसापेट गांव हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब प्राप्ता प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम कृष्णाराव निम्बाल कर घर नं० 3-4-206  
लिगंमपल्ली हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री के० किस्टय्या और दूसरे लोग घर नं० 2-87  
मुसापेट हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोदस्तावरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० जो सर्वे नं० 36/1 में विस्तीर्ण एक एकड़ 2 गुन्टे मुसापेट गांव हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डी० नं० 1968/79 में उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 62/80-81—यतः मुझे,  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो हासमलपेट सिकीन्द्राबाद  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकीन्द्राबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल के पक्ष में प्रतिष्ठान से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कबित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अथ आस्तियों  
को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा-  
1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री के० जर्नाधन रेड्डी हासमलपेट रोड सिकीन्द्राबाद  
में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री एस० बी० ग्राम० एम्पलाईज कोपरेटीव  
सोसाइटी एच० ए० एल० केम्पस बालानगर  
हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

200 एकड़ जमीन सर्वे नं० 74, 75 और 79 हासमलपेट  
रोड सिकीन्द्राबाद कन्टोनमेन्ट में है। जिसका रजिस्ट्रेशन डॉ०  
नं० 2085/79 में उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकीन्द्राबाद  
में हुआ है।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-80  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 63/80-81—यतः मुझे, के० के० बीर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० नं० 1-8-54/1/ए है, जो पीन्डर घास्ट रोड सिकीन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसका प्रन्तरण लिखित में वास्तविक का 10 प्रतिशत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी माप की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती के० राजलक्ष्मी और दूसरे लोग ईस्ट मारेड पल्ली सिकीन्द्राबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ए० स्वरूपाराणी जरिए ए० एम० सागर भोलकपुर सिकीन्द्राबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रक्रिया बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 1-8-54/ए/1 Built नं० 37/बी पीन्डरघोस्ट रोड सिकीन्द्राबाद उत्तर 25 रोड दक्षिण प्लॉट नं० 41 पूर्व नं० 1-8-54/ए/ पश्चिम प्लॉट नं० 36, जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 20/5/79 से उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकीन्द्राबाद में अगस्त 79 में हुआ है।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-4-80

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 64/80-81---यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो मुमापेटगांव हैदराबाद में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वावत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से, ऐसे हयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

1. श्री टी० हुनुमय्या और दूसरे लोग 1-40 मसापेट गांव हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री जयन्ती लाल और दूसरे लोग 8-4-310 मररा गुड्डा हैदराबाद में हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 121/2 और 126/2 विस्तीर्ण 2057 वर्ग गज मुमापेट हैदराबाद वेस्ट तालुक, रंगा रेड्डी जिले में है जिसका रजिस्ट्रेशन नं० 1940/79 से उप रजिस्ट्रार के कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में हुआ है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-4-80

मोहर:

प्रकृष आर्ई० टी० एन० एन०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलोर,

बंगलोर, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० 267/79-80—यतः मुझे एच० तिममय्या प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नम्बर 234/83, 243, 1, 2, 220, 221, 222 है, जो मुदलापुर, अमरावती और होसपेट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होसपेट अंडर डाक में नंबर 654 दिनांक 20-8-1979 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स दि इंडिया शुगर रिफ़ेनरीस लिमिटेड होसपेट। (अन्तरक)
2. मैसर्स पंपसार डिस्ट्रिलरीस लिमिटेड होसपेट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोद्देशाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(1) 7.42 एकड़ भूमि मदयशाला बिल्डिंग, स्थिर यंत्र और मशीनें और अन्य बिल्डिंग सहित जो सर्वे नंबर 243/83 (भागशाह) मुदलापुर में सर्वे नं० 243 (भागशाह) अमरावती में, और सर्वे नंबर 1 (भागशाह) होसपेट में स्थित है।

(2) 11.25 एकड़ भूमि आवासिक मुहल्ला और अन्य बिल्डिंग जो सर्वे नंबर 1 और 2 (भागशाह) होसपेट में स्थित है।

(3) 18.30 एकड़ जगह जिनका सर्वे नंबर 220, 221 और 222 है और जो अमरावती में स्थित है।

एच० तिममय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलोर

तारीख : 15-3-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/24786/79-80/ए० सी०,  
क्यू०/बी०—यतः मुझे, एच० तिममय्याआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 2/103, 104 है तथा जो पेरीयप्पा लेन  
सदर पतरप्पा रोड़ बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 अगस्त  
1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थन:—

1. (1) श्रीमती हमीदा बी० उर्फ प्यारी बी०

(2) श्री अब्दुल ग़ाफूर उर्फ अमीरजान

2/103-104 पेरीयप्पा लेन सदर पतरप्पा  
रोड़ कास बंगलूर-560002।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शाहताज बेगम पत्नी अजीजउल्ला, सं० 39  
सदर पतरप्पा रोड़, बंगलूर-560002।

(अन्तरिती)

3. (1) मैमर्स मानिकलाल ट्रेडर्स।

(2) मैमर्स इस्ट्रूमेंटम एण्ड केमिस्ट्रुल्स (प०)  
लिमिटेड।

(3) मावर भाप।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

[वस्तावेज 1598/79-80 तारीख 16-8-79]

घर सम्पत्ति सं० 2/103-104, तथा जो पेरीयप्पा लेन  
सदर पतरप्पा रोड़ बंगलूर।

एच० तिममय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 13-3-80

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1980

निदेश सं० सी० आर० 62/24689/ए० सी० न्यू०/बी०

—यतः मुझे, एच० तिममय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2443 है, तथा जो दूसरा मेन, विनायक नगर टुमकूर (टुमकूर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, टुमकूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24 अगस्त 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आई० जी० वन्देपा, पुत्र गुरु दत्तात्रेयसिंगा कर्मचारी एक्सटेन्शन टुमकूर।

(अन्तरक)

2. श्री एच० गुरुनाथ रामत सं० 2443, दूसरा मेन रोड विनायक नगर टुमकूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से सम्बन्ध में कोई भी शर्तें:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख की 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोहनाक्षरी के पाप निवृत्ति के लिए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शर्तों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, पूर्ण अर्थ होगा जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज 1260/79-80 तारीख 24-8-1979]

घर सम्पत्ति सं० 2443, तथा जो दूसरे मेन रोड विनायक नगर टुमकूर में है।

एच० तिममय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख: 13-3-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० सी० आर०-62/24881/ए० सी० वी०ओ०/

बी०—यतः मुझे एच० तिममय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० वी० एस० 46 है, तथा जो कस्साबा बाजार विलेज मंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रभारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रभारण के लिये पथ पाया गया प्रविक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निहित में वास्तविक रूप से तथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक को इसी तितो माना जा वाया उक्त अधिनियम के प्रतीन कर देने के अन्तरक के अन्तरक से कते करने या उक्ते करने में मुविधा के लिए: पार/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तयों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16-75 GI-80

1. श्री ए० हुस्सैनब्बा पुत्र लेट अदयार महमद हाजी, कनडाका मंगलूर-2।

(अन्तरक)

2. श्री एम० अछूथन पुत्र छातू एम० एल० भाषियास रोड फलनिर, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धारा 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 330/79-80 तारीख 24-8-79)

घर सम्पत्ति टी० एस० सं० 46, कस्साबा बाजार विलेज मंगलूर।

एच० तिममय्या  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 12-3-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक: 12 मार्च 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/25892/ए० सी० क्यू/बी०---यतः मुझे पत्र० तिम्मय्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है, तथा जो मक्काला बसावण टेम्पल स्ट्रीट गनीगारपेट नगरस्थपेट क्रास बेंगलूर सिटी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ग्राह्यविह रूप से स्थित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण ये हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गणेश/ए

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती सत्यलक्ष्मी पत्नी पी० एस० इसाथारामय्या  
षट्ठी सं० 227, 3ई मेन रोड जयानगर बेंगलूर-11।  
(अन्तरक)

2. श्री अजीतनाथ जैन सेवतमबर मूर्ती पूजक संघ मक्काला बसावण टेम्पल स्ट्रीट नगरस्थपेट बेंगलूर-560002  
रेप्रसन्त कर रहे हैं उनके चेयरमेन श्री डनगरेम पुनमचन्द जी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज 3122/79-80 तारीख 21-12-1979)  
घर सम्पत्ति सं० 4 एम० बी० टी० स्ट्रीट गनीगारपेट  
नगरस्थपेट क्रास, बेंगलूर सिटी।

एच० तिम्मय्या  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 12-3-80  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/24801/ए० सी० क्यू०/

बी०—यतः मुझे एच० तिम्मय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रतीत तत्तन अधिकारी को, यह विषयाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5 है, तथा जो मक्काला बसावण्ण टम्पल स्ट्रीट नगरपेट बंगलूर सिटी में स्थित है (अर्थात् इससे उपर दृष्ट करने में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21 अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रिकबबन्द मंगीलाल सं० 100/1, मामलपेट बंगलूर-2। (अन्तरक)

2. श्री अजीतनाथ जैन सेवतमबर मूर्ती पूजक संघ मक्काला बसावण्ण टम्पल स्ट्रीट नगरपेट बंगलूर-2।  
रीप्रजेंट कर रहे हैं उनके चेयरमैन श्री हुनगमल पुनमन्व जी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त आक्षेपों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1661/79-80 ता० 21-8-79)

धर सम्पत्ति सं० 5, मक्काला बसावण्ण टम्पल स्ट्रीट नगरपेट, बंगलूर।

एच० तिम्मय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 13-3-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/24777/ए० सी० क्यू०  
बी—यतः मुझे एच० तिम्मय्या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० 108, है, जो ग्यारवां क्रास रोड़, मलेषवर्म  
बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी  
नगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 11 अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पंकाजन पत्नी श्री टी० एस० राजम सं०  
109, ग्यारवां क्रास रोड़, मलेषवर्म बेंगलूर।

(अन्तरक)

2. मास्टर आर० डिनेश माइनर पुत्र श्री एस० रामाचन्द्रन  
रीप्रेजेंट कर रहे हैं उनके मां जो गारडियन है  
मिसज एण्ड रामचन्द्रन सं० 16, जवाहर रोड़  
चोककी कोलम मवराय-625002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज क्र० 1931/79-80 तारीख 11-8-79)

खाली जगह सं० 108, ग्यारवां क्रास रोड़, मलेषवर्म  
बेंगलूर-560003।

एच० तिम्मय्या

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 15-3-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 28 मार्च 1980

निर्देश सं० 62/171(2)/एक्यू-बी०—यतः मुझे, ह० तिममय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अण्णामलै एस्टेट नाम के सम्पत्ति है, तथा जो होसमाने, वाटेहल्ली और बैठने गांव में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आरेहल्ली होबली बेलूर तालूक हासन जिला बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10 अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री एम० एस० पी० राजेस और
- (2) श्री विजयन राजेस "कावेरी पीक एस्टेट के निवासी ऐरकाड-636601, सेलम जिला (तमिलनाडु)।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ए० एन० कन्नप्पा चेटीयार
- (2) श्री कन्नप्पा वल्लीयप्पा।
- (3) श्री के० एन० सुन्दरम,।
- (4) श्री के० एन० रत्नम।
- (5) श्री के० एन० मीनाक्षी सुन्दरम।
- (6) श्री के० सुब्बय्या।
- (7) श्री ए० एन० सुब्रमनियन् चेटीयार।
- (8) श्री एम० पी० यिवनै आची।
- (9) श्रीमती मीनाक्षी आची।
- (10) श्रीमती ए० एन० प्रेमा।
- (11) श्री ए० एन० नाचियप्पा,।
- (12) श्री एन० कन्नप्पन।
- (13) श्री एन० नाचियप्पन, अलियास राजामनी,
- (14) श्री पी० एल० धीवनै।
- (15) श्री एन० अरुणासलम चेटीयार।
- (16) श्री एन० ए० आर. मीनाक्षी आची।
- (17) एन० ए० आर० अरुणाचलम्।
- (18) श्री एन० ए० आर० थाप्पामलाय अ० नं० 1-13 और 15—18 बैकर्स कल्लाल गांव के निवासी रामनाथपुरम जिला (तमिलनाडु) अं नं० 14, बैकर्स नाक्षियापुरम गांव के निवासी रामनाथपुरम जिला तमिलनाडु)।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रवर्तन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तमाम से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोद्धारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 365/79-80 ता० 20-8-1979)

"अश्रामलै एस्टेट" नाम के काफी जमीन संपत्ति तथा जो होसमाने, वाटेहल्ली और बैठने गांव आरेहल्ली होबली, बेलूर तालूक हासन जिला में स्थित है।

जमीन के सर्वे संख्यायें क्रयपत्र के अनुसार हैं।

ह० तिममय्या

सहम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 28-3-1980

मोहर:

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 मार्च 1980

निवेश सं० सी०आर० 62/174/2/79-80/ए०सी०क्यू०बी०  
—यतः मुझे, एच० तिम्मय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ग के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विषय उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अन्नामले एस्टेट नाम की सम्पत्ति है, तथा जो आरेहल्ली गांव बेलूर तालूक हासन जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के कार्यालय, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल और अन्तरण (अन्तरणों) और प्रस्तुति (अन्तरितियों) के अन्तर्गत के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त उक्त प्रकरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आय, उक्त अधिनियम, के अधीन कर बेन के अन्तरण के अन्तरण में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का अन्तर्गत भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किवा जाना चाहिए या, ठिगाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सोन्ना राजेस।

(2) श्री दयालन राजेस।

(3) श्रीमती हेमा दयालन।

(4) श्री मोहन राजेस।

(5) श्रीमती गौरी पन्डीयानाथन अ० न० 1-5

मोहनाड पीक एस्टेट के निवासी, सेम्मानाथम पोस्ट, एरकांड-636602 (तमिलनाडु)।

(अन्तरण)

2. सर्वश्री ए० एन० चेटीयार।

(2) श्री कन्नप्पा वाल्लियप्पाकन्नप्पा।

(3) के० एन० सुन्दरम।

(4) श्री के० एन० रत्नम।

(5) श्री के० एन० मीनाक्षी सुन्दरम।

(6) के० एन० सुब्बय्या।

(7) श्री ए० एन० सुब्रमनियम चट्टीयार।

(8) श्री एस० पी० थिवनै आची।

(9) श्रीमती मीनाक्षी आची।

(10) श्री ए० एन० प्रेमा।

(11) श्री ए० एन० नाचियप्पा।

(12) एन० कन्नप्पन।

(13) श्री एन० नाचियप्पन अलियास राजामनी।

(14) श्री पी० एल० धीवनै।

(15) श्री एन० अरुनासलम अट्टियार।

(16) श्री एन० ए० आर० मीनाक्षी आची।

(17) श्री एन० ए० आर० अरुनाचलम।

(18) श्री एन० ए० आर० थानीमलाय अ न०

2 से 13 और 15 से 18 तक बैकरस कल्लाल गांव के निवासी रामनाथपुरम जिला (तमिलनाडु) अ न० 14 बैकर, नाचियापुरम गांव के निवासी रामनाथपुरम जिला (तमिलनाडु)।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोऽस्नाक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 417/79-80 ता० 20-8-1979)

जीवन के सर्वे संख्यायें क्रयपत्र के अनुसार हैं। "अन्नामले एस्टेट" नाम के काफी जमीन संपत्ति तथा जो आरेहल्ली गांव बेलूर तालूक हासन जिला में स्थित है।

एच० तिम्मय्या

मक्षम प्राधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 28-3-1980

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 25 मार्च 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/24847/79-80/ए०सी०क्यू०/  
बी—यतः भूमे, एच० तिम्मय्या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 96-ई है, तथा जो पांचवां ब्लॉक, जयनगर  
एक्सटेंशन में स्थित (और इससे बेंगलूर उपाखण्ड अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जयनगर बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 16 अगस्त 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्रीमती एम० के० पार्वती देवी, श्री० सी० एन० ऊपवण  
के पत्नी सं० 172, पहला ब्लॉक (पूर्व) जयनगर  
बेंगलूर-560011।

(अन्तरक)

2. डा० पी० श्रीनाथ, श्री एच० पी० पद्मनाभन् के पुत्र  
सं० 331 पहला (ए) मैन, मानवां ब्लॉक,  
जयनगर बेंगलूर-11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज 1400/79-80 ता० 16-8-1979)

धर सम्पत्ति सं० 96-ई, तथा जो पांचवां ब्लॉक, जयनगर  
एक्सटेंशन, बेंगलूर-11 में स्थित है।

अक्षवन्दी—पूर्व—जगह सं० 135/बी।

पश्चिम—सड़क।

उत्तर—जगह सं० 96/ड।

दक्षिण—जगह सं० 6/फ०।

एच० तिम्मय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 25-3-1980

नोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर कार्यालय

बेंगलूर, दिनांक 26 मार्च 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/24850/79-80/ऐ०सी०क्यू०/बी—

यतः मुझे, ह० तिममय्या

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 274/1-ए, है तथा जो नौवां 'अ' मैन रोड दूसरा ब्लॉक जयनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० सी० विजयेन्द्र रेड्डी, सं० 18, बेल्लारी रोड, सदाशिवनगर बेंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बकुल बी० हेम्माड सं० 274/1 'अ', नौवां 'अ' मैन रोड दूसरा ब्लॉक जयनगर बेंगलूर-11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज नं० 1429/79-80 ता० 20-8-79)  
घर की संपत्ति सं० 274/1-अ', तथा जो नौवां 'अ' मैन रोड, दूसरा ब्लॉक जयनगर, बेंगलूर-11 में स्थित है।

चकबन्दी—पूर्व में संपत्ति सं० 274।

पश्चिम में नौवां 'अ' मैन रोड।

उत्तर में के० सी० सुदर्शन रेड्डी के संपत्ति।

दक्षिण में आठवां क्रॉस रोड।

ह० तिममय्या

संजन प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 26-3-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 27 मार्च 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/25068/79-80/ए० सी०

फ्यू०/वी०—यतः मुझे एच० तिम्मय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11, है, तथा जो वेस्ट लिंक रोड मलशवर्म बेंगलूर-3 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजा जी नगर बेंगलूर-3 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 अगस्त 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

17—76GI/80

1. श्रीमती एच० एम० पारवातम्मा उर्फ एच० एम० पारवती पत्नी एच० एस० मनजुनाथ सं० 11 वेस्ट लिंक रोड मलशवर्म बेंगलूर-3।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० आर० शाशीकाला पत्नी बी० शिवाराम सं० 27 रेमकोर्स रोड बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाह्नुताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1997/79-80 ता० 27-8-79)

वर संपत्ति सं० 11, तथा जो वेस्ट लिंक रोड मलशवर्म बेंगलूर-3 में स्थित है।

एच० तिम्मय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 27-3-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर-560001, दिनांक 12 फरवरी 1980

निर्देश सं० 261/79-80—यतः मुझे, एच० तिम्मय्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 124, वार्ड नंबर 14 है जो संदूर बल्लारी जिले में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय संदूर ग्रंथर बाक्युमेंट नंबर 119 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उमरे बचो में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या लिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती उर्मिलाराजे वी० घोरपाडे मुख्तारनामा धारक श्री वी० वाई० घोरपाडे संदूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० एन० सरोजाबाई पत्नी श्री के० एच० नागराज बेंकटेशपुर बंदाव चित्रबुर्गी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संदूर शहर वार्ड नं० 14 क्र० नं० 124 में स्थित "अमृत" चलचित्र मंदिर, विक्रय पत्र में उल्लेखित स्थिर यंत्र और मशीनों सहित।

एच० तिम्मय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख : 12-2-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सञ्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल, 1980

निदेश सं० एलडीएच/325/79-80—अतः मुझे सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 625-एल है तथा जो माडल टाउन  
लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 8/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति शाम कौर पत्नि श्री मंगल सिंह निवासी  
मकान नं० 625-आर, माडल टाउन, लुधियाना द्वारा श्री  
मंगल सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह निवासी 625-आर माडल  
टाउन, लुधियाना (अन्तरक)

2. सर्वश्री सुरिन्द्रपाल सिंह और मोहनपाल सिंह पुत्र  
श्री अजीत सिंह निवासी 113, माडल टाउन, लुधियाना।  
अब 625-एल, माडल टाउन, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख  
से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त  
होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 625-एल, माडल टाउन, लुधियाना में स्थित  
है। जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, लुधियाना  
के कार्यालय के विलेख संख्या 2709 अगस्त, 1979 में दर्ज  
है।

सुखदेवचन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 2 अप्रैल, 1980

मोहर :

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 5th May 1980

No. F. 2/80-SCA (I).—Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed the following Officers of this Registry with effect from the forenoon of May 5, 1980 and appointed them substantively to the post shown against each :—

S. No.	Name	Present Post Held	Post to which confirmed
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Sh. Mahesh Prasad	Offg. Deputy Registrar	Deputy Registrar
2.	Sh. A. P. Bhandari	Offg. Deputy Registrar	Assistant Registrar
3.	Miss S. V. Kashyap	Offg. Assistant Registrar	Assistant Registrar
4.	Sh. D. R. Luthra	Offg. P. P. S. to Hon'ble the Chief Justice of India	P. S. to the Hon'ble the Chief Justice of India.
5.	Sh. Syed Qaiser Karim	Offg. Section Officer	Section Officer
6.	Sh. I. J. Sachdeva	Offg. Court Master	Court Master

R. SUBBA RAO,  
Registrar (Admn.)

New Delhi, the 1st May 1980

No. F. 2/80-SCA (I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed Shri R. Subba Rao, Officiating Registrar and appointed him substantively to the post of Registrar, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of May 1, 1980.

(ADMN. BRANCH I)

The 3rd May, 1980

No. F.6/80-SCA (I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has ordered that Shri A. P. Bhandari, Officiating Assistant Registrar be promoted/appointed to officiate as Deputy Registrar with effect from the forenoon of May 1, 1980, until further orders.

MAHESH PRASAD,  
Dy. Registrar (Admn.)

ENFORCEMENT DIRECTORATE  
FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3 the 22nd April 1980

No. A-11/46/74.—Shri Swinder Singh, Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Delhi zonal office is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Delhi zonal office w.e.f. 31-3-80 (AN) and until further orders.

S. D. MANCHANDA, Director

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 1st May 1980

No. 75/PRS/053.—The services of Shri Ramesh Chandra, IAS (UP-61), Secretary Central Vigilance Commission, are placed at the disposal of Government of Uttar Pradesh with effect from 1st May 1980 (forenoon).

Shri Ramesh Chandra has been posted as Commissioner, Gorakhpur Division, Gorakhpur.

O. P. SHARMA, Director  
for Central Vigilance Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; A.R.)

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd May 1980

No. A-19021/1/80-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri A. S. Aulakh, (M.P-1971) as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 10-4-1980 and until further orders.

The 5th May 1980

No. A-19021/3/80-Ad.V.—The President is pleased to appoint Sh. Jaspal Singh (A.P.1970) as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation with effect from the afternoon of 3-5-1980 and until further orders.

Q. L. GROVER,  
Administrative Officer (E)

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 1st May 1980

No. O.II.1424/77-ESIT.—Consequent on the expiry of the period of his re-employment, Major Ajaib Singh (Retd) handed over charge of the post of Dy. S. P., O.C. AWS, CRPF, Gauhati on the afternoon of 24-2-80.

K. R. K. PRASAD,  
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

No. E-16013(2)/2/79-PERS.—On transfer on deputation Shri Parkash Singh, IPS (UT-64), assumed the charge of the post of Asstt. Inspector-General at CISF HQrs, New Delhi with effect from the forenoon of 11th April, 1980.

No. E-16018/2/79-PERS.—On expiry of his term of deputation Shri D. K. Mitra relinquished the charge of the post of Assistant Commandant (Fire), CISF Unit, ASP, Durgapur, w.e.f. the afternoon of the 31st March 80.

Sd/- Illegible Inspector General

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 29th April 1980

No. 10/37/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint by promotion Shri E. Ramaswamy, Investigator (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, and at present working as Research Officer (Social Studies) on *ad hoc* basis in the same office, as Research officer (Social Studies) in the same office, on regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of 10th April, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Ramaswamy will be at New Delhi.

The 2nd May 1980

No. 11/123/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri B. P. Chandak, an Officer belonging to the Madhya Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 8th April, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Chandak will be at Raipur.

No. 11/123/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Sharma, an Officer belonging to the Madhya Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 22nd March 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Sharma will be at Gwalior.



The 5th May 1980

No. 11/102/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Grover, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India New Delhi, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Punjab, Chandigarh, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 14th March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

The headquarters of Shri Grover will be at Chandigarh.

The above-mentioned *ad hoc* appointment will not bestow upon Shri Grover any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on *ad hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79 Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri Alok Kumar Dutta, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Lakshadweep, Kavaratti, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 5 April, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Dutta will be at Kavaratti.

3. The above-mentioned *ad hoc* appointment will not bestow upon Shri Dutta any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on *ad hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri Phool Singh, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 16th April, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Singh will be at Moradabad.

3. The above-mentioned *ad hoc* appointment will not bestow upon Shri Singh any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on *ad hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA,  
Registrar General, India

#### MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

#### SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 30th April 1980

P.F. No. PD-3/1071.—Shri S. K. Anand, Foreman (Production) is appointed on an *ad hoc* basis to officiate as Assistant Works Manager in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 5-5-1980 (F.N.) to 7-6-1980 in the leave vacancy of Shri M. Padmanabhan Assistant Works Manager who is proceeding on leave during the above period.

The 2nd May 1980

P.F. No. M/6/1070.—Shri B. L. Sharma, Foreman (Mech.), is appointed on an *ad hoc* basis to officiate as Asstt. Engineer

(Mech.) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 4-5-1980 (F.N.) to 6-6-1980 in the leave vacancy of Shri N. P. Singh, Asstt. Engineer (Mech.) who is proceeding on leave during the above period.

S. R. PATHAK,  
General Manager

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,

JAMMU & KASHMIR

Srinagar, the 25th April 1980

No. Admn-I/60(65)/80-81/347-49.—The Accountant General Jammu and Kashmir has promoted Shri R. C. Vishist, a permanent Section Officer of this office, as Accounts Officer in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17th April, 1980 till further orders.

H. P. DAS,  
Senior Deputy Accountant General (A&E)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,

WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 2nd May 1980

No. Admn.I/1038-XVI/323.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint on *ad hoc* and provisional basis the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in purely temporary capacity with effect from the forenoon of 28-4-80 or the date on which they actually take over charge as Accounts Officer in the Office of the A.G.-II, West Bengal/Office of the Director of Audit, Central, Calcutta whichever is later and until further orders :—

1. Sri Samarendu Saha
2. Sri Harendra Nath Halder
3. Sri Pulin Behari Mondal
4. Sri Moni Lal Mondal.

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High Court case and will be subject to final decision of the Court case filed against the Union of India and others under C.R. case No. 14818(N) of 1979.

SUDHA RAJAGOPALAN,  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 29th April 1980

No. 18473/AN-I.—The President is pleased to accept the resignation of Shri SATISH KUMAR DOGRA, from the Indian Defence Accounts Service with effect from 1st February 1980 (Forenoon).

The 2nd May 1980

No. 68012(6)/79/AN-I.—The President is pleased to appoint Shri S. Krishnamachari, Permanent Accounts Officer, to officiate in the Junior Time Scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service (Rs. 700-1300) with effect from 2nd April 1980 (FN) until further orders.

K. P. RAO,  
Addl. Controller General of Defence Accounts  
(AN)

MINISTRY OF DEFENCE  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 16th April 1980

No. 20/G/80.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Staff Officer with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri Amiya Ranjan Bose, Pt. ASO, 20th March, 1980.
- (2) Shri Byomkesh Manik, Pt. ASO, 20th March, 1980.
- (3) Shri Raghunath Dasgupta, Pt. ASO, 20th March, 1980.
- (4) Shri V. Kailasan, Pt. ASO, 20th March, 1980.
- (5) Shri Parbatu Ku. Goswami, Pt. ASO, 20th March, 1980.
- (6) Shri Nirmal Ch. Das, Pt. ASO, 20th March, 1980.
- (7) Shri Prasanta Ku. Mallick, Pt. ASO, 20th March, 1980.
- (8) Shri Ranjit Ku. Das, Pt. ASO, 20th March, 1980.

V. K. MEHTA,  
Asstt. Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES  
(DEPARTMENT OF COMMERCE)  
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 28th April 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/956/72-Admn(G)/2494.—The President is pleased to appoint Shri M. E. Thomas (CSS Selection Grade), Deputy Secretary in the Ministry of Commerce and Civil Supplies, Department of Commerce as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this Office w.e.f. the afternoon of the 7th April, 1980.

C. VENKATARAMAN,  
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY  
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)  
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 28th April 1980

No. CER/2/80.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/2/77 dated 15-4-77 as amended by Notification No. CER/2/79 dated 17-12-79, namely :—

In the said Notification in para 5, Explanation (3), Note (1) thereof, for the words "manufactured with warp counts 28 and 80s" the words "manufactured with warp counts between 28s and 80s" shall be substituted.

M. W. CHEMBURKAR,  
Joint Textile Commissioner

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL  
(DEPARTMENT OF MINES)  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA  
Calcutta-700016, the 29th April 1980

No. 2983A/A.32013(AO)78-80/19A.—Shri J. C. Sarkar, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-710-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary

capacity with effect from the forenoon of the 22-3-1980, until further orders.

No. 2995A/A-32013(AO)/78-80/19A.—Shri S. M. Lahiri, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-710-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 24-3-1980, until further orders.

The 2nd May 1980

No. 3469B/A-32013(4-Driller)/78-19B.—The following Senior Technical Assistants (Drilling) in the Geological Survey of India are appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity with effect from the date as mentioned against each, until further orders.

Name & Date of joining

1. Shri H. L. Bhattacharjee—21-1-1980 (FN)
2. Shri J. K. Shome—17-1-1980 (FN)
3. Shri S. K. Mookherjee—21-1-1980 (FN)

V. S. KRISHNASWAMY,  
Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING  
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 2nd May 1980

No. 5/16/70-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri D. R. Haldankar, Permanent Camera-man, Films Division, New Delhi to officiate as Newsreel Officer on ad hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 8-10-1979, until further orders.

N. N. SHARMA,  
Asstt. Administrative Officer  
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th April 1980

No. A.19021/2/80-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri G. S. Aggarwal to the post of Administrative Officer in the Central Government Health Scheme, Delhi on deputation basis with effect from the forenoon of 10th March, 1980 for a period of one year in the first instance.

N. N. GHOSH,  
Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 3rd May 1980

No. 34-24/69-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Mrs. A. Ratra, Nursing Superintendent, Safdarjang Hospital, New Delhi, retired from Government service on the afternoon of the 29th February, 1980.

S. L. KOTHIALA  
Dy. Director administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 6th April 1980

No. A-19025/19/80-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Ajay Kumar Verma has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) in the Directorate at Guntur with effect from 31-3-80 (FN), until further orders.

The 29th April 1980

No. A-19024/6/79-AIII.—Shri R. Ramakrishnan, Senior Chemist is appointed to officiate as Chief Chemist at Bombay

with effect from 14-4-80 (forenoon) on purely short-term basis for a period not exceeding three months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

B. L. MANIHAR  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

### MINISTRY OF AGRICULTURE

#### VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 28th April 1980

No. F. 12-9/77-Fstt.(I).—On the recommendations of D.P.C. (Group 'B') of the Ministry of Agriculture, Department of Agriculture & Cooperation, Shri K. K. Sharma, presently officiating as Deputy Director (Administration), on regular basis, is appointed substantively to the permanent post of Superintendent (Grade I), G.C.S. (Group 'B') (Gazetted) (Ministerial), in the pay scale of Rs. 700—30—760—35—900, in the Directorate of Extension, Department of Agriculture & Cooperation, Ministry of Agriculture with effect from 6-8-1974.

B. N. CHADHA  
Director Administration

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 25th April 1980

No. PPED/3(236)/80-Adm. 5967—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay is pleased to appoint the under-mentioned personnel of this Division as Scientific Officer/Engineer, Grade 'SB' in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders :—

Sl. No.	Name	Present Grade
(1)	(2)	(3)
1.	Shri B. S. Phawde . . . .	Draughtsman 'C' (Quasi-permanent)
2.	Shri C. S. Attarde . . . .	Draughtsman 'C' (Permanent D/man 'B')
3.	Shri C. John Mathew . . . .	Scientific Asstt. 'C' (Quasi-permanent man 'B')

B. V. THATTE,  
Administrative Officer

### NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr-202397, the 29th April 1980

No. NAPP/Adm./1 (168)/80/5445—Chief Project Engineer Narora Atomic Power Project appoints the following Officiating Scientific Officer/Engineers grade SB in RAPP to Officiate as Scientific Officer/Engineers grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the dates mentioned against each until further orders :—

S. No.	Name	Present grade	Permanent post held in PPED Pool	Date of Assumption of Charge
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	(S/Shri			
1.	R. K. Sharma	SO/SB	Asstt. Foreman	1-4-1980
2.	Rajindra Prasad	Do.	Do.	2-4-1980
3.	Kalwant Singh	Do.	Draftsman 'B'	7-4-1980

S. KRISHNAN,  
Administrative Officer,  
for Chief Project Engineer

### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 22nd December 1979

No. NFC/PAR/0705/5603.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Shri S. Rangarajan, Assistant Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer, on *ad hoc* basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 18-12-1979 to 17-2-1980, or until further orders whichever is earlier.

No. PAR/0705/5604.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri C. R. Prabhakaran, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer, on *ad hoc* basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 22-11-1979 to 17-12-1979.

The 18th January 1980

No. PAR/1603/198.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri G. Sundararaman, a temporary Supervisor (Civil) to officiate as SO/Engineer (SB) in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, w.e.f. 1-8-1979, until further orders.

No. PAR/1603/199.—The Chief Executive Nuclear Fuel Complex, appoints Shri T. Jagannatha Rao, a temporary Supervisor (Civil) to officiate as SO/Engineer (SB) in

Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, w.e.f. 1-8 1979, until further orders.

The 10th February 1980

No. PAR/0705/963.—In continuation of Notification No. PAR/0705/5604 dated 22-12-79, the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, has extended the officiating appointment of Shri C. R. Prabhakaran, Assistant Accountant as Assistant Accounts Officer from 18-12-1979 to 29-12-1979.

The 21st February 1980

No. PAR/0704/1241.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Bh. L. G. Sastry, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer for the period from 18-2-1980 to 3-4-1980, *vice* Shri V. R. Vijayan, APO, deputed for training.

The 26th March 1980

No. NFC/PAR/0705/1922.—In continuation of Notification No. NFC/PAR/0705/5603 dated 22-12-1979, the Chief Executive Nuclear Fuel Complex, has extended the officiating appointment of Shri S. Rangarajan, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer, on *ad-hoc* basis, w.e.f. 18-2-80 until further orders.

The 24th April 1980

No. PAR/0704/4332.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri R. V. Ravishanker, a permanent Upper Division Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer, on *ad hoc* basis in Nuclear Fuel Complex, from 19-9-1979 to 7-10-1979, vice Shri P. S. R. Murty, Asst. Personnel Officer, proceeded on leave.

U. VASUDEVA RAO  
Administrative Officer

### RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 1st May 1980

No. RAPP/Recd./2(22)/80/S/23.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri D. K. Sen a permanent Accountant of this Project to officiate as Accounts Officer-II in the Rajasthan Atomic Power Project with effect from the forenoon of 1st August, 1978 until further orders.

GOPAL SINGH  
Administrative Officer (E)  
for Chief Project Engineer

### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 2nd May 1980

No. AMD-8(1)/80-Recd.—In continuation of this Office Notification of even number dated 18-1-1980, Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby extends the appointment of Shri Som Nath Sachdeva, Hindi Translator in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity upto April 4, 1980 (Afternoon) *vice* Shri R. N. Dey, Assistant Personnel Officer, proceeded on leave.

No. AMD-8(2)/80-Recd.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. U. Narayanan, Assistant in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the Forenoon of April 5, 1980 *vice* Shri R. N. Dey, Assistant Personnel Officer granted leave until further orders.

No. AMD-8(2)/80-Recd.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Lachhmi Narain, Assistant in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the Forenoon of April 28, 1980 to May 31, 1980 (Afternoon) *vice* Shri K. R. Balasubramaniam, Assistant Personnel Officer granted leave.

M. S. RAO,  
Sr. Administrative & Accounts Officer

### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP-401 504, the 18th April 1980

No. TAPS/1/19(1)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Y. R. Velankar, a temporary Assistant Accountant in this Power Station as Assistant Accounts Officer on *ad hoc* basis from 11-4-1980 to 31-5-1980.

No. TAPS/1/19(1)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri I. P. Khandelwal, a temporary Assistant Accounts Officer in this Power Station as Accounts Officer-II on *ad hoc* basis with effect from 11-4-1980 to 31-5-1980

The 25th April 1980

No. TAPS/1/34(1)/77-R (Vol. IV).—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri V. V. Tamhane, a permanent Tradesman 'D' in BARC officiating as Tradesman 'G' in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer Grade (SB) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—

810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980.

A. D. DESAI  
Chief Administrative Officer

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 2nd May 1980

No. A.32013/3/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri L. R. Garg, Assistant Director of Communication at DGCA Headquarters, to the grade of Deputy Director/Controller of Communication on a regular basis with effect from 8-2-1980, until further orders.

H. L. KOHLI  
Director of Administration

New Delhi, the 2nd May 1980

No. A.24013/2/79-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri A. K. Agarwal, Technical Officer, Radio Construction & Development Units, New Delhi with effect from 21-11-79 (AN).

No. A.38015/7/79-EC.—In this Department Notification No. A-38015/7/79-FC, dated 21-10-79, the date occurring in line four thereof is substituted to read as 2-7-79 (Afternoon).

The 3rd May 1980

No. A.32013/11/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri M. Irrutapah, Technical Officer, A.C.S. Mohanbari to the grade of Senior Technical Officer on *ad hoc* basis with effect from 31-3-80 (FN) for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier and to post him at the Aeronautical Communication Station, Calcutta.

R. N. DAS  
Assistant Director of Administration

### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Indore, the 24th April 1980

No. 6/80.—Shri G. J. Kewalramani, Superintendent, Central Excise, Group 'B' M.O.R.I., Indore in Madhya Pradesh Collectorate, Indore, having attained the age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of 31st March, 1980.

S. K. DHAR  
Collector

### MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400038, the 2nd May 1980

No. 1-TR(3)/76.—The President is pleased to appoint Capt. V. C. D'Paiva an officer on deputation from the Shipping Corporation of India Ltd. Bombay on an *ad hoc* basis as Nautical Officer on the T.S. "Rajendra" Bombay with effect from 27-10-1976 forenoon until further order.

K. S. SIDHU  
Dy. Director General of Shipping

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 29th April 1980

No. 1/229/69-ECIX.—Shri M. I. Mehta, Assistant Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from

29th April, 1980 (A.N.). (30th April being closed holiday).

K. A. ANANTHANARAYANAN  
Dy. Director of Administration

### SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 10th April 1980

No. P(G)185/EL.—Shri N. P. Shivanna, an Offg Asstt. Electrical Engineer is confirmed in Class II service of the Electrical Engineering Department of this Railway with effect from 16-4-79.

N. NILAKANTA SARMA  
General Manager

### NORTHERN RAILWAY HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 26th, March 1980

No. 21.—The following officers of IRSME Department Northern Railway are confirmed in Jr. Scale in that department on this Railway w.e.f. the dates noted against each.

S. No.	Name	Date
(1)	(2)	(3)
1.	Sh. J. S. Bathla . . .	7-4-1976
2.	Sh. S. Handa . . .	19-1-1977
		Against Superannu- mary post from 19-1-1977 to 31-12-79
3.	Sh. A. K. Malhotra . . .	20-10-1977
		Against Superannu- mary post from 20-10-77 to 31-12-79.

R. K. NATESAN,  
General Manager

### MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(DEPARTMENT OF SUPPLY)

Calcutta-27, the 28th April 1980

No. G-65/B(con).—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta has been pleased to appoint Shri Diptipati Mukherjee, Scientific Assistant (Electrical), National Test House, Alipore, Calcutta as Scientific Officer (Elect.)

in the same office on an *ad hoc* basis w.e.f. 8-4-80 (F/N) until further orders.

No. G-65/B(con).—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta, has been pleased to appoint Shri K. K. Biswas, Scientific Assistant (Electrical), National Test House, Alipore, Calcutta as Scientific Officer (Electrical) in the same office on a regular basis w.e.f. 8-4-80 (F/N).

A. BANERJEE  
Deputy Director (Admn.)  
for Director General, National Test House,  
Calcutta

### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Bombay, the 15th April 1980

No. Admn. Gaz. 173-4/79(1).—In exercise of the powers conferred by the sub-section (2) of the section 117 of the I. T. Act, 1961 (Act. 43 of 1961), I, Shri M. L. C. D'Souza, Commissioner of Income-tax, Bombay City-I, Bombay have appointed the undermentioned Hindi Translator as Hindi Officer and Inspectors of Income-tax to Officiate as Income-tax Officers Class-II with effect from the dates shown against their names and until further orders :—

Sr. No.	Hindi Translator/ Inspector	Date
S/Shri		
1.	M. L. Sharma . . . Hindi-Translator	20-9-1979 (F.N.)
2.	K. M. Barsiwala . . . Inspector	07-1-1980 (F.N.)
3.	L. P. Soneji . . . "	04-1-1980 (F.N.)
4.	S. R. Chowkekar . . . "	05-1-1980 (F.N.)
5.	N. A. Gangawane . . . "	03-1-1980 (F.N.)
6.	S. D. Nyayanirgune . . . "	07-3-1980 (F.N.)
7.	A. B. Sardesai . . . "	07-3-1980 (F.N.)

2. They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad. V dated 25-4-1975 from the Government of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if necessary be extended beyond the above period. Their confirmation and or retention in the post will depend upon the successful completion of the probationary period.

3. Their appointments are made on a purely temporary and provisional basis and liable to terminate at any time without notice.

M. L. C. D'SOUZA,  
Commissioner of Income-tax,  
Bombay City-I, Bombay

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. SNG/50/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 26 bighas 16 biswas (being 1/4th share of 119 bighas 3 biswas) situated at V. Bahadur Pur, P.O. Bahadur Pur, Distt. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dalip Kaur D/o Shri Hazura Singh, r/o V. & P.O. Bahadur Pur, Distt. Sangrur.  
(Transferor)

(1) Smt. Dalip Kaur D/o Hazura Singh, r/o V&PO Bahadur Pur, District Sangrur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 26 bighas 16 biswas at V. Bahadur Pur, Distt. Sangrur (The property as mentioned in the sale deed No. 1587 of August, 1979 of the Registering Authority, Sangrur).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd April 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. CHD/99/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential plot No. 1215, Sector 34 C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Major Nanda Kumar Nair S/o Dr. K. R. K. Nair, 10-2-317/22, Vijay Nagar Colony, Hyderabad through his general power of attorney Sh. B. C. Madhok S/o Sh. Rattan Lal r/o House No. 15, Type III, Canal Colony, Model Town, Ambala City.

(Transferor)

(2) Shri Jagpal Singh S/o Late Sh. Jawala Singh, resident of House No. 202, Sector 22A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Deputy Secretary, Education Deptt., Punjab Govt., Chandigarh.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential plot No. 1215/Sector 34C, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1127 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd April 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. CHD/175/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential plot No. 1833, Sector 34D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Ex. Captain Ashok Kumar Sikka S/o Lalla Charanjit Lal r/o Choudwar, Cuttack (Orissa) through his special power of attorney Sh. Darshan Lal Sachdeva S/o Shri Gopal Dass, r/o House No. 285, Sector 20A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Kumar (Minor) s/o Sh. Darshan Lal through his mother & natural guardian Smt. Savitri Devi W/o Sh. Darshan Lal, r/o 285, Sector 20A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential plot No. 1833, Sector 34D, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1031 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 2nd April 1980

Seal:



FORM ITNS—

(1) Shri Naunihal Singh S/o Shri Inder Singh, r/o  
10, Babar Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) (i) Shri Ram Parkash S/o Shri Barkat Ram &  
(ii) Smt. Soma Rani W/o Shri Ram Parkash,  
residents of House No. 1648, Sector 7C, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. CHD/180/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House No. 1648, situated at Sector 7C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Residential house No. 1648, Sector 7C, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1058 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd April 1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. CHD/345/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential plot No. 333, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Joginder Singh Puri S/o Sh. Diwan Singh Puri r/o E-476, Greater Kailash-2, New Delhi through special power of attorney Smt. Inderjit Gill w/o Sh. Gurdev Singh Gill, resident of H. No. 228, Sector 21A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh Gill S/o Sh. Jasmer Singh Gill, resident of House No. 228, Sector 21A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential plot No. 333, Sector 33A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1890 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd April 1980

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt Indel Kaur W/o Sh Harinder Singh, Qr No. 404, Tripari Town, Patiala Now H No. 1000, Khati Wala Tank, Indaur (MP)

(Transferor)

- (2) Shri Chetan Suran Hari Singh S/o Sh Atma Singh, 1/o Quarter No 111, Tripari Town, Patiala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref No PTA/262/79 80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Quarter No 404 situated at Tripari Town, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala, in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 date of the publication of this notice in the Official persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential quarter No 404, Tripari Town, Patiala (The property as mentioned in the sale deed No. 3236 of August, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 2nd April 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. CHD/197/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 325, situated at Sector 33A, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Colonel Amar Singh Sabharwal S/o Sh. Sunder Singh r/o House No. 80, Alexandra Road, Ambala Cantt. through his special power of attorney Shri Bhulla Singh S/o Sh. Rulia Singh, r/o House No. 526 Sector 20A, Chandigarh

(Transferor)

- (2) S/Shri Tarsem Singh, (ii) Gurbachan Singh (iii) Mohinder Singh & (iv) Sarwan Singh all sons of Shri Bhulla Singh r/o House No. 325/Sector 33A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 325, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1123 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd April 1980

Seal :

**FORM ITN****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-I  
LUDHIANA**

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. RAJ/123/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Booth No. 113, situated at Shopping Centre, Rajpura Township, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajpura in Sept., 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

19—76GI/80

- (1) Shri Veer Bhan S/o Sh. Pannu Ram r/o House No. 224/7, Sitar Manjil, Sarhindi Bazar, Patiala.  
(Transferor)
- (2) Shri Mahesh Kumar son of Shri Asa Nand S/o Sh. Kishan Chand & Smt. Janki Devi W/o Shri Asa Nand S/o Sh. Kishan Chand r/o 2903, Rajpura Township.  
(Transferee)
- (3) Shri Raj Kumar Booth No. 13, Shopping Centre, Rajpura Township.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Booth No. 13, Shopping Centre, Rajpura Township (The property as mentioned in the sale deed No. 2246 of Sept., 1979 of the Registering Authority, Rajpura).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd April 1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. CHD/212/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential plot No. 195, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. Karam Narain Gujral S/o late Sh. Ram Narain Gujral, resident of J/4, Malwa Nagar Extension, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Harbhajan Singh Pannu S/o Shri Karam Singh, resident of House No. 463/37A, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Residential plot No. 195, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1208 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd April 1980  
Seal

FORM ITNS—

- (1) Major Prem Chand Vijeshwar S/o Shri Sarkaru Mal, resident of Railway Road, Khanna Distt. Ludhiana through his general attorney Sh. Sat Pal S/o Sh. Sarkaru Mal, resident of Railway Road, Khanna.

(Transferor)

- (2) Shri Gursewak Singh Sekhon S/o Cap. Jagir Singh, P.C.S. r/o H. No. 2524/Sector 19C, Chandigarh.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 2nd April 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. CHD/204/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

residential plot No. 1846, situated at Sector 34-D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**THE SCHEDULE**

Residential plot No. 1846, Sector 34-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1163 of August, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

**SUKHDEV CHAND**

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd April 1980

Seal :

**FORM 111A****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1980

Ref. No. CHD/191/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. (Annexe) 152, Plot No. 9, situated at Street J, Sector 27A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Tara Dudeja W/o Shri J. N. Dudeja, resident of House No. 155, Golf Link, New Delhi-3.  
(Transferor)
- (2) Shri Jaspal Singh Dandona S/o Shri Karam Singh Dandona, House No. 64, Sector 27A, Chandigarh.  
(Transferee)
- (3) Shri Shadi Lal resident of H. No. 152, Plot No. 9, Street J, Sector 27A, Chandigarh.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. (Annexe) 152, Plot No. 9, Street J, Sector 27A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1110 of August, 1979, of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd April 1980  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Surinder Kumar S/o Shri Hans Raj S/o Sh. Chiranji Lal, r/o House No. B-XVII-49/15C, Sandeep Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Singh S/o Shri Kishan Singh, r/o House No. B-XVII-49/15C, Sandeep Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 3rd April 1980

Ref. No. LDH/287/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 share in House No. B-XVII-49/15C, situated at Mohalla Sandeep Nagar, Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/2 share in House No. B-XVII-49/15C, Ludhiana (Mohalla Sandeep Nagar, Civil Lines) .

(The property as mentioned in the sale deed No. 2327 of August, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 3rd April 1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,**  
**CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 3rd April 1980

Ref. No. LDH/288/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in House No. B-XVII-49/15C, situated at Sandeep Nagar, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Narinder Kumar S/o Shri Hans Raj r/o B-XVII-49/15C, Sandeep Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Singh S/o Shri Kishan Singh, R/o House No. B-XVII-49/15C, Sandeep Nagar Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/2 share in House No. B-XVII-49/15C, Sandeep Nagar, Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 2328 of August, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

**SUKHDEV CHAND**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Ludhiana

Date : 3rd April 1980  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Nazar Singh S/o Sh Bachan Singh of Village  
Dhilwan General Attorney Shri Kartar Singh S/o  
Sh Chuhar Singh, Village Dhilwan (Nabha)  
(Transferor)

(2) S/Shri Hardev Singh, Gursev Singh S/o Shri  
Mohinder Singh of Village Dhilwan, Nabha  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 31d April 1980

Ref No TPA/11/79-80—Whereas, I, SUKHDEV  
CHAND  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs 25,000/ and bearing No  
Agricultural land measuring 56 kanals situated at Village  
Dhilwan (Nabha)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at  
Tapa in August, 1979

for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56 kanals at Village Dhilwan  
Nabha (The property as mentioned in the sale deed No 1256  
of August, 1979 of the Registering Authority, Tapa)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date 31d April 1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Jal Kaur Wd/o Shri Sahela, resident of V. Hathan, Malerkotla.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurnam Singh S/o Shri Lal Singh, resident of V. Hathan, Malerkotla.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 3rd April 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. MKL/7/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 26 bighas 11½ biswas, situated at Village Hathan (Malerkotla)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 26 bighas 11½ biswas situated at V. Hathan (The property as mentioned in the sale deed No. 2480 of August, 1979 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3rd April 1980

Seal :

**FORM ITNS**

- (1) 1. Shri Ismailbhai Abru Teli,  
2. Shri Chunnilal Khetulal Sharma.  
Both resident of Sardar Patel Chowk,  
Yeotmal.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Geetabai Purushottamdasji Khoriwal,  
2. Smt. Dropadibai Radheyshyamji Agarwal,  
Both resident of Yeotmal.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE  
THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH,  
NAGPUR-10**

Nagpur-10, the 25th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/118/79-80.—Whereas, I,  
S. K. BILLAIYA,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Survey No. 56 situated at Mouja Yeotmal  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Yeotmal on 13-8-79  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural Land 25.4 Acres bearing Survey No. 56, at  
and Mouja Yeotmal.

**S. K. BILLAIYA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 25-2-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—  
20—76GI/80

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 25th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/119/79-80. —Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Field No. 54/4, P.H. No. 34, situated at Dighori T. & D. Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 30-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Associated Friends Cooperative Housing Society Ltd., Naik Road, Mahal, Nagpur. (Transferor)
- (2) Magas Vargiya Adiwasi Mandal, Plot No. 624-A, Nebrunagar, Shakkardara, Nagpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land out of Field No. 54/4, P.H. No. 34, Area 1.21 Hectares of Mouja Dighori, Teh. & Dist. Nagpur.

S. K. BILLAIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 25-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Tukaram Kashinath Iwankar,  
At Wadi, T. & Dist. Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Sant Dyneshwar Greh Numan Sahakari Sanstha  
Hanuman Nagar, Nagpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 25th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/120/79-80.—Whereas, I,  
S. K. BILLAIYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

P.H. No. 5, Field No. 179/9, situated at Wadi, Nagpur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Nagpur on 13-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property,  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the  
immovable property, within 45 days from the  
date of publication of this notice in the Official  
Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing P.H. No. 5, Field No. 179/9, 1.50 Acres land,  
Mouja Wadi, T. & Dist. Nagpur.

S. K. BILLAIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 26-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
THAKKAR'S BUNGLOW, GRIPETH,  
NAGPUR-10

Nagpur-10, the 26th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/121/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 106-A, House No. 105, 1764 Sq. ft. situated at Lakadganj, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Nagpur on 6-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Dayaram J. Rajai, "Dhanguru", Plot No. 81/10, Swastik Co-operative Housing Society, Chhaprunagar, Old Bhagadganj, Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Devibai Chandulal Sugandh, Plot No. 106-A, Near Godi Maharaj Gurdwara, Quotta Colony, Lakadganj, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 106-A, House No. 105, 1764 Sq. ft. Lakadganj, Layout, Quotta Colony, Nagpur.

S. K. BILLAIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 26-2-1980

Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
THAKKAR'S BUNGLOW, GRIPETH,  
NAGPUR-10

Nagpur, the 27th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/122/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N.I.T. Middle Precint, Plot No. 47, House No. 954, situated at Nagpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 9-8-79 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mahadeorao Appaji Nimbarte,  
Shanti Nagar, Circle No. 11/17,  
Near Itwari Station,  
Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Kanchangauri Mansukhlal Thakkar,  
Near Jamdar School, Walkar Road, Mahal,  
Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

N.I.T. Middle Precint, Plot No. 47, House No. 954,  
Circle No. 5/10, Ward No. 34, Old Bagadegan Road, C.A.  
Scheme, Section III, Nagpur.

S. K. BILLAIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 27-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
JHAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH,  
NAGPUR-10

Nagpur, the 27th February 1980

Ref No IAC/Acq/123/79 80—Whereas, I,  
S K BILLAIYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No  
3/5th portion of Plot No 22, 2979 Sq. ft  
situated at Dharampeth, Nagpur  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Nagpur on 13-8-1979,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Mrs. Aparna Satish Mohile,  
Regional Officer,  
Film Censor Board, 44, Block 'C',  
Type V Hyderabad House, Napean Sea Road,  
Bombay-36

(Transferor)

(2) Smt. Kailash Banwarilal Nagpal,  
"Shanti-Bhavan" Near Guru Nanda School,  
Kahdi Chowk, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

3/5th portion of Plot No 22, 2979 Sq ft situated at West  
Court Road, Mouja Phutala, Dharampeth, in the layout of  
Gazetted Officers Housing Society Ltd, Nagpur.

S K. BILLAIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 27-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
THAKKAR'S BUNGLOW, GIRIPETH,  
NAGPUR-10

Nagpur, the 27th February 1980

Ref. No. OAC/ACQ/124/79-80.—Whereas, I,  
S. K. BILLAIYA,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. North portion of the Plot No. 38, situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 16-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jayaprakashnarayan Radhakisanji Gupta,  
Karta of H.U.F. Plot No. 9-B,  
Tilaknagar, Nagpur.

(Transferor)

- (2) M/s. Khosla Engineering Industries,  
C/o Shri Chander Balkisan Khosla,  
Plot No. 39, Navnirman Housing Society's Layout,  
Pratapnagar, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

North portion of the Plot No. 38, in Hindusthan Housing Companies Layout at Amravati Road, Nagpur (Area 6087 Sq. ft.)

S. K. BILLAIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 27-2-80

Seal :

**FORM ITNS**(1) Shri Ganpat Pundlik Bhende,  
At Waddhamna T. & Dist. Nagpur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Ramkumar Rambodh Tiwari,  
Plot No. 160, Bajajnagar, Nagpur.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE**  
3RD Floor, SARAF CHAMBER, SADAR,  
NAGPUR

Nagpur, the 28th February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/126/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Field No. 60 and 60/2 Area 2.35 Acres Waddhamna, P.H. No. 6, situated at Waddhamna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 29-8-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Field No. 60 and 60/2, Area 2.35 Acres, Waddhamna P.H. No. 6, at Waddhamna, Tah. & Dist. Nagpur.

S. K. BILLAIYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 28-2-80  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BANGLOW  
3RD FLOOR SARAF CHAMBER SADAR  
GIRIPETH, NAGPUR-10

Nagpur, the 28th February 1980

No. IAC//ACQ/127/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. No. 1-2-145, House and Shops, Shivaji Nagar, Nanded situated at Nanded (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nanded on 29-8-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—76 GI/80

- (1) Shri Mohammad Zahceruddin  
S/o Mohammad Naseeruddin Quradri  
R/o Chahwni Nade Oli Yakootpura,  
Hyderabad A.P. at present at Nanded. (Transferor)
- (2) Smt. Noorjahan begum W/o Mohammad Abdul  
Karim Siddique R/o Itwara, Nanded. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Municipal House No. 1-2-245, Shivaji Nagar, Nanded.

S. K. BILLAIYA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 28-2-1980  
Seal :

## FORM INS—

(1) Dr. Muxad D. Oomrigar.

(Transferor)

(2) M/s. Firoze Estates Pvt. Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II/2816.4/Aug.79.—Whereas, I, A. H. TEJALE,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Plot No. 16(pt) CTS No. 997/2(pt) Plot No. 12, CTS No. 997-997/1, situated at Juhu Tara Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-8-79 Document No. S. 310/78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Nos. 210/78/Bom and registered on 16-8-79 with Sub-registrar Bombay.

A. H. TEJALE,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Bombay

Date :  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Malathy Amma, Kizhakkethottakkattu, Ernakulam, 2. Smt. Jayasree Kizhakkethottakkattu Ernakulam.

(Transferor)

- (2) Shri Joseph Mathew (For M/s. Joseph Michael & Bros.,) Palai.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 7th September 1979

Ref. L.C. 322/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 4-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/8th right over 58.5 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 2829/79.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 7-9-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 12th March 1980

Ref. No. L.C.404/79-80.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Vijayapuram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottayam (Additional) on 2-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Joseph Mathai,  
Vazhaparambil House, Erayil Kadavu,  
Koytayam.

(Transferor)

(2) George Thomas (Junior)  
Kallaraikei

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

7 cents of land in Sy. No. 67/1A/3 of Vijayapuram village.

V. MOHANLAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 12-3-1980  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Shri Yusuf S/o Alavi  
Methele Kizakte Valappil.  
Kodimgathiv.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",

ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th April 1980

Ref. No. L.C.407/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kottappuram (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodungalloor on 8-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

33 Cents of land with buildings as per Schedule attached to Document No. 1929/79.

V. MOHANLAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(2) 1. Devassy,  
2. Philomina  
Valiamarathikal House, Kottapuram.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date : 8-4-1980  
Seal :

FORM ITN8

(1) Smt. K. C. Valsan.

(Transferor)

(2) Smt. T. A. Sarada.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th April 1980

Ref. No. L.C. 408/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Lokamaleswaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodungallur on 4-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

23 cents of land with buildings as per Schedule attached to Doc. No. 1908/79.

V. MOHANLAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 8-4-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Janadeepam alias  
Jananadaivam Ammal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. C. Chandy.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, "ANHPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th April 1980

Ref. No. L.C.409/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Trivandrum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vengannoor on 2-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

23½ Cents of Land and buildings as per Doc. No. 1993.

V. MOHANLAL  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 8-4-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Jnanadeepam alias Jnanadaivom Ammal.  
(Transferor)(2) Shri George Mathew.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th April 1980

Ref. No. L.C.410/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Trivandrum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vengannoor on 2-8-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

23½ Cents of land and buildings as per Schedule attached to Doc. No. 1994.

V. MOHANLAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-4-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1980

Ref. No. 1036.—Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27-30-60 situated at Bandar Road Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
22-76GI/80

- (1) Smt. V. Kameswaramma, W/o Late Venkatadri, Near Sivaji Cafe Centre, Satyanarayanapuram, Vijayawada-11.  
(Transferor)
- (2) Smt. Majeti Baby Sarojini, W/o Subba Rao, C/o M/s. Sri Panduranga Engg. Co. Gandhinagar, Vijayawada-3.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Schedule of the property is as per the registered document No. 6580/79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-4-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1980

Ref. No. 1037.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. .... situated at Narasaraopeta Guntur Dist., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Narasaraopeta on September, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Tadepalli Anjaneya Sastry,  
2. Shri Tadepalli Subramanyam,  
3. Smt. Tadepalli Manikyamba,  
W/o Shri Laxminarayana,  
4. Shri Tadepalli Seetharama Sastry and  
5. Tadepalli Hanumantha Sastry,  
Narasaraopeta, Guntur District. (Transferors)
- (2) Sri Nellacheruvu Vembhotla Gupta,  
minor by Guardian Veeranjanylu,  
Narasaraopeta, Guntur district. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered document Nos. 4378, 4381 and 4379 registered before the S.R.O. Narasaraopeta during the F.N. ended 15-8-79.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-4-1980

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1980

Ref. No. 1038.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-13-55C situated at Gandhinagar, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on Sept., 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Ch. Tirumala Rao,  
Ch. Narasimha Rao, and Ch. Ramesh,  
C/o M/s. Popular Shoe Mart,  
Gandhinagar, Vijayawada-3.

(Transferor)

(2) M/s. Popular Shoe Mart,  
Sanyasiraju Road, Gandhinagar,  
Vijayawada-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5872 registered before the S.R.O. Vijayawada during the fortnight ended 15-9-79.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-4-1980

Seal :

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1980

Ref. No. 1039.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-13-55/B situated at Gandhinagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), the office of the Registering Officer at Vijayawada on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Ch. Tirumala Rao,  
C/o M/s. Popular Shoe Mart,  
Gandhinagar, Vijayawada-3.

(Transferor)

(2) M/s. Popular Shoe Mart,  
Sanyasiraju Street, Gandhinagar,  
Vijayawada-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 5831 Vijayawada dated September, 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-4-1980  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Sri Karampudi Ramakrishnaiah,  
Near Ramulavari Gudi,  
Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Chaluvasi Satyanarayana,  
Gulabchand Street, Vijayawada-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1980

Ref. No. 1040.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-5-53-6 situated at Gulabchand Street, Vijayawada-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on September 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 6686/79 dated September, 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-4-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th April 1980

Ref. No. 1041.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Ward No. 14, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Executive Officer,  
Sri Jagannadhaswamy, Sri Anjaneyaswamy and  
Venkateswaraswamy trust, Guntur. (Transferor)
- (2) Sri T. P. Shantmukham Sundar Pillai,  
No. 3 Nana Rao Naidu St.  
T. Nagar, Madras. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 5069 dated August, 1979 registered before the S.R.O. Guntur.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-4-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 21st March 1980

Ref. No. 1030.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Near Kothapet Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizianagaram on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Syed Mohammed Ali,  
S/o Mr Bobbarali Bondada Veedhi,  
Santhapeta, Vizianagaram. (Transferor)
- (2) Shri Pentapati Vijayaramayya,  
S/o Laxmana Swamy, Chinna Veedhi,  
Santhapeta, Vizianagaram. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 3055/79 registered before the S.R.O. Vizianagaram during the fortnight ended 15-8-1979.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 21-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Venigalla Prabhakara Rao,  
Lecturer, Sethavarana College,  
Sitharamapuram, Vijayawada-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Oggu Sithapathi Rao,  
Town Planning Section, Municipal Office,  
Vijayawada-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 21st March 1980

Ref. No. 1031.—Whereas, I, K. K. VEER,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 33-9-18, situated at Baristers' Street Setharamapuram  
Vijayawada,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Vijayawada on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Docu-  
ment No. 5191 registered before the S.R.O. Vijayawada during  
the fortnight ended 31-8-79.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 21-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Bandla Siva Prasad,  
Telegupalem Village, Ponnur Tq.  
(Transferor)

(2) Smt. Mannem Amareswari,  
W/o Dr Saibabu, Nidubrolu, Ponnur Tq.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 21st March 1980

Ref. No. 1032.—Whereas, I, K. K. VEER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Ponnur Guntur District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ponnur on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

23—76GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 1058 registered before the S.R.O. Ponnur during the fortnight ended 15-8-1979.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 21-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Bondla Somaiah, Telagayapalem village, Ponnur Tq.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Uppala Vasundara Devi, W/o Srimannarayana, GOVADA Tenali Tq.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 21st March 1980

Ref. No. 1033.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Ponnur Guntur Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponnur on August '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The Schedule of the property as per the Registered Document No. 1059 registered before the S.R.O. PONNUR during the fortnight ended 15-8-79.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 21-3-80.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 21st March 1980

Ref. No. 1034.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-6-1 situated at Peddapuram East Godavari Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Peddapuram on August '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) i. Sri Jangareddy Madhavarao, ii. J. Gopala Rao, iii. J. Venkatarao (Sons of Laxmanaswamy), iv. Jangareddy Venkatarao, S/o Kotaiah, v. J. Koteswarao, vi. Venkataramana (v and vi are sons of J. Venkata Rao, Mulkuru,) vii. Yelisetty Vijayakumari, W/o Satyanarayana Vadlamuru, Peddapuram Tq., viii. Devalla Gurraju, S/o Kasaiah, Vadlamuru, Peddapuram tq., ix. Vundavalli Sathiraju, S/o Govindaraju, x. Nakkalapudi, Bapiraju, S/o Gopaiah, Vadlamuru, xi. J. Sreedhar (Minor) by guardian, Madhavarao, xii. Ramesh, xiii. J. Nagesh and xiv. Sreenivas (xii to xiv are minor sons of J. Venkatarao) Mulkuru.

(Transferor)

(2) Sri Mathey Adinarayana, C/o Maruthi Rice Mill, Peddapuram.  
ii. Smt. M. Nagamani W/o Adinarayana, Pleader's street, Peddapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 1800 registered before the S.R.O. Peddapuram during the fortnight ended 31-8-79.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 21-3-80.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 21st March 1980

Ref. No 1935.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/8-3-5 situated at Red-cross st. Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on August '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Dwarampudi Bhanumuthi, W/o Satyanarayana Reddy, Prabhakar street, Ramaraopet, Kakinada, (Transferor)
- (2) Sri Kora Bhaskaranarayana Murthy, ii. Smt. Kora Annapurna Ananta Lakshmi, 2/8-8-5, Immidivari street, Gandhinagar, Kakinada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 6664/79 registered before the S.R.O. Kakinada during the fortnight ended 31-8-79.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 21-3-80.  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Sri M S Raju, G P A Mohd Arshad Ali Khan,  
H No 32 at Uppaiguda, Hyderabad  
(Transferor)

(2) Industrial Workers and Weaker Section Co operative  
House building Society, Ltd., President Sri T Yel-  
lah 805 SRT-Sanathnagar, Hyderabad  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASST COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref No RAC 1/80 81—Whereas, I, K K VEER,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs 25000/- and bearing  
S No 357/1 situated at Malkaj in Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad East on Aug-79

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Agriculture land in S No 357/1 situated at Moula Village  
Hyderabad-East, registered vide Document No 8085/79 in the  
office of the Sub-Registrar Hyderabad East

K. K VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 24-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri M. S. Raju, G.P.A. Sri Qrsheed Ali Khan, 32-1 at Upparguda, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Industrial Workers and Weavers Section Cooperative House Society Ltd., its President T. Yellalah Goud, H. No. 805-SRT, Sanathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC No. 2/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 357/1 situated at Moulali village, Hyderabad East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on Aug-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agriculture land in S. No. 357/1 situated at Moulali village, Hyderabad-East registered vide Document No. 7813/79 in office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

## HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 3/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 357/1 situated at Moulali Village Hyderabad East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on Aug-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. S. Raju, G.P.A., Mohd Shujath Ali Khan & others, H. No. 32 at Upparguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Industrial Workers and Weavers Section Cooperative House Building Society Ltd. its President T. Yellaiah Goud, H. No. 805-SRT, Sanathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in survey No. 357/1 (Part-2) area 14400 Sq. Yds at Moulali, village, Hyderabad-East, registered vide Doc. No. 8010/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-4-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 4/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-1-298/3/A & B situated at Venkatapuram Colony, Sec-bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on Aug-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Imtazunisa Begum W/o Eyed Afsar Ali Khan, H. No. 1-4-760 1/B Bakaram, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. A. Sajeed, 2. M. A. Somi, (16-A Bansilalpet,) H. No. 6-1-298/3/A & B Venkatapuram Colony, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 6-1-298/3/A & B at Venkatapuram Colony Padmanagar, Secunderabad, registered vide Document No. 2003/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-4-1980,  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s Sree Krishna Construction Co.,  
5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Mr. Vicar Sultan, 5-4-683 at Kattalmandi,  
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 5/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Hall No. 4 in situated at 4-1-938/R-9 & 10 Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Aug-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

34—76GI/80

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing in the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Hall in 4th floor of Building No. 4-1-938/R-9 and 10 of Krishna Complex Building, Tilak Road, Hyderabad registered vide Document No. 4847/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-4-1980.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No., RAC. No. 6/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. C-1 situated at S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Aug-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Dilawar Banu, W/o K.A. Siddiqui, H. No. 8-2-542/2 at Road No. 7 Banjara Hills, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Mr. Mumtajibuddin, G.P.A. Dr. Mohd. Muniruddin, Flat No. C-1 in Dilluapartment at Begumpet, Secunderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No C-1 in Dilluapartment at Begumpet, Secunderabad, registered vide Document No. 4466/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-4-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Dillu Apartments 4-1-877 at Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Rama Rao, 26-C West Nehr Nagar, Secunderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 7/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat in situated at Dilluapartment, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Aug-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-2 on 1st floor of Dillu Apartment at S. P. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 4003/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-4-1980.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I****HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC No. 8/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat B situated at Dilluapartment, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Aug-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dillu Apartments, Managing partner Smt. Dilawar Benu, 8-2-542/4 Road No. 7 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Ali Khan, 5-3-835 at Nalakunta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat B-1 situated in Survey No. 69 at Rasoolpura, Secunderabad, registered vide Doc. No. 3970/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-4-1980.

Seal :



## FORM ITNS—

- (1) Mrs. Dilawar Banu W/o Sri K. A. Siddiqui,  
8-2-542/4 at Road No. 7 Banjara Hills, Hyderabad  
of M/s Dillu Apartments.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

- (2) Mohd. Waliuddin S/o Mohd. Amanulla,  
12-2-837/3 at Asifnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 9/80-81.—Whereas, I K. K. VEER,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Flat No. A/3 situated at Dilluapartment, Secunderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on Aug-79

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. A-3 on Second Floor at Rasoolpura, Hyderabad,  
registered vide Document No. 4247/79 in the office of the  
Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 2-4 1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 10/80-81.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Zera Alambardar, 2. Mr. Mumtazhasan, both at H. No. 11-5-405 Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Ramgopalreddy, Plot No. 60 at Sreenagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 5 admeasuring 816 Sq. Yds. at Road No. 3 Banjara Hills Hyderabad, registered vide Document No. 2176/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairatabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-4-1980.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 10/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-1-114/1 situated at Padmaranagar, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Minathi Roy Chowdhary, W/o Sri A. K. Ray Chowdhary, H. No. 4-Judges Court Road, Calcutta-700047.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Shirley Sunder Raj,  
6-1-114/1 at Padmaranagar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Building No 6-1-114/1 at Padmaranagar, Secunderabad, registered vide Document No. 1916/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-4-1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 12/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8 in Main Plot No. 10 situated at Lalapet Secunderabad (and more fully described in the SCHEDULE annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bommakanti Venkattamma & others,  
H. No. 19/4 at RT-Barkatpura, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Smt. Peddi Kanakataru, W/o Sri Rajaiah,  
Kampally-Village, Medical-Tq, Rangareddy-Dist.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Sub-plot No. 8 in main plot No. 10 survey No. 182 at Bathakamakunta at Lalaguda, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1933/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-4-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Sri Ram Bhai, S/o Ranchodji Patel, 9-10-Sarjan Society, Jakatnaka, Athwa lines, Surat, Gujarat-State.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri M. Venkat Rao, S/o Janardhan Rao, 10-2-4 at East Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 13/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 141/4 situated at Nadargul Rangareddy-Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
25—76GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 141/4 at Nadargul village, Hyderabad-East Rangareddy-Dist, registered vide Doc. No. 8246/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-East.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-4-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 14/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land S. No. 141/3 situated at Nadergul Village Hyderabad-East

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Vallaba Bhai, H. No. 9-10 Surajan Society, Surat-Gujarat-State, G.P.A. Nathubhai S/o Lathabhai Patel, (Transferor)
- (2) Sri M. Venkata Rao, 10-2-4 at East Maradpally, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land in survey No. 141/3 situated at Nadergul village Hyderabad-East, Rangareddy -Dist, 8.12 Acres, registered vide Document No. 8245/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-East.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-4-1980.  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDRABAD

Hyd. dated the 2nd April 1980

Ref. No. RAC No. 15/80-81.—Whereas J. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-88 situated at Gunj Bazar Tandur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tandur on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Yaski Sangiah, S/o Narayan, Dhobgalli Tandur Rangareddy Dist.

(Transferor)

(2) Sri Gopi Kishan Baldava, S/o Ramjiwan Marwari, Tandur, Rangareddy Dist.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 4-1-88 situated at Gunj Bazar, Tandur, Rangareddy Dist. registered vide Doc. No. 851/79 in the office of the Sub-Registrar Tandur.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-4-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 16/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 48 situated at Adarshanagar Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Maddi Ranganath Sai, S/o Sri Maddi Sudershanam, Guntur, C/o Sudershan Hotel, Guntur.  
(Transferor)

(2) Sri G. S. Reddy, S/o G. R. Reddy, Suryapet, Nalgonda Dist.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land No. 48 at Adarshanagar Colony, Hyderabad, registered vide Doc No 4913/79 in the office of the Joint Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-4-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 17/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-1218/6/2/B, situated at Begumpet Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Zaiba Farzana C/o M/s. A. P. Construction Co., 10-3-304/12 at Humayaungar, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Smt. Koneru Uma Rani, 6-3-1218/6/2/B at Umanagar, Begumpet, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 6-3-1218/6/2/B at Umanagar, Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 2146/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

**K. K. VEER**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-4-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 18/80-81.—Whereas I. K. K. VEER, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-826/2 situated at Gaddimalkapur, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Mohd. Anwar Hussain, 12-2-826/2 at Goddimalkapur, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Fatima Begum W/o Maqsood Ahmed, 12-2-826/2 Gaddimalkapur, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 12-2-826/2 at Guddimalkapur, Hyderabad, registered vide Document No. 4786/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-4-1980  
Seal

FORM ITNS—

(1) Smt. P. Rajalingamma, W/o Sri Raj Veeraiah, H. No. 8-153 at Gaddiannaram, Hyderabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Vijay Kumar Upadhyaya, 16-2-501/D/2 at Malakpet, Hyderabad.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 19/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-153, situated at Gaddiannaram Villg. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East in August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 8-153 situated at Gaddiannaram, in plot No. 4, Hyderabad, registered vide Doc. No. 8732/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-East.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-4-1980  
Seal :

**FORM TINS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,****HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd April 1980

Ref. No. RAC. No. 20/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent-Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 6, 7, 8, situated at Bahadurguda Villg. Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on August 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Aneez Azmath Khatoon,  
16-11-15/19/2 at Saleemnagar Colony,  
Hyderabad (Malakpet).

(Transferor)

- (2) State Bank of Hyderabad Employees Co-operative Housing Society Ltd., Bahadurguda-II, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agriculture land bearing S. No. 6, 7, and 8 admeasuring 9 Acres 18 Guntas at Bahadurguda village, Hyderabad-East, registered vide Doc. No. 8448/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-4-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Smt. Vastavai Janikaiah, W/o Venkatarama Raju, Manchili, Tanuku Tq.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Rudraraju Ramalinga Raju, D No. 13-19, Prakashnagar, Rajahmundry.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1980

Ref. No. 1026.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Prakashnagar, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26- 76GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 4226 dated August 1979 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 12-3-1980  
Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC, No. 21/80-81.—Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot, No. 6 & 7 situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad, on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Jetender Raj, H. No. 6-3-1238 at Somajiguda Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dhanalaxmi Cooperative Housing Society, By its Secretary Sri Ramakrishna Reddy, Shop No. 16 at Indoor Stadium Fathe Maidan Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 6 and 7 at Somajiguda, Hyderabad, admeasuring 1200 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2335/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 22/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15-8-249, 285, 287 situated at Begum Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Prem Raj, 2. Behrual, 3. Sardarmull, 4. Poonamchand, 5. Dilip Kumar all residing at 15-8-249, 285 Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. C. Manakchand Gong, H. No. 10, Dharma-rajakoil Street, Saidapet, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed building bearing M. No. 15-8-249, 285, to 287 at Begum Bazar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 4635/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Mozam-zahi Market, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1980

Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Sri K. Ravi Prakash, 2. Sri K. Shahi Kumar, H. No. 7-1-50/1/B at Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Taher Ali, S/o Gulam Ali, 1-3-176/20/1 at Kavaliguda, Hyderabad-3.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 23/80-81.—Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open Plot No. T-1-128/A situated at Ameerpet, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Khairtabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Open plot in premises No. 7-1-28/A at Ameerpet, Hyderabad, registered vide Document No. 2331/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1980

Seal :



**FORM ITNS**

(1) Smt. Rudrakshi Shetty, W/o Sri B. Raghava Shetty,  
Plot No. 12, S.B.I., Officer's Colony, Bakaram,  
Hyderabad

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 24/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. S. No. 90, 91 situated at Bakaram, Sector 22D, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 ((1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. K. Kamalamma, W/o K. Siva Bushanachary, Iala Kaman Street, Bellary, 2. Smt. K. Savithri, W/o K. Subrahmayam, 16-11-310/15/3 at Saleemnagar, Hyderabad-36.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot measuring 568 Sy. Yds. in survey No. 90 and 91 at Bakaram, Hyderabad, plot No. 52, 53, 54 and 55, registered vide Doc. No. 5040/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

**K. K. VEER**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 25/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 5-9-22/33 situated at Adarshnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri I. Subba Rao, R/o Ramachandrapuram, East-Godavari Dist.  
2. Sri K. Satrugna Sarma, R/o Ramaraopet, Kakinada.

(Transferor)

- (2) Smt. Rajarani Makhia, W/o Sardar Amlok Singh, 5-9-22/33 Adarshnagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 5-9-22/33 at Adarshnagar, Hyderabad, measuring 391 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 4937/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980

Sent :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Zohra Siddiqui, W/o Sri Mohd. Siddiqui, H. No. 1-4-461 at Musheerabad, Hyderabad.

(2) Dr. Mohd. Imam Hannore, Quarter No. 3 at University Quarters Osmania University Campus, Hyderabad-7.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 26/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port. 1-4-443 situated at Musheerabad Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of House No. 1-4-443 at Musheerabad, Hyderabad, admeasuring 683 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 5048/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980  
Seal :

## FORM TINS—

(1) Sri Chandra Reddy, S/o Gour Reddy, Agriculturist, Zaheerabad, Medak Dist.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P Naroop S/o Sri P Ramachandra Reddy, 3-6-140 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,Objections, if any, to be acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No 27/80-81 —Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-6-140/1/3 situated at Himayatnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 3-6-140/1/3 at Himayatnagar, Hyderabad, ad-measuring 440 Sq. Yds registered vide Doc No. 4866/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Nawab Bhojay Jah Bahadur, H. No. 3-5-141/E/6  
Eden Bagh, Ramkote, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA(2) Smt. Nani Bai W/o Sri Ram Walab, 15-8-333  
Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD  
Hyderabad, the 10th April 1980Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.Ref. No. RAC. No. 28/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. 3-5-141/E-6 situated at Eden Bagh, Ramkot-3,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer, ..  
at Hyderabad, on August 1979for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Portion of H. No. 3-5-141/E/6 at Eden Bagh, Ramkote,  
Hyderabad, area 396 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 4796/  
79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely  
27—76 GI/80K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.Date : 10-4-1980  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 15th April 1980

Ref No. RAC. No. 29/80-81.—Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Port 3-5-141/E/6 situated at Fdengarden Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Nawab Bhojat Jah Bahadur, 3-5-141/E/6 Eden Bagh Ramkote, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Vijaya Kumar H. No. 15-6-502 at Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Portion of H. No. 3-5-141/E/6 at Eden Bagh Ramkote, Hyderabad, registered vide Doc. No. 4797/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Syed Mohammed Badruddin H. No 4-1-648,  
Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Haji Mohammed Ali, and Smt. Ameer Begum  
W/o Haji Mohammed Ali, H No 4-1-648 Hindus-  
tani Lane, Troop Bazar, Hyderabad t

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No RAC No 30/80-81.—Whereas, I, K K VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 4-1-648 situated at Troop Bazar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No 4-1-648 portion, Hindustani Lane, Troop Bazar Hyderabad, registered vide Document No 4636/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-4-1980

Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Sri Bhuvankar Sambasivarao, 8-2-283/2 at Shivaji-nagar, Secunderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ragi Madhavi, W/o Prakash, H. No. 17 Hyderbasti, Secunderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC, No. 31/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-B plot situated at 142 Prenderghast Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad, on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land bearing M. No. 1-B, in premises No. 142 Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide document No. 1931/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980  
Seal :



**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF****THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No RAC. No. 32/80-81—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Plot No. 7 in situated at S. No. 29, Begumpet, Sec-bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Meheurnnisa Begum, 5-5-204, Nampally, Hyd.
2. Smt. Nazem Jahan Khlullah, R/o Ameerpet, Hyd.
3. Sri Mohd. Bashluthalla,
4. Sri Omar Bin Awad, 14-4-551/1 Yakutpura, Hyderabad,
5. Sri Sayed Mustaq Hussain, 16-11-1/1A Malaketa, Hyd.
6. M. A. Gaffoor, 102/C Agahapura, Hyd.
7. Mir Farooq Ali Khan, 9-4-84/21 at Kakatiyanagar, Colony, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Emanu Anasuya, W/o late Sri E. Veera Swami, H. No. 52-A Sebastian Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 7 in S. No. 29, and 189, M No 1-10-66/A Begumpet, Hyderabad registered vide Doc No. 1900/79 in the office of the Sub Registrar, Secunderabad

**K. K. VEER**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980  
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 33/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot S. No. 123 situated at Moosapet, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. P. Sujata, W/o P. V. Koteswara Rao, H. No. 28-29-26 Suiyaraopet, Vijayawada (G.P.A. Sri P. Nageshwara Rao).

(Transferor)

(2) Sri M. Sudaishan Rao, H. No. 3-52 Kukatpally, Hyderabad.  
2, P. Bashiah, 3-67 Kukatpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open land in S No. 123/A, 123/A, 123/B admeasuring 2561 Sq. Yds. situated at Moosapet, Hyderabad-East, registered vide Document No. 1762/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980  
Sd/-

FORM ITNS—

(1) Sri G. Mahadevan, 2. Sri H. Narayan, both residing at Santa Cruz-West, Bombay-54.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sarla Kapoor, 7-1-27/1 at Ameerpet, Hyderabad.

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
HYDRABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 34/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-27/1 situated at Ameerpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Building M. No. 7-1-27/1 on plot No. 4, at Ameerpet, Hyderabad, registered vide Document No. 2283/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairatabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri P. Ch. Jogi Rajan, 8-2-335 Road No. 3 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC No 35/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-335 situated at Banjara Hills Hyderabad, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Surjit Singh Kohli, 8-2-350/6 Road No. 3 Banjara Hills, Hyderabad.  
2. Smt. Charanjit Seema, W/o Surjit Singh Kohli, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building measuring 403 Sq. Mts at, at 8-2 335 Road No. 3 Banjara Hills Hyderabad, registered vide Doc. No. 2397/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri V. Srirama Rao, G.P.A. Sri B. Butchi Raju, H.  
No. 3-4-490 at Barkatpura, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Smt. T. Lakshmi Bai, W/o T. Bala Goud,  
2. T. Subash Goud, both at 8-2-120/45 Road No. 2  
Banjara Hills, Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 36/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER,  
being the competent authority under section 269 B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Plot in 8-2-120/45 situated at Banjara Hills Hyderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Hyderabad on August 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

28—76GI/80

## THE SCHEDULE

Plot No. 8-2-120/45 at Road No. 2 Banjara Hills, Hydera-  
bad, registered vide Doc. No. 4960/79 in the office of the  
Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref No RAC. No. 37/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-2-120/45 situated at Banjara Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(1) of (1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Laxmi Bai, W/o Krishna Murthy, G.P.A. Sri R. Buchi Raju, 3-4-390 at Baratatpura, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. T. Sangamma, W/o T. Bala Goud, 2. T. Pramila D/o Bala Goud, both residing at (Himayatnagar, Hyderabad). 8-2-120/45 at Banjara Hills, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot in M. No. 8-2-120/45 Road No. 2 Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Document No. 4959/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-4-1980  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

- (1) Smt. Amtul Hameed, W/o Sri Mohd. Abdul Hasan, 10-3-304/12 at Humayaun Nagar, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Dr. Rukhsana Moosavi, W/o Mr. Mohammed Riazul Hasan H. No. 11-6-186 at Public garden Road, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 38/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-636/8/1 situated at Ameerpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Plot No. 7-1-636/8/1 admeasuring 210 Sq. Yds. at Bahalookhanguda Hyderabad, registered vide Document No. 5027/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-4-1980

Seal :

**FORM TINS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 39/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-45 situated at Gaddiannaram, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. K. Swarna Kumari, 9-45-Gaddiannaram, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Smt. A. Kanthi, H. No. 9-45 at Gaddiannaram, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

House M. No. 9-45 in plot No. 86, at Gaddiannaram, Hyderabad, registered vide Document No. 4882/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-4-1980

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No 40/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 8 situated at S. No. 29, 189 Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mehrunnisa Begum, W/o late Assadaullah and 6 others, H. No. 5-5-204 at Nampally, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. Tota Savitri, W/o T. A. V. Radhakrishnamurthy R/o Nehrunagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 8 in survey No. 29 and 189, admeasuring 553 Sq. Yds. situated at Begumpet, Secunderabad, registered vide Document No. 2643/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-4-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,

## HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 41/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land S. No. 71 situated at Kishenguda Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. Vidyasagar Reddy, S/o M. Bhoji Reddy, 3-2-792 at Kachiguda, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) M/s Associated Hen Complex, Managing Director Sri V. Satyanarayana, H. No. 16-11-515/1 Dilsukhnagar, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land survey No. 71 at Kishenguda, Village, Rangareddy-Dt. total area 10 acres registered vide Document No. 1750/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-4-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 42/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land TS No. 2142/3 situated at Ananthapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ananthapur on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri G. Sōmi Reddy, S/o G. Nagi Reddy, 13/678 at Ramnagar, Ananthapur.

(Transferor)

(2) Sri K. Mohana Reddy, S/o K. V. Ramakrishna-Reddy Kadalavaripally, R/o Ranakal, Kadiri-Tq. Ananthapur-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land T. S. No. 2142/3 at Ward No. 12-Ananthapur-Town, Ananthapur, registered vide Document No. 5482/79 in the office of the Sub-Registrar Ananthapur.

K. K. VEER

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-4-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 1980

Ref. No. RAC. No. 43/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26/C situated at 10-2-271 Nehrunagar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Sri T. S. Naidu, 26/C New No. 10-2-271 at Nehrunagar, Secunderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri T. S. Jaisooraya, S/o T. S. Naidu, and Kumari T. S. Chitra, D/o T. S. Naidu 26-C Nehrunagar, Secunderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground floor portion of H. No. 26/C new No. 10-2-271 at Nehrunagar Secunderabad, registered vide Document No. 2042/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-4-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1980

Ref. No. RAC. No. 44/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open Land is situated at Thokatha Village Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—76GI/80

- (1) 1. A. Venkatamma.  
2. A. Bal Reddy.  
3. A. Krishna Reddy.  
4. A. Sunitha.  
5. A. Sridhar Reddy.  
6. A. Srikant Reddy.  
R/o H. No. 1-9-47, Thokatha Village, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) The ICRISAT Employees Co-Op Housing Society by K. C. Saxena, Secretary, Plot No. 65, Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the open land measuring one acre in Survey Nos. 117 and 118 situated at Pedda Thokatha Village, Secunderabad toment Registered Vide document No. 2107/79, Sub Registrars Office Secunderabad in August 1979.

K. K. VEER

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-4-1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1980

Ref. No. RAC. No. 45/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land in situated at Thokatha Village Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. A. Venkatamma.  
2. A. Bal Reddy.  
3. A. Krishna Reddy.  
4. A. Sunitha.  
5. A. Sridhar Reddy.  
6. A. Srikanth Reddy.  
R/o H. No. 1-9-7, Thokatha Village, Secunderabad.  
(Transferor)
- (2) The ICRISAT Employees Co-Op Housing Society by K. C. Saxena, Secretary, Plot No. 65, Srinagar Colony, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the open land measuring 33 guntas in Survey No. 119 situated at Peada Thokatha Village, Secunderabad Cantonment Registered Vide Document No. 2074/79, Sub Registrars Office, Secunderabad in August 1979.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-4-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC. No. 46/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open Land situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri I. A. Venkatamma, 2. A. Bal Reddy  
3. A. Krishna Reddy, 4. A. Sunitha,  
5. A. Sridhar Reddy, 6. A. Srikanth Reddy,  
R/o H. No. 1-9-45/47, Thokatha Village,  
Secunderabad.

(Transferor)

- (2) The CRISAT Employees Co-Op. Housing Society  
by K. C. Saxena, Secretary,  
Plot No. 65, Srinagar Colony,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the open land measuring one acre one gunta in Survey No. 117 situated at Pedda Thokata Village, Secunderabad Cantonment, registered vide document No. 2119/79 Sub Registrar's Office, Secunderabad on August, 1979.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-4-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1980

RAC No. 47/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Land situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri 1. A Venkatamma, 2. A. Ball Reddy  
3. A. Krishna Reddy, 4. A. Sunitha,  
5. A. Sridhar Reddy, 6. A. Srikant Reddy,  
R/o H. No. 1-9-47, Thokatha Village,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) The CRISAT Employees Co-op. Housing Society  
by K. C. Saxena, Secretary,  
Plot No. 65, Srinagar Colony,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the open land measuring NIL acres 30 guntas in survey No. 119 situated at Bhoimpalli, Secunderabad Registered Vide document No. 2054/79 Sub Registrars Office, Secunderabad in August, 1979.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-4-1980

Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 17th April 1980

RAC No. 48/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land, situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri 1. A Venkatanima, 2. A. Ball Reddy, 3. A. Krishna Reddy, 4. A. Sunita, 5. A. Sridhar Reddy, 6. A. Suikant Reddy, R/o H. No. 1-9-45/47, Thokatha Secunderabad. (Transferor)
- (2) The ICRISAT Employees Co-Op. Housing Society by K. C. Saxena, Secretary, Plot No. 65, Srinagar Colony, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All the open land measuring 31 guntas in Survey Nos. 118, 119 & 120, situated at Pedda Thokatha Village, Secunderabad Cantonment. Registered Vide Document No. 2090/79 in the Sub Registrars Office Secunderabad in August, 79.

**K. K. VEER,**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-4-1980  
 Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC. No. 49/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open Land situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. A. Venkatamma, 2. A. Bal Reddy, 3. A. Krishna Reddy, 4. A. Sunitha, 5. A. Sridhar Reddy, 6. A. Srikant Reddy, R/o H. No. 1-9-45/47, Thokatha Village, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) The ICRISAT Employees Co-Op. Housing Society by K. C. Saxena, Secretary, Plot No. 65, Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the open land measuring one acre one gunta in Survey No. 117 situated at Pedda Thokata Village, Secunderabad Cantonment Registered Vide Document No. 2138/79 Sub Registrars Office in August, 1979.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

RAC No. 50/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. A. Venkatamma, 2. A. Bal Reddy,  
3. A. Krishna Reddy, 4. A. Sunitha,  
5. A. Sridhar Reddy, 6. A. Srikanth Reddy,  
R/o H. No. 1-9-45/47, Thokatha Village,  
Secunderabad.

(Transferors)

(2) The ICRISAT Employees Co-Op. Housing Society  
by K. C. Saxena, Secretary,  
Plot No. 65, Srinagar Colony,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the open land measuring 1 acre 1 gunta in survey Nos. 113, 114 & 120 situated at New Hoenpalli, Secunderabad Registered Vide document No. 2053/79 Sub Registrars Office Secunderabad in August, 1979.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-4-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC No. 51/80-81.—Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land in situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1.S/Shri A. Lachhamma, 2. A. Balamani  
3. A. Chandramani,  
R/o H. No. 1-9-7, Thokatha Village,  
Secunderabad.

(Transferors)

(2) The ICRISAT Employees Co-Op, Housing Society  
by K. C. Saxena, Secretary,  
Plot No. 65, Srinagar Colony,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

All the open land measuring one acre bearing Survey No. 119, situated at Pedda Thokatha Village, Secunderabad Cantonment Registered Vide document No. 2089/79 in Sub Registrars Office August, 1979.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-4-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

RAC No. 52/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land in situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Shri A. Lachamma, 2. A. Balamani, 3. A. Chandramani, R/o H. No. 1-9-7 Thokatha Village, Secunderabad. (Transferors)

- (2) The ICRISAT Employees Co-op. Housing Society by K. C. Saxena, Secretary, Plot No. 65, Srinagar Colony, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the open land measuring 36 guntas in Survey Nos. 120 & 119 situated at Pedda Thokatha Village, Secunderabad Registered Vide document No. 2073/79, Sub Registrars Office Secunderabad in August, 1979.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-4-1980

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC. No. 53/80-81.—Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open Land situated at Thokatha Village, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. A. Lachamma, 2. A. Balamani,  
3. A. Chandramani  
R/o H. No. 1-9-7, Tokatha Village,  
Secunderabad.

(Transferor)

- (2) The ICRISAT Employees Co-Op. Housing Society  
3. A. Chandramani,  
Plot No. 65, Srinagar Colony,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the open land measuring 35 guntas in Survey No. 121, situated at Pedda Thokatha Village, Secunderabad Registered Vide Document No. 2108/79 Sub Registrars Office, Secunderabad in August, 1979.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-4-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref No RAC No 54/80-81—Whereas, I, K K VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House P No 16 situated at East Mareidipalli, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri R. Gopal,  
11-A/2 West Extension Area, New Delhi-5  
(Transferor)

(2) Smt. Jyothika Vidyarthi  
Plot No. 16, S No. 74/6, Addagutta,  
East Mareidipalli, Secunderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No 16 in Survey No 74/6 and 74/10 with building thereon, admeasuring 612 Sq yards equivalent to 512 Sq. Meters situated at East Mareidipalli, Secunderabad Registered vide document No 2009/79 Sub Registrars office Secunderabad

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 17-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

RAC No. 55/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Gandhinagar Bholakpur, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri B. Pandurangarao,  
Fourth Asst. Judge, City Civil Court,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sh. G. Gopala Krishna Reddy  
R/o 4-2-203, Old Bhoiguda,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 6-6-402, Gandhinagar, Bholakpur, Secunderabad consisting ground and first floor with 1406 Sq. ft. in measurement Registered Vide Document No. 2013/79, Sub Registrar Office, Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-4-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Sh. T. Kumaraswamy & Others,  
Warangal.

(Transferor)

(2) Sh. K. Narasiah  
R/o Mattewada, Warangal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.Ref. RAC. No. 56/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

House situated at Mattewada, Warangal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908), in the Office of the Registering Officer  
at Warangal in August, 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957,  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A tiled house situated at Mattewada, Warangal Registered  
vide document No. 2737/79, Sub Registrar Warangal in  
August, 1979K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 17-4-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. T. Hanumaiah & Others,  
1-49, Moosapet Village, R.R. Distt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Dinubhai D. Desai & Others  
4-3-314, Bank Street, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC. No. 57/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Land situated at Moosapet Village R.R. Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad West in August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of agricultural dry land in the village of Moosapet Taluk Hyderabad West District Rangareddy in the jurisdiction of the Sub-Registrar Hyderabad West and in the Gram Panchayat of Moosapet Registered Vide Document No. 1915/79, Sub Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-4-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Amutul Hameed, C/o A. P. Construction Co.  
H. No. 10-3-30/12 Humayunnagar, Hyderabad.  
(Transferor)(2) Shri Anil D. Desai & Others, H. No. 4-4-322, Kothi,  
Hyderabad.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC.58/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-636/8/1, situated at Bahalool Khanguda, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on August, 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with double storeyed house in unfinished condition nearing completion with water connection in plot No. 7-1-636/8/1 admeasuring 167 Sq. yards i.e. 146.30 Sq. meters situated at Bahlookhanguda, Amecpet, Hyderabad Registered Vide Document No. 2425/79, Sub Registrar's Office, Khairatabad.

(K. K. VEER),  
Competent Authority,  
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Dated : 17-4-1980.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC-59/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7-1-636/8/1 situated at Bahlool Khanguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on August, 79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Amtul Hameed C/o. A. P. Construction Co. 10-3-30/12, Humayunnagar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Shri Dinubhai Desai & Others, H. No. 4-3-314, Bank Street, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land with double storeyed house in unfinished condition nearing completion without water connection in plot No. 7-1-636/8/1 admeasuring 210 Sq. yards i.e. 181-21 Sq. meters situated at Bahloolkhanguda, Ameerapet, Hyderabad Registered Vldc Document No. 2424/79 Sub Registrars Office, Khairatabad

(K. K. VEER),  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 17-4-1980.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC.60/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Land situated at Punjagutta, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairatabad on August, 79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31-- 76GI/80

(1) Shri Nizamuddin Ahmed & Others, 6-3-248/3/A-4, Kakatiyanagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Virgo Construction Co. Lakidikapool, Hyderabad (Dwaraka Buildings).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that area of plots admeasuring about 5,016.73 Sq. meters situated in Survey No. 161 of village Punjagutta, Khairatabad, Hyderabad Registered Vide document No. 2495/79, Sub Registrar office, Khairatabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 17-4-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ramiishan Rao Nilker, H. No. 3-4-206, Lingampally, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Sathiah &amp; Others, H. No. 2-87, Moosapet, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC.61/80-81.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open Land situated at Moosapet Village, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad—West, on August, 79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot Nos. land in S. No. 36/1 area 1 acre and 2 guntas at Moosapet Village, Hyderabad Registered Vide Document No. 1968/79 Sub Registrar office Hyderabad—West.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated . 17-4-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC. 62/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land, situated at Hashmatpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) K. Janardhan Reddy,  
Hashamatpet Road, Secunderabad. (Transferor)
- (2) S. B. I. Employees Co-Op. Housing Society,  
H.A.L. Campus, Balanagar,  
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2.00 Acres of land in S. No. 74, 75 & 76 on the Hashmatpet Road, Secunderabad Cantonment Registered vide Document No. 2085/79 Sub Registrar office, Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date :17-4-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC. 63/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-8-54/1/A, situated at Prenderghast Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. Rajya Laxmi & Others.  
East Mareidipally,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) A. Swaroopani  
C/o A. Premnagar, Bholakpur,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. 1-8-54/A/1 built No. 37/B Prenderghast Road, Secunderabad (N) 25 Road (S) Plot No. 41, (E) No. 1-8-54/A (W) Plot No. 36 Registered vide Document No. 2015/79 Sub Registrar Office, Secunderabad in August, 79.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Dte : 17-4-1980  
Seal :



## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) T. Hanumalah & Others,  
1-40, Moosapet Village,  
Hyderabad. (Transferor)
- (2) Jayanthilal & Others  
8-4-310, Erragadda,  
Hyderabad. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1980

Ref. No. RAC. 64/80-81.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Open plot, situated at Moosapet Village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2057 Square yards in S. Nos. 121/2 and 126/2 of Moosapet Hyderabad West Taluk Rangareddy District. Registered vide Document No. 1940/79 Sub Registrar Office, Hyderabad-West.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th March 1980

Notice number : 267/79-80.—Whereas I, H. TIMMAIAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 234/83, 243, 1, 2, 220, 221 and 222, situated at Mudlapur, Amaravati and Hospet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hospet, under document number 654 on 20-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. The India Sugar and Refineries Limited,  
Hospet-583201.  
(Transferor)
- (2) M/s. Pampasar Distillery Limited,  
Hospet-583201.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 654/79-80      Dated : 20-8-1979]

- (1) Land admeasuring 7.42 acres with Distillery buildings Plant and Machineries and other structures standing and erected thereon, being survey No. 234/83 (Part) of Mudlapur village, S. No. 243 (Part) of Amaravati village and S. No. 1 (Part) of Hospet.
- (2) Land admeasuring 11.25 acres with residential quarters and other structures standing and erected thereon being survey No. 1 & 2 (Part) of Hospet. (Transferee)
- (3) Open land admeasuring 18.30 acres of land being survey No. 220, 221, 222 of Amaravati village Hospet Taluk.

H. TIMMAIAH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-3-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore 560001, the 13th March 1980

C R No. 62/24786/79 80/Acq/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 2/103, 104, situated at Periyanna lane, Sadarpatappa road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghandhinagar, Bangalore Doc No. 1598/79-80 on 16-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt Hammeda Bi Alias Pyanbi,  
2, Sri Abdul Gafoor Alias Ameerjan  
No. 2/103-104 Periyappa lane,  
Saidnappan road cross,  
Bangalore-560002 (Transferor)
- (2) Smt Shataj Begum w/o Azeezullah  
No 39, Sadarpatappa road,  
Bangalore-560002 (Transferee)
- (3) M/s Munklal Traders  
2 M/s Instruments & Chemicals (P) Ltd.  
3 Sri Jhawar Bhai  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

[Registered document No 1598/79-80. Dated 16-8-79]

House property being No 2/103-104, situated at Periyanna lane Sadar Patappa road, Bangalore.

H. THIMMAIAH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date 13 3 1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th March 1980

C. R. No. 62/24689/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding situated at 2nd Main, Vinayak nagar, Tumkur 2nd Main, Vinayak nagar, Tumkur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur Doc. No. 1260/79-80 on 24-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) I. G. Chandra S/o  
Guruchannabasappa  
Kasturba Extn. Tumkur.

(Transferor)

(2) Shri H. Gurunatha Kamath,  
No. 2443, 11nd Main Road,  
Vinayaknagar, Tumkur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1260/79-80 Dated 24-8-79]

House property No. 2443, situated at 2nd Main Road, Vinayaknagar, Tumkur.

H. THIMMAIAH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-3-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 12th March 1980

C.R. No. 62/24881/79/80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. 46, situated at Casaba Bazar village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Doc. No. 330/79-80 on 24-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

32—76 GI/80

(1) A. Hussainabba, S/o. Late Adyan Ahmed Haji Kandaka, Mangalore-2.

(Transferor)

(2) Shri M. Achuthan S/o. Chathu, S.L. Mathias Road, Falair, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 330/79-80, dated 24-8-79)  
House property TS. 46, Casaba Bazar Village, Mangalore.

H. THIMMAIAH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 12-3-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 12th March 1980

C.R. No. 62/25892/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H THIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Makkala Basavanna Temple Street, Ganigarpet, Nagarpet Cross, Bangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 3122/79-80 on 21-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Sathya Lakshamma,  
W/o. P. S. Dasaratharamaiah Setty,  
No. 227, 3E Main Road, Jayanagar,  
Bangalore-11.

(Transferor)

- (2) Sri Ajithnath Jain Swethamber,  
Murthy Puja Sangh Makkala Basavanna  
Temple Street, Nagarpet, Bangalore-560002.  
By its chairman : Sri Dungarmal Punamchandji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3122/79-80, dated 21-12-1979)  
Property bearing No. 4, MBT Street, Ganigarpet, Nagarpet, Cross, Bangalore-city.

H. THIMMAIAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-3-1980.  
Seal

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 12th March 1980

C.R. No. 62/24801/79-80/ACQ/B.—Whereas, I. H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, situated at Makkala Basavanna Temple Street, Nagarthpet, B'lore City.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, B'lore, Doc. No. 1661/79-80 on 21-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

1. (1) Rikabchand,  
(2) Sri Mangilal,  
No. 100/1, Mamulpet, B'lore-2.

(Transferor)

2. Shri Ajithnath Jain Sevetamber  
Murty Pujak Sangh, Makkala Basavanna Temple St.,  
Nagarthpet, B'lore-2. Rep. by its Chairman Sri  
Daugamal Punamchandji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1661/79-80. Dated 21-8-79)  
House property No. 5, Makkala Basavanna Temple St.,  
Nagarthpet, B'lore.

H. THIMMAIAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 12-3-1980.  
Seal:

## FORM ITNS ———

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 15th March 1980

C.R. No. 62/24777/79-80/ACQ/B.—Whereas I, H. THIMMALAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 108 situated at 11th Cross Road, Malleswaram, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore Doc., No. 1931/79-80 on 11-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Pankajan,  
W/o. Sri T. S. Rajam,  
No. 109, 11th Cross Road,  
Malleswaram, Bangalore.

(Transferor)

(2) Master R. Dinesh,  
S/o. Sri R. Ramachandran,  
Minor By Natural Mother Guardian  
Mrs. Indu Ramachandran,  
No. 16, Jawahar Road, Chokkikulam,  
Madurai-625002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. 1931/79-80. Dated 11-8-1979.)  
Vacant site bearing No. 108, 11th Cross, Road, Malleswaram, Bangalore-560003.

H. THIMMALAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-3-1980.

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 28th March 1980

C.R. No. 62/171(2)/79-80/Acq/B.—Whereas, I. H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. Nos. as mentioned in saledeed. Property known as "Annamalai Estate" (Hosmane Watchalli, Baithney Villages situated at Arehalli Hobli, Belur Taluk, Hassan District (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belur Doc. No. 365/79-80 dt. 10-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri (1) M. S. P. Rajes, (2) Vijayan Rajes Both Residents of "Cauvery Peak Estates" Yercaud-636601, Salem District (Tamil Nadu).  
(Transferor)
- (2) S/Shri (1) A. N. Kannappa Chettiar, (2) Kannappa Valluappa, (3) K. N. Sundram, (4) K. N. Rathnam, (5) K. N. Meenakshi Sundram, (6) K. N. Subbaiah, (7) A. N. Subramanian Chettiar, (8) S. P. Theivanai Achi, (9) Meenakshi Achi (10) A. N. Prema, (11) A. N. Naichiappa Chettiar, (12) N. Kannappan, (13) N. Nichiappan Alias Rajamani, (14) P. L. Dheivanai (15) N. Arunachalam Chettiar (16) N.A.R. Meenakshi Achi (17) N. Ar. Arunachalam (18) N. Ar. Thannimalai, 1 to 13 & 15 to 18 Bankers. Resident of Kallal, Ramanathapuram District, Tamil Nadu. No. 14, Bankers Resident of Nachiapuram, Ramanathapuram District, Tamil Nadu.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 365/79-80. Dated 10-8-1979)

The property consists of coffee lands known as Annamalai Estate situated at Hosmane, Watchalli & Baithney villages, Arehalli Hobli, Belur Taluk, Hassan District.

The Survey Numbers as mentioned in saledeed.

H. THIMMAIAH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore-560001.

Date : 28-3-1980.  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 28th March 1980

C.R. No. 62/174(2)/79-80/Acq/B.—Whereas, I. H. THIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per sale deed. The property consisting of coffee lands known as Annamalai Estate. Situated at: Arehally village, Belur Taluk, Hassan District. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belur. Document No. 417/79-80 on 20-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati (1) Sundra Rajes, (2) Mr. Dayalan Rajes, (3) Mrs. Hema Dayalan, (4) Mr. Mohan Rajes, (5) Mrs. Gowri Pandiyanathan. Sl. No. 1 to 5 Residents of Mohanad peak estate, Semmanatham P.O., Yercaud-636602 (Tamil Nadu).

(Transferors)

(2) A. N. Kannappa, (2) Kannappa valliappa, (3) K. N. Sundram, (4) K. N. Rathnam, (5) K. N. Meenakshi, (6) K. N. Subbaiah, (7) A. N. Subramanian Chettiar, (8) S. P. Thivanni Achi, (9) K. R. Meenakshi Achi, (10) A. N. Prema, (11) A. N. Nichiappa Chettiar, (12) N. Kannappa, (13) N. Naichiappan Alias Rajamani, (14) P. L. Dheivanai, (15) N. Arunachalam, (16) N. AR. Meenakshi, (17) N. A. R. Arunachalam, (18) N. AR. Tahnnimalai. Sl. No. 1 to 13 and 15 to 18 Bankers, Residents of Kallal, Ramanathapuram District (Tamil Nadu) Sl. No. 14, Banker Resident of Nachlapuram Ramanathapuram District (Tamil Nadu).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 417/79-80. Dated 20-8-79)

The Survey numbers as mentioned in sale deed. The property consisting of coffee lands known as "Annamalai estate" situated at Arehally Village, Belur Taluk, Hassan District.

H. THIMMAIAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-3-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE,

## BANGALORE

Bangalore-560001, the 25th March 1980

C.R. No. 62/24847/79-80/ACQ/B.—Whereas, I. H. THIMMAIAH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 96-E, situated at V Block, Jayanagar Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar Bangalore, Doc. No. 1400/79-80 on 16-8-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati M. K. Parvathi Devi W/o C. N. Oopavarsha, No. 172, 1st Block East, Jayanagar, Bangalore-560011.

(Transferor)

(2) Shri (Dr.) P. Srinath, S/o H. P. Padmanabhan No. 331, I 'A' Main 7th Block, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1400/79-80 dated 16-8-79)  
House bearing No. 96 E, Vth Block, Jayanagar Extension, Bangalore-11.

Bounded on : East by Site No. 135/B.  
West by Road.  
North by Site No. 96/D.  
South by Site No. 96/F.

H. THIMMAIAH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-3-1980.

Seal :

## FORM FINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, dated the 26th March 1980

C.R. No. 62/24850/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at 274/1-'A' 9th 'A' Main Road, II Block, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar Bangalore Doc. No. 1429/79-80 on 20-8-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, namely :—

- (1) Shri K. C. Vijayendra Reddy, No. 18, Bellary Road, Sadashivanagar, Bangalore-6. (Transferors)
- (2) Shrimati Bakul V. Hemmad, No. 274/1-A, 9th 'A' Main Road, II Block, Jayanagar, Bangalore-11. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1429/79-80 dated 20-8-1979)  
House premises No. 274/1-A, 9th 'A' Main Road, II Block Jayanagar, Bangalore-11.  
Bounded on : East by Premises No. 274,  
West by 9th 'A' Main Road,  
North by Premises belonging to K. C. Sudarshan Reddy,  
South by 8th Cross Road.

H. THIMMAIAH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 26-3-1980.  
Seal :